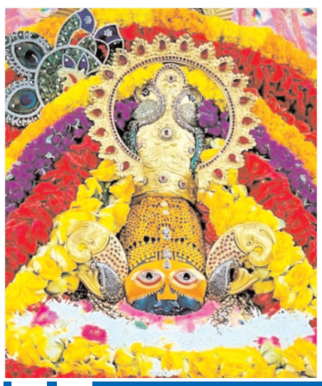

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:347। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 07 अगस्त 2026 (शुक्रवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

यौन उत्पीड़न केस में तरुण तेजपाल को 10 साल की सजा

बॉम्बे हाईकोर्ट बोला- 2 हफ्ते में सरेंडर करें 2013 में साथी पत्रकार ने आरोप लगाया था

एजेंसी

श्रीनगर । बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने गुरुवार को तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल को रेप केस में दोषी करार दिया। उन्हें 10 साल जेल की सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि वे 2 हफ्ते में सरेंडर करें।

इससे पहले मई 2021 में गोवा की ट्रायल कोर्ट ने सबूतों के अभाव में तेजपाल को बरी कर दिया था। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा था। मामला नवंबर 2013 का है। तहलका की महिला पत्रकार ने आरोप

लगाया था कि गोवा में आयोजित थिंक फेस्ट के दौरान 7 और 8 नवंबर की रात होटल की लिफ्ट में तरुण तेजपाल ने दो बार उनका यौन उत्पीड़न किया।

हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट का फैसला क्यों पलटा

हाईकोर्ट ने माना कि ट्रायल कोर्ट ने सबूतों की बजाय घटना के बाद पीड़ित महिला के व्यवहार पर ज्यादा ध्यान दिया। साथ ही, तेजपाल के माफी मांगने वाले ई-मेल जैसे अहम सबूतों को भी सही अहमियत नहीं दी। कोर्ट ने तेजपाल को IPC की धारा 376(2)(f), 376(2)(k), 354A और 354B के तहत दोषी माना है। ये धाराएं रेप, यौन उत्पीड़न और महिला को निर्वस्त्र करने के इरादे से हमला करने से संबंधित हैं।

तेजपाल ने कहा- सुप्रीम कोर्ट जाएंगे

हाईकोर्ट के फैसले पर तेजपाल ने कहा, 'हम फैसले से बहुत निराश हैं। हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। कुछ लोग तहलका और राजनीतिक बदले की भावना से 13 सालों से मेरे पीछे पड़े हैं। हमने 7.5 साल ट्रायल कोर्ट में केस लड़ा और बरी हुए थे।'

ई20 पर आमने-सामने: 'ई50 की तैयारी, नए वाहन न खरीदें

केजरीवाल और अमित मालवीय में तीखी जुबानी जंग

एजेंसी

झांसी । आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और भाजपा के आईटी विभाग प्रमुख अमित मालवीय के बीच एक्स पर तीखी बहस सामने आई। केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर डीजल और विमानन टरबाइन ईंधन में इथेनॉल मिश्रण करने की योजना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकार ई20 ईंधन के बाद पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण 50 फीसदी से अधिक बढ़ाएगी। केजरीवाल ने लोगों से फिलहाल नए पेट्रोल और डीजल वाहन खरीदने से बचने का आग्रह किया।

केजरीवाल का दावा- मोदी सरकार ला रही ई50

उन्होंने कहा कि सरकार पहले ही ई0 और ई10 वाहनों में ई20 पेट्रोल डालकर उन्हें खराब कर चुकी है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि सरकार वैज्ञानिक अध्ययन का सम्मान किए बिना ई20 की तरह ई50 भी लागू करेगी। उन्होंने मालवीय को ई20 पेट्रोल लागू करने से पहले किए गए किसी भी अध्ययन को सार्वजनिक करने की चुनौती दी।

भाजपा आईटी हेड का केजरीवाल पर पलटवार- अमित मालवीय ने केजरीवाल के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि केंद्र ने ई20 से आगे मिश्रण बढ़ाने का कोई निर्णय नहीं लिया है। उन्होंने केजरीवाल के तर्क को तथ्यों के बजाय भय पर आधारित बताया। मालवीय ने कहा कि

ई20 बिना वैज्ञानिक अध्ययन के लागू नहीं किया गया था। देश का इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम दो दशकों से अधिक समय से चरणबद्ध तरीके से चल रहा है।

ई20 पर आप-भाजपा आमने सामने

केजरीवाल ने सूत्रों का हवाला देते हुए दावा किया कि मोदी सरकार एटीएफ में भी इथेनॉल मिश्रण की योजना बना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार माहौल शांत होने का इंतजार कर रही है। इसके बाद वह पेट्रोल में 50 फीसदी से अधिक इथेनॉल मिलावट करेगी। केजरीवाल ने कहा कि यदि आज कोई नया ई20 वाहन खरीदता है, तो सरकार कुछ दिनों बाद उसमें ई50 पेट्रोल डालकर उसे खराब कर देगी। उन्होंने सरकार के इस तरीके को विज्ञान और तकनीक का अनादर बताया।

भाजपा का पलटवार

अमित मालवीय ने केजरीवाल पर फर्जी खबर फैलाने और अनावश्यक माहौल पैदा करने की पुरानी आदत का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ई50 पर बहस उठाना केवल भय फैलाने की राजनीति है। मालवीय ने यह भी स्पष्ट किया कि ई20 कोई जल्दबाजी का निर्णय नहीं था। ई20 को लागू करने से पहले व्यापक परीक्षण और सभी संबंधित पक्षों के साथ परामर्श किया गया था।

अतीक अहमद के छोटे बेटे की मौत

झांसी जेल में बंद भाई अली से मिलने जा रहा था आबान

एजेंसी

झांसी । उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। इस दुर्घटना में माफिया और पूर्व सांसद अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे आबान अहमद की मौत हो गई। हादसे में एक अन्य व्यक्ति ने भी अपनी जान गंवाई, जबकि उनके तीन दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

यह दुखद घटना झांसी-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुंछ थाना इलाके में हुई। सभी पांचों लोग प्रयागराज से झांसी जा रहे थे। वे झांसी जेल में बंद अतीक अहमद के बेटे अली अहमद से मुलाकात करने वाले थे। जानकारी के अनुसार, उनकी तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब 10:30 बजे तेज रफ्तार क्रेटा कार झांसी-कानपुर हाईवे पर प्रयागराज से झांसी की ओर आ रही थी। पूछ थाना क्षेत्र के खिल्ली गांव

के पास अचानक एक जानवर सड़क पर आ गया। उसे बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में आगे की सीट पर बैठे आबान अहमद एवं सोनू खान के सिर में गंभीर चोट आई और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में कार सवार अहजम निवासी बादशाही मंडी (प्रयागराज), मोहम्मद जैद निवासी कोतवाली, उमर अहमद निवासी पूरा मुफ़्ती घायल हो गए। सभी प्रयागराज के रहने वाले हैं।

आसाराम को सुप्रीम कोर्ट से आंशिक राहत

अंतरिम जमानत नहीं मिली

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे स्वयंभू धर्मगुरु आसाराम को फिलहाल अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। हालांकि, अदालत ने उन्हें अपनी पसंद का एक प्रशिक्षित केयरटेकर (देखभाल करने वाला) रखने की अनुमति दे दी, जो 24 घंटे उनकी चिकित्सकीय जरूरतों का ध्यान रख सकेगा। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की पीठ ने स्वास्थ्य आधार पर अंतरिम जमानत मांगने वाली आसाराम की याचिका पर सुनवाई करते हुए उसे फिलहाल लंबित रखा। अदालत ने कहा कि यदि भविष्य में उनकी तबीयत और

बिगड़ती है तो वे दोबारा अदालत का रुख कर सकते हैं। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि आसाराम ने यह तथ्य छिपाया है कि उनके वकील ने पहले पैरोल के लिए भी आवेदन किया था। इस पर आसाराम के वकील ने कहा कि पैरोल की अर्जी पहले दायर की गई थी और वह स्वास्थ्य कारणों के आधार पर नहीं थी।

लखीमपुर खीरी हिंसा केस

आशीष मिश्रा को फिलहाल राहत नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने पैरोल बढ़ाने से किया इनकार

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 2021 के लखीमपुर खीरी हिंसा मामले के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत की शर्तों में और अधिक ढील देने से इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने मिश्रा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने जमानत की शर्तों में और राहत देने की मांग की थी।

आशीष मिश्रा ने अदालत से क्या मांग की थी?

आशीष मिश्रा की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि मौजूदा जमानत शर्तों के कारण वह

अपने परिवार के कार्यक्रमों में भी शामिल नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी बेटियों के जन्मदिन जैसे पारिवारिक आयोजनों में भी शामिल होने से वंचित रह जाते हैं। इसी आधार पर जमानत की शर्तों में और ढील देने की मांग की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर क्या कहा?

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने स्पष्ट कहा कि फिलहाल इस प्रार्थना पर विचार करने का कोई आधार नहीं है। आवेदन खारिज किया जाता है। इसके साथ ही अदालत ने आशीष मिश्रा की याचिका को अस्वीकार कर दिया।

यह घटना 3 अक्टूबर 2021 को उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के टिकुनिया गांव में हुई थी। उस समय किसान, तत्कालीन उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के दौरे का विरोध कर रहे थे। इसी दौरान हिंसा भड़क गई, जिसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा।

दिल्ली हाई कोर्ट से पहलवान सुशील कुमार को झटका

सागर धनखड़ हत्याकांड मामले में जमानत याचिका खारीज

एजेंसी

नई दिल्ली। पहलवान सुशील कुमार को दिल्ली हाई कोर्ट से झटका लगा है। सुशील ने पहलवान सागर धनखड़ के मौत के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल की थी। गुरुवार को अदालत ने सुशील की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

सुशील कुमार ने 6 फरवरी को रोहिणी कोर्ट द्वारा नियमित जमानत याचिका खारिज करने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। सुशील फिलहाल 2021 में हुए पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के आरोप में न्यायिक हिरासत में हैं। जूनियर नेशनल कुश्ती चैंपियन पहलवान सागर धनखड़ की हत्या 4-5 मई 2021 की रात को दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम परिसर में हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें और उनके साथियों को कुछ लोगों द्वारा जबरन अगवा करके स्टेडियम लाया गया था, जहां लाठी, डंडों और हॉकी स्टिक से उनकी बेरहमी से पिटाई की गई। गंभीर मारपीट और सिर पर गहरी

चोट लगने के कारण अस्पताल में इलाज के दौरान सागर की मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, धनखड़ को किसी भारी चीज से चोट लगने के कारण दिमाग में गंभीर चोट लगी थी। धनखड़ की हत्या के मामले में पहलवान सुशील कुमार को मुख्य आरोपी बनाया गया है।

गृह मंत्री सदन में आएं, छात्रों पर कार्रवाई का दें जवाब : खड़गे

'प्रधानमंत्री मांगें माफी'

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जंतर मंतर के पास छात्रों पर हुई कार्रवाई का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि पिछले 15 दिनों से पूरा विपक्ष इस मांग पर अड़ा है कि गृह मंत्री खुद सदन में आएं और जवाब दें। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि छात्रों के साथ अन्याय और अत्याचार हुआ। जिस तरह से उन पर लाठीचार्ज और फायरिंग की गई, वह गलत था। उन्होंने कहा, 'ऐसी चीजें इस्तेमाल नहीं करनी चाहिए थीं। पैलेट गन, आंसू गैस, लाठी, इलेक्ट्रिक बैटन, कील वाली लाठी- सब कुछ छात्रों पर चलाया गया। छात्रों ने कोई बवाल नहीं किया था। क्या उन्होंने 20-50 सरकारी गाड़ियां तोड़ीं? क्या किसी नेता को रोका और सवाल पूछा? वे शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे थे लेकिन उन्हें हटाने के लिए जो तरीके अपनाए गए, वह बहुत गलत है।'

खड़गे ने मांग की कि गृह मंत्री खुद सदन में आकर सफाई दें। उन्होंने कहा, 'इनको सदन में आकर जवाब देने में क्या मजबूरी है? इसके दो ही मतलब हो सकते हैं। एक तो ये सोच रहे हैं कि इस मुद्दे को नजरअंदाज कर दिया जाए। दूसरा, ये डर गए हैं। मैं बस इतना पूछना चाहता हूं कि जो दुख आपने विद्यार्थियों को पहुंचाया है, जो उनके माता-पिता तक पहुंचा है, उसके लिए हम आपकी हाजिरी सदन में चाहते हैं।'

उन्होंने कहा, 'वे सदन में नहीं आ रहे हैं, इसलिए सदन नहीं चल पा रहा है। सदन नहीं चलने की जिम्मेदारी केवल गृह मंत्री अमित शाह की है, संसद सदस्यों की नहीं। इसी वजह से आज हमने राज्यसभा में यह मुद्दा फिर से उठाया है।'

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष चाहता है कि प्रधानमंत्री माफी मांगें और गृह मंत्री सदन में बयान दें। उन्होंने कहा, 'चाहे झारखंड हो, पंजाब हो या दिल्ली हो, हम विद्यार्थियों के साथ हैं। उनकी समस्याओं को हल कराने के लिए हम लड़ते रहेंगे।'

देश के पूर्वोत्तर क्षेत्रों में इस सप्ताह भारी वर्षा जारी रहने के आसार

एजेंसी

नई दिल्ली । देश के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में अगले 5-6 दिनों के दौरान भारी बारिश होने के आसार हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्रों में भी इस दौरान भारी बारिश जारी रहने का अनुमान है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार को सुबह-दोपहर के बीच कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम और कुछ जगहों पर भारी बारिश होने के आसार हैं। यह सिलसिला रात तक जारी रह सकता है। इस दिन का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31-33 डिग्री सेल्सियस और 22-24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। शनिवार और रविवार को भी यही स्थिति बनी रहेगी। राजधानी में आज सुबह से झमाझम बारिश होने से कई जगह जलभराव हो गया और कहीं-कहीं पर आवाजाही करने वालों को भारी जाम का सामना करना पड़ा। आईएमडी के मुताबिक सप्ताह के अधिकतर दिनों में उत्तर-पश्चिम और उससे सटे मध्य भारत के कई हिस्सों तथा पूर्वी, पूर्वोत्तर भारत में कुछ जगहों पर भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख में 9-12 अगस्त, हिमाचल प्रदेश में 6-12 अगस्त, उत्तराखंड में 7-12 अगस्त, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 7 अगस्त, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 9-10 अगस्त, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 7-9 अगस्त, पश्चिमी राजस्थान में 8-10 अगस्त के दौरान; पूर्वी राजस्थान में 10-11 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही पूर्वी राजस्थान में 7-9 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रों की आवाज नहीं दबाई जा सकती : राहुल गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली । लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि और सीट कटौती के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों का समर्थन करते हुए कहा कि सरकार युवाओं की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन छात्रों की मांगें सुनने के बजाय उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर रहा है। राहुल गांधी ने गुरुवार को एक्स पोस्ट में लिखा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र फीस वृद्धि और सीट कटौती के खिलाफ अपने भविष्य की लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन प्रशासन उन्हें सुनने के बजाय उन पर प्राथमिकी दर्ज कर रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार की नीति युवाओं की आवाज दबाने की है। राहुल ने लिखा, 'सवाल पूछो तो लाठी, विरोध करो तो मुकदमे और आवाज उठाओ तो पेलेट गन।' कांग्रेस नेता ने कहा कि जब उन्होंने छात्रों की बात सुनने के लिए प्रयागराज जाने का निर्णय लिया, तभी से प्रशासन उनके कार्यक्रम को हर संभव तरीके से रोकने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की आवाज से भी डर रही है। राहुल ने कहा, 'मैं छात्रों के साथ हूं। सरकार चाहे जितनी भी कोशिश कर ले, मुझे छात्रों की आवाज उठाने से रोक नहीं सकती।'

टेरिटोरियल आर्मी 'सिटीजन-सोल्जर' की सर्वोत्तम मिसाल : राजनाथ सिंह

राजनाथ सिंह ने रक्षा मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की

पर्यावरण संरक्षण में टेरिटोरियल आरमी के योगदान की सराहना करते हुए उन्होंने बताया कि इस कारय बल ने अब तक करीब 10 करोड़ पौधे लगाए हैं। इनमें 80 से 85 प्रतिशत पौधे जीवित हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को रक्षा मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में टेरिटोरियल आर्मी की भूमिका, जिम्मेदारियों और उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा हुई। समिति के सदस्यों ने टेरिटोरियल आर्मी को और मजबूत बनाने के लिए कई सुझाव भी दिए। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि टेरिटोरियल आर्मी विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि सेना जहां देश की सुरक्षा करती है, वहीं टेरिटोरियल आर्मी पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक कार्यों में भी बड़ी भूमिका निभाती है।

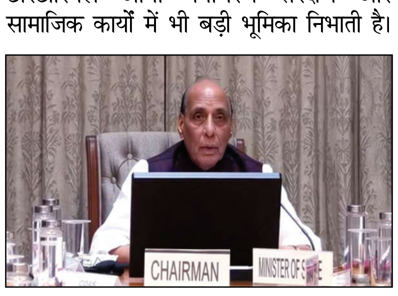

उन्होंने कहा कि टेरिटोरियल आर्मी 'नागरिक-सैनिक' की अवधारणा की जीवंत मिसाल है। इसके सदस्य सामान्य जीवन में अपने-अपने पेशे से जुड़े रहते हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर वर्दी पहनकर देश की सीमाओं की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा का दायित्व निभाते हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि टेरिटोरियल आर्मी, सशस्त्र बलों के लिए प्रशिक्षित जवानों का ऐसा बड़ा समूह तैयार करती है, जिसे आवश्यकता पड़ने पर तुरंत तैनात किया जा सकता है। सेवा पूरी करने के बाद ये जवान समाज में लौटकर युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने बताया कि टेरिटोरियल आर्मी में लगभग 44,400 जवान हैं और इसकी 59 इकाइयां हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के समय टेरिटोरियल आर्मी सबसे पहले राहत और बचाव कार्य में पहुंचती है। केरल की बाढ़, ओडिशा के चक्रवात और हाल में असम की बाढ़ के दौरान जवानों ने राहत, बचाव और चिकित्सा सहायता का महत्वपूर्ण कार्य किया।

जेपी नड्डा ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का किया दौरा

• समीक्षा बैठक की

यह उनके तीन दिवसीय दौरे का आखिरी चरण है।

एजेंसी

इटानगर । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित पूर्वोत्तर राज्यों का दौरा कर रहे हैं। इस क्रम में जेपी नड्डा ने गुरुवार को अरुणाचल प्रदेश में आई बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लिया और जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि मैंने आज अरुणाचल प्रदेश के इटानगर में मुख्यमंत्री पेमा खंडू भाजपा, उपमुख्यमंत्री चोवना मी भाजपा, मंत्रियों, विधायकों और राज्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एक

समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक हाल ही में आई बाढ़ और बादल फटने से प्रभावित क्षेत्रों के मेरे दौरे के बाद स्थिति का आकलन करने के लिए आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि मैंने सभी संबंधित विभागों को आपदा के बाद उत्पन्न होने वाली जरूरतों को पूरा करने के लिए चल रहे राहत, पुनर्वास और स्वास्थ्य देखभाल प्रयासों को तेज करने का निर्देश दिया। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, केंद्र सरकार राज्य सरकार के समन्वय से प्रभावित लोगों को त्वरित राहत, वित्तीय सहायता और सभी आवश्यक सहायता प्रदान करना जारी रखेगी। यह उनके तीन दिवसीय दौरे का आखिरी चरण है। इससे पहले वे असम और नागालैंड के बाढ़ और भूस्खलन वाले इलाकों का जायजा ले चुके हैं। बुधवार को जेपी नड्डा असम में थे। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के साथ उन्होंने शिवसागर जिले के बिहुबोर और नेपाली खुटी इलाकों का दौरा किया था। यहां बाढ़ से सैकड़ों घरों को नुकसान पहुंचा है, खेत पानी में डूब गए और मवेशियों का भी काफी नुकसान हुआ है। लोगों से बात करते हुए जेपी नड्डा ने कहा था कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में असम के लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। राहत और पुनर्वास के काम में किसी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने बताया था कि केंद्र की टीम नुकसान का आकलन कर रही है ताकि मदद का काम जल्द शुरू किया जा सके। जेपी नड्डा ने असम के लोगों को भरोसा दिलाया कि पुनर्निर्माण में केंद्र हर संभव मदद करेगा।

जैन नारी शक्ति मंच का प्रथम सेवा प्रकल्प

जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक वितरित किए वस्त्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। सेवा, संवेदना और सामाजिक सरोकारों को समर्पित जैन नारी शक्ति मंच ने संस्थापक-संचालक राजेश सकलेचा के मार्गदर्शन में अपने प्रथम सेवा प्रकल्प के माध्यम से समाजसेवा की प्रेरणादायी शुरुआत की। बुधवार शाम पाल्या कला स्थित ओमप्रकाश कुमावत के निवास पर आयोजित कार्यक्रम में जरूरतमंद महिलाओं को साड़ियां तथा पुरुषों को कुर्ता-पायजामा एव छोटे बच्चो को ड्रेस सम्मानपूर्वक भेंट किए गए। यह सेवा प्रकल्प जैन समाज के दो गुप्त लाभार्थी परिवारों के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों तक सम्मानपूर्वक वस्त्र पहुंचाकर सेवा, सहयोग, करुणा और मानवता के मूल्यों को सशक्त करना रहा। मंच की सक्रिय कार्यकर्ता चंचल जैन (चोरड़िया) एवं आशा जैन ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि समाज के सामूहिक सहयोग से ऐसे सेवा प्रकल्प निरंतर संचालित किए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवारों तक सहायता पहुंच सके। राजेश सकलेचा एव दिपक जैन ने बताया कि जैन नारी शक्ति मंच राष्ट्रीय स्तर पर अपने संगठन का विस्तार कर रहा है तथा भविष्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण एवं जनकल्याण से जुड़े अनेक सेवा प्रकल्प समाज के सहयोग से नियमित रूप से संचालित किए जाएंगे।कार्यक्रम का संचालन आशा जैन ने किया तथा आभार चंचल जैन ने व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रीति भटेवरा, मोनिका जैन (नवादावाला), उर्मिला कोठारी, अनुज नाहर, दीपक जैन, जीवनलाल जैन, ओमप्रकाश कुमावत समाजसेवी एवं सहयोगी परिवारजन उपस्थित रहे।

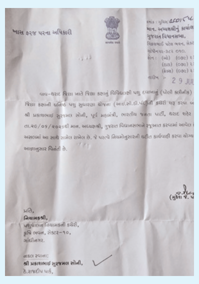

बंटवा में प्रॉपर्टी के झगड़े में भाई ने भाई पर चाकू से हमला किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बंटवा। जूना झाम्पा इलाके के रहने वाले भीमाभाई पुंजाभाई गरेजा (उम्र 48) का अपने छोटे भाई करशन पुंजा गरेजा से अपने पिता और दादा की प्रॉपर्टी को लेकर झगड़ा चल रहा है। कल रात, जब भीमाभाई और उनकी मां घर पर बैठे थे, तो करशन अपनी मां अजीबेन के पास आया और उन्हें डंडे से पीटने लगा, यह कहते हुए कि, 'तुम खेत में कचरा क्यों फेंक रही हो? '। इससे करशन गुस्से में आ गया और उसने चाकू निकालकर भीमाभाई की पीठ में घोंप दिया। उन्हें खून से लथपथ हालत में मानावदर ले जाया गया, जहां उन्हें आठ टांके लगाने पड़े। ीमाभाई ने इस संबंध में अपने छोटे भाई कर्षण गरेजा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है, और बंटवा पुलिस ने आगे की कार्रवाई की है फोटो रिपोर्ट जिग्नेश पटेल मानावदर

झहिम्मतनगर की हथमती नहर में एक युवक का शव मिला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। माचिस फैक्ट्री में रहने वाला एक युवक कल दोपहर से लापता था, पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आज दोपहर हिम्मतनगर की हथमती नहर से एक युवक का शव बरामद किया। मोतीपुरा इलाके के स्थानीय लोगों ने शव को नहर से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। डिवीजन पुलिस मौके पर पहुंची और P.M. समेत कार्रवाई की। जांच के दौरान शव की पहचान हिम्मतनगर के माचिस फैक्ट्री इलाके के रहने वाले 22 साल के अनिलभाई रमेशभाई वाघेला के रूप में हुई। पुलिसकर्मी राजूभाई मोडिया ने बताया कि अनिलभाई कल दोपहर घर से टॉयलेट जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन रात तक वापस नहीं आया। वह बीमार भी था और अक्सर घर से निकल जाता था। आज सुबह उसके परिवार ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। शव की पहचान होने के बाद उसे पोस्टमॉर्टम के लिए हिम्मतनगर सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया। पुलिस ने मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है।

गांधीनगर में 'ट्रैवल एंड ट्रेड फेयर-2026' का उद्घाटनः

मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्षभाई संघवी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। टूरिज्म सेक्टर को बढ़ावा देने वाले देश के सबसे बड़े एग्जीबिशन में से एक 'ट्रैवल एंड ट्रेड फेयर'आज गुजरात की राजधानी गांधीनगर के महात्मा मंदिर में शुरू हो गया है। माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल ने उपमुख्यमंत्री श्री हर्षभाई संघवी की शानदार मौजूदगी में 6 से 8 अगस्त तक चलने वाले इस तीन दिन के मेगा ट्रेड शो का उद्घाटन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और मौजूद गणमान्य लोगों ने खुद एग्जीबिशन सेंटर का दौरा किया। उन्होंने उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, गोवा समेत देश के अलग-अलग राज्यों के आकर्षक स्टॉल्स देखे और स्टॉल लगाने वालों से सीधे बातचीत करके अलग-अलग राज्यों की नई टूरिज्म पॉलिसी, इंसेंटिव स्कीम और टूरिज्म पैकेज के बारे में डिटेल में जानकारी ली। पॉइंट बाय पॉइंटः TTF-2026 के खास आकर्षण 'ट्रैवल एंड ट्रेड फेयर-2026' के इस खास एडिशन में भारत और विदेश से 900 से ज़्यादा एग्ज़िबिटर्स और ट्रैवल एजेंट्स भाग ले रहे हैं। अलग-अलग राज्यों के टूरिज़्म बोर्ड्स और भारत के कोने-कोने से प्राइवेट स्टेकहोल्डर्स एक ही छत के नीचे इकट्ठा हुए हैं। खास लोगों की मौजूदगीः गोवा के टूरिज़्म मिनिस्टर श्री रोहन खौंटे और उत्तराखंड के टूरिज़्म मिनिस्टर श्री सतपाल महाराज इस प्रोग्राम में खास तौर पर शामिल हुए और उन्होंने अपने राज्यों के टूरिज़्म सेक्टर के डेवलपमेंट पर रोशनी डाली। बिज़नेस और नेटवर्किंगः यह होटल मालिकों, टूर्स और ट्रैवल ऑपरेटरों के साथ-साथ टूरिज़्म इंडस्ट्री से जुड़े आम लोगों के लिए नई जगहों और अच्छी डील्स पाने का एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म साबित होगा। गांधीनगर में होने वाला यह इंटरनेशनल लेवल का ट्रेड फेयर न सिर्फ टूरिज़्म को, बल्कि लोकल इकॉनमी, हॉस्पिटैलिटी और रोज़गार सेक्टर को भी बहुत बढ़ावा देगा। गुजरात सरकार की इस बड़ी कोशिश से पूरे देश में टूरिज्म इंडस्ट्री को नई तेज़ी मिलेगी और गुजरात टूरिज्म सेक्टर में एक ग्लोबल हब के तौर पर उभरेगा।

पंचायती राज व्यवस्था में बड़ा सुधार

अब पंचायतों में ऑडिट के तुरंत बाद होगी 'एग्जिट कॉन्फ्रेंस' भ्रष्टाचार पर कसेगा शिकंजा

तालुका और जिला पंचायतों में वित्तीय गड़बड़ियों पर रहेगी सीधी निगरानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

गांधीनगर। गुजरात सरकार ने पंचायतों में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरगामी निर्णय लिया है। राज्य की ग्राम पंचायतों, तालुका पंचायतों और जिला पंचायतों में होने वाले वित्तीय लेनदेन एवं विकास कार्यों की निगरानी को और प्रभावी बनाने के लिए अब प्रत्येक वार्षिक ऑडिट के बाद अनिवार्य रूप से 'एग्जिट कॉन्फ्रेंस' आयोजित की जाएगी। पंचायत, ग्रामीण आवास एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 28 जुलाई 2026 को जारी परिपत्र के माध्यम से इस नई व्यवस्था को पूरे राज्य में लागू कर दिया गया है। सरकार का मानना है कि यह निर्णय पंचायतों में वर्षों से चली आ रही वित्तीय अनियमितताओं पर अंकुश लगाने के साथ-साथ विकास कार्यों में पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। अब तक पंचायतों के ऑडिट के दौरान अनेक मामलों में वित्तीय गड़बड़ियां, नियमों के उल्लंघन और प्रशासनिक अनियमितताएं सामने आने के बावजूद कार्रवाई में काफी समय लग जाता था। कई बार ऑडिट रिपोर्ट तैयार होने के महीनों बाद भी दोषियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू नहीं हो पाती थी, जिससे सरकारी धन के दुरुपयोग करने वालों को राहत मिल जाती थी। नई व्यवस्था लागू होने के बाद अब ऑडिट समाप्त होते ही जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाएगी। नई प्रणाली के अनुसार प्रत्येक एग्जिट कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता संबंधित जिले के जिला विकास अधिकारी (ष्ठष्ठह्र) करेंगे। इस बैठक में स्थानीय निधि लेखा विभाग के वरिष्ठ ऑडिट अधिकारी ऑडिट के दौरान सामने आई सभी गंभीर वित्तीय एवं प्रशासनिक अनियमितताओं का विस्तृत प्रस्तुतिकरण करेंगे। इसमें सरकारी धन की हेराफेरी, नियमों के विरुद्ध खरीद, अवैध नियुक्तियां, विकास कार्यों में अनियमितताएं, वित्तीय गबन, नियमों की अनदेखी तथा अन्य गंभीर मामलों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। यदि किसी पंचायत में गंभीर वित्तीय गड़बड़ी या भ्रष्टाचार के प्राथमिक प्रमाण सामने आते हैं तो जिला विकास अधिकारी को तत्काल आवश्यक कार्रवाई शुरू करने का अधिकार होगा। ऐसे मामलों में विभागीय जांच, अनुशासनात्मक कार्रवाई, रिकवरी की प्रक्रिया तथा आवश्यकता पड़ने पर कानूनी कार्रवाई भी बिना अनावश्यक विलंब के प्रारंभ की जा सकेगी। इससे वर्षों तक लंबित रहने वाले मामलों में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। सरकार का मानना है कि इस नई व्यवस्था से पंचायतों का ऑडिट केवल औपचारिक प्रक्रिया बनकर नहीं रहेगा, बल्कि जवाबदेही तय करने का प्रभावी माध्यम बनेगा। ऑडिट पूरा होने के तुरंत बाद संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों और पंचायत प्रतिनिधियों से आवश्यक स्पष्टीकरण लिया जाएगा। यदि संतोषजनक उत्तर नहीं मिलता है तो तत्काल कार्रवाई की जाएगी। इससे सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और अनुशासन दोनों मजबूत होंगे। राज्य सरकार के अनुसार इस निर्णय का सबसे बड़ा लाभ ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में देखने को मिलेगा। गांवों में बनने वाली सड़कें, पेयजल योजनाएं, नालियां, स्वच्छता अभियान, स्कूल, आंगनवाड़ी भवन, सामुदायिक केंद्र तथा अन्य विकास कार्यों में खर्च होने वाले सरकारी धन का उपयोग अब अधिक पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित किया जा सकेगा। प्रत्येक खर्च का रिकॉर्ड अधिक जवाबदेही के साथ रखा जाएगा और किसी भी प्रकार की अनियमितता सामने आने पर संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों से तत्काल जवाब मांगा जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि पंचायत स्तर पर वित्तीय अनुशासन मजबूत होने से विकास कार्यों की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र लोगों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचेगा तथा सार्वजनिक धन के दुरुपयोग की संभावनाएं काफी हद तक कम होंगी। साथ ही पंचायत प्रतिनिधियों और अधिकारियों में भी जिम्मेदारी की भावना बढ़ेगी क्योंकि अब प्रत्येक वित्तीय निर्णय की समयबद्ध समीक्षा की जाएगी। गुजरात सरकार का यह कदम ग्रामीण प्रशासन में पारदर्शिता और सुशासन को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि पंचायतों में लागू की गई यह नई 'एग्जिट कॉन्फ्रेंस' प्रणाली न केवल भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करेगी, बल्कि विकास कार्यों की गुणवत्ता, समयबद्धता और जवाबदेही को भी मजबूत बनाएगी। यदि यह व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू होती है तो आने वाले समय में पंचायतों के प्रशासनिक ढांचे में व्यापक सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं और ग्रामीण जनता का सरकारी व्यवस्थाओं पर विश्वास भी और अधिक मजबूत होगा।

शहरी विकास को मिली नई रफ्तार, सरकार ने जारी किए तीन अहम नोटिफिकेशन

IAS राजकुमार बेनीवाल बने अपीलीय अधिकारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात सरकार ने राज्य में शहरी विकास और नियोजित आधारभूत संरचना को गति देने के उद्देश्य से शहरी विकास एवं शहरी आवास विभाग के माध्यम से तीन महत्वपूर्ण अधिसूचनाएं जारी की हैं। इन फैसलों के तहत अंजार एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी तथा सूरत महानगरपालिका की दो महत्वपूर्ण टाउन प्लानिंग (टीपी) स्कीमों को अंतिम प्रशासनिक मंजूरी प्रदान की गई है। साथ ही भारतीय प्रशासनिक सेवा (द्बस्) के वरिष्ठ अधिकारी राजकुमार बेनीवाल को गुजरात रेगुलराइजेशन ऑफ अनऑथराइज्ड डेवलपमेंट एक्ट, 2022 के तहत सौराष्ट्र एवं दक्षिण गुजरात क्षेत्र का अपीलीय अधिकारी नियुक्त किया गया है। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार अंजार एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी की टाउन प्लानिंग स्कीम नंबर-3 (प्रथम संशोधन) तथा सूरत महानगरपालिका की टाउन प्लानिंग स्कीम नंबर-53 (मगोब-दुंभाल, द्वितीय संशोधन) की प्रारंभिक योजनाओं को गुजरात टाउन प्लानिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट एक्ट, 1976 की धारा-65 के तहत स्वीकृति प्रदान की गई है। यह मंजूरी संबंधित क्षेत्रों में नियोजित शहरी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इन योजनाओं के लागू होने के बाद संबंधित क्षेत्रों में भूमि पुनर्गठन, प्लॉट पुनर्विन्यास, सड़क निर्माण, सार्वजनिक सुविधाओं का विकास, जल निकासी, उद्यान, सामुदायिक सुविधाएं तथा अन्य आधारभूत विकास कार्यों को गति मिलेगी। लंबे समय से लंबित विकास परियोजनाओं के लिए प्रशासनिक प्रक्रिया भी अधिक सरल और प्रभावी होने की संभावना है। इससे भविष्य में शहरी विस्तार योजनाओं को व्यवस्थित ढंग से लागू करने में मदद मिलेगी। सरकार ने यह भी निर्देश दिए हैं कि स्वीकृत टाउन प्लानिंग स्कीमों से संबंधित दस्तावेज संबंधित कार्यालयों में सार्वजनिक निरीक्षण के लिए उपलब्ध कराए जाएं, ताकि नागरिक आवश्यकता अनुसार उनका अवलोकन कर सकें। इस व्यवस्था का उद्देश्य विकास योजनाओं में पारदर्शिता बढ़ाना तथा आम नागरिकों को योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना है।रूइसी क्रम में राज्य सरकार ने एक अन्य महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय लेते हुए वरिष्ठ आईएएस अधिकारी राजकुमार बेनीवाल को गुजरात रेगुलराइजेशन ऑफ अनऑथराइज्ड डेवलपमेंट एक्ट, 2022 के तहत सौराष्ट्र एवं दक्षिण गुजरात क्षेत्र का अपीलीय अधिकारी नियुक्त किया है। वे इस पद पर डी. जे. जडेजा, आईएएस का स्थान लेंगे। उनके कार्यभार संभालने के बाद अनधिकृत निर्माणों के नियमितीकरण से जुड़े मामलों की अपीलों के निस्तारण में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। शहरी विकास विभाग के अधिकारियों का मानना है कि इन फैसलों से राज्य के तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्रों में नियोजित विकास को मजबूती मिलेगी। साथ ही अनधिकृत विकास से जुड़े मामलों के त्वरित और प्रभावी निस्तारण के लिए प्रशासनिक व्यवस्था भी और अधिक सुदृढ़ होगी। सरकार का उद्देश्य योजनाबद्ध शहरीकरण को बढ़ावा देना तथा नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। विशेषज्ञों का मानना है कि टाउन प्लानिंग स्कीमों को समय पर मंजूरी मिलने से भविष्य में आवासीय, व्यावसायिक और सार्वजनिक परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी। वहीं नए अपीलीय अधिकारी की नियुक्ति से अनधिकृत विकास संबंधी मामलों के समाधान की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और प्रभावी होने की संभावना है। राज्य सरकार के ये निर्णय शहरी विकास को नई दिशा देने वाले महत्वपूर्ण प्रशासनिक कदम माने जा रहे हैं

वडोदराः हरनी पुलिस ने मध्य प्रदेश के कपल को 41 लाख की MD ड्रग्स के साथ पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। शहर की हरनी पुलिस टीम को ड्रग्स के काले धंधे के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने एक पति-पत्नी को पकड़ा है जो मध्य प्रदेश से अहमदाबाद के एक तस्कर को स्कॉर्पियो कार में मेफेड्रोन ड्रग्स की बड़ी मात्रा देने जा रहे थे। कपल ने पुलिस को बेवकूफ बनाने के लिए ड्रग्स छिपाने की बहुत ही चौंकाने वाली तरकीब अपनाई। पुलिस ने 41 लाख रुपये से ज़्यादा की MD ड्रग्स और एक स्कॉर्पियो कार के साथ कुल 57.19 लाख रुपये ज़ब्त किए हैं और कपल के खिलाफ NDPS एक्ट के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

पॉइंट बाय पॉइंटः ड्रग रैकेट और गिरफ्तारी की मुख्य जानकारी

आरोपी कपल की पहचानः गिरफ्तार आरोपियों में मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले के सीतामऊ गांव के अयूबखान ज़मानखान और उनकी पत्नी नाज़मीन शामिल हैं। सीने पर बंधे ड्रग पैकेटः जांच में पता चला कि महिला आरोपी नाजमीन ने अपने शरीर पर, खासकर सीने पर प्लास्टिक से बांधकर 1 द्मद्द से ज़्यादा वज़न के ड्रग पैकेट छिपा रखे थे। 7 लाख की खरीद, 41 लाख में बिक्रीः कपल ने मंदसौर के जफर नाम के एक आदमी से सिर्फ़ 7 लाख रुपये में 1 kg 396 ग्राम और 710 मिलीग्राम खरीदा, जिसकी इंटरनेशनल मार्केट में कीमत करीब ?41.89 लाख है।

अहमदाबाद से 'रवि' को डिलीवरीः इन ड्रग्स की क्वांटिटी अहमदाबाद के 'रवि' नाम के एक स्मगलर को सौंपी जानी थी। रवि खुद वडोदरा आकर कपल से यह क्वांटिटी लेने वाला था।

57.19 लाख ज़ब्तः हरनी पुलिस ने 41.89 लाख समेत कुल 57,19,000 कीमत की MD ड्रग्स, स्कॉर्पियो कार, मोबाइल फ़ोन ज़ब्त किए हैं। श्योर गुजरात एनालिसिस गाड़ियों से लेकर ड्रग्स नेटवर्क तक परिवार के कंट्रोल मेंपुलिस की नज़र से बचने के लिए ड्रग माफिया अब महिलाओं और कपल्स को 'कूरियर' के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं, ताकि कहीं कोई शक न हो। वडोदरा की हरनी पुलिस ने समय पर मिली जानकारी का इस्तेमाल करके यह बड़ी क्वांटिटी ज़ब्त की है। फिलहाल, हरनी पुलिस ने कपल का रिमांड लेने के लिए कदम उठाए हैं, ताकि इस ड्रग्स नेटवर्क के मेन लिंक मंदसौर के जफर और अहमदाबाद के रवि तक पहुंचकर पूरे सिंडिकेट का पर्दाफाश किया जा सके।

कागज़ पर कानून या मिलावट करने वालों के खिलाफ़ असली स्टैटिस्टिकल सर्जिकल स्ट्राइक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। सरकार ने लोगों की सेहत को खतरे में डालने वाले एनालॉग पनीर, प्रोसेस्ड चीज़ और नकली बटर पर बैन लगाकर एक बड़ा फैसला लिया है। लेकिन आम लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या सिर्फ़ नोटिफ़िकेशन जारी करने से मुनाफ़ा कमाने का यह ज़हरीला धंधा रुक जाएगा? या 'पैरेलल नेटवर्क' और मिलीभगत से यह काला धंधा चुपके से फलता-फूलता रहेगा? आज सिस्टम की मेहरबानी और पॉलिसी पर जनता को 1 परसेंट भी भरोसा नहीं है, क्योंकि पहले भी कई बैन सिर्फ़ कागज़ों तक ही सीमित रहे हैं। पैरेलल नेटवर्क का क्या? बैन के बाद नकली पनीर और बटर बनाने वाली फ़ैक्टरी मालिकों ने बंद होने के बजाय, ज़मीन के नीचे माल सप्लाई करना शुरू कर दिया है। इस पैरेलल सप्लाई चेन को तोड़ने के लिए प्रशासन के पास क्या मास्टर प्लान है? वसूली का खेलः जब तक फूड एंड ड्रग्स डिपार्टमेंट के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों और दूध और पनीर में मिलावट करने वालों के बीच का गठजोड़ नहीं टूटता, कोई भी कानून असरदार नहीं हो सकता। होटल और रेस्टोरेंट में चेकिंग कब होगी? होलसेलर्स पर तो बैन लगा दिया गया, लेकिन स्ट्रीट फूड, पिज्जा या आम नागरिक जो पंजाबी सब्जियां खाते हैं, उनमें इस्तेमाल होने वाला चीज और पनीर असली है या नकली, इसकी ग्राउंड लेवल पर चेकिंग कौन करेगा? अगर सरकार सच में गुजरात के नागरिकों को मिलावटी खाना देना चाहती है, तो सिर्फ रेड का दिखावा करने के बजाय, ये सख्त एक्शन लेने होंगेः मिलावट करने वाले मुनाफाखोरों की प्रॉपर्टी सील करके उन्हें परमानेंट जेल में डाल देना चाहिए। अगर उस इलाके में नकली सामान पकड़ा जाता है, तो जिम्मेदार लोकल अधिकारी के खिलाफ भी सख्त एक्शन लेना चाहिए। हर छोटे-बड़े केटरर, होटल और डेयरियों पर रैंडम सैंपलिंग का लगातार कैंपेन चलाना चाहिए। कानून बनाना आसान है, लेकिन उसे लागू करना ही असली टेस्ट है। अब देखना यह है कि सरकार का यह फैसला जनता की सेहत की रक्षा करता है या सिस्टम पहले की तरह मिलावटखोरों के आगे झुक जाएगा। आपकी राय में, क्या इस बैन से राज्य में एनालॉग और नकली प्रोडक्ट्स की बिक्री पूरी तरह रुक जाएगी? आपको सिस्टम पर कितना भरोसा है?

संक्षिप्त न्यूज

स्पाइडरमैन स्टाइल में 30 लाख की चोरी करने वाला चोर गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वर्ल्ड ट्राइबल डे के बाद आंदोलन की घोषणावडोदरा। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक महिला ने दावा किया है कि निज़ामपुरा, फतेहगंज, नवायार्ड, रामवाड़ी और आशापुरी समेत कई क्षेत्रों में ड्रग्स का अवैध कारोबार चल रहा है। वीडियो में कुछ स्थानों और व्यक्तियों के नाम लेकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की गई है। वीडियो वायरल होने के बाद शहर में चर्चा तेज हो गई है। हालांकि, वीडियो में किए गए दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय लोगों ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

अहमदाबाद में नकली कॉस्मेटिक्स फैक्ट्री का भंडाफोड़, लाखों का माल ज़ब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। बहरामपुरा क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए नकली कॉस्मेटिक्स बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। मौके से लाखों रुपये के नकली ब्रांडेड कॉस्मेटिक्स, केमिकल, पैकिंग सामग्री और डुप्लीकेट रैपर ज़ब्त किए गए, जबकि फैक्ट्री संचालक को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों और सप्लाई चेन की जांच में जुटी है। प्राथमिक जांच में सामने आया कि नकली उत्पाद स्थानीय बाजारों और ब्यूटी पार्लरों में कम कीमत पर बेचे जा रहे थे, जिससे लोगों की त्वचा और स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचने की आशंका थी। पुलिस और संबंधित विभाग पूरे मामले की जांच कर यह पता लगा रहे हैं कि यह नकली सामान किन-किन क्षेत्रों में सप्लाई किया जा रहा था।

आईटी कंपनी से 1.56 करोड़ के गबन का आरोपी सूरत से गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। एलिसब्रिज पुलिस और एलसीबी ज़ोन-7 की संयुक्त टीम ने एक निजी आईटी कंपनी में एडमिन राइट्स का दुरुपयोग कर ?1.56 करोड़ से अधिक के गबन के मामले में फरार मुख्य आरोपी निखिल राजेशभाई को सूरत के कटारगाम क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपी पर कंपनी के डिजिटल एक्सेस का गलत इस्तेमाल कर सह-आरोपियों के साथ मिलकर रकम विभिन्न खातों में ट्रांसफर करने का आरोप है। मई 2026 में मामला दर्ज होने के बाद आरोपी लगातार ठिकाने बदलकर गिरफ्तारी से बच रहा था। तकनीकी निगरानी और खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे दबोच लिया। अब पुलिस रिमांड लेकर गबन की रकम, उसके इस्तेमाल और इस पूरे नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

सुपारी देने वाले पर शूटरों के परिवारों की जिम्मेदारी लेने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। चर्चित आसिफ खान हत्याकांड की जांच में पुलिस को अहम सुराग मिले हैं। जांच में सामने आया है कि मुख्य साजिशकर्ता पर शूटरों को हत्या के बदले आर्थिक मदद के साथ उनके परिवारों के खर्च, कानूनी सहायता और भविष्य की जिम्मेदारी लेने का आश्वासन देने का आरोप है। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है और आर्थिक लेनदेन सहित पूरे नेटवर्क की पड़ताल में जुटी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

वडोदरा में लापरवाह ड्राइवर की वजह से एक्सीडेंटः सुसान से मकरपुरा तक मलबा, पुलिस जांच शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। शहर में एक्सीडेंट का सिलसिला जारी है, जिसमें एक और घटना सामने आई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, एक लापरवाह ड्राइवर ने सुसान इलाके में किसी गाड़ी या जगह को टक्कर मारने के बाद, कार को आगे बढ़ाया और मकरपुरा पुलिस स्टेशन के सामने लगी लोहे की बाड़ से जोरदार धमाके के साथ टकरा दिया। एक्सीडेंट इतना भयानक था कि कार का अगला हिस्सा डैमेज हो गया। गनीमत रही कि इस घटना में उस समय सड़क से गुजर रहे किसी पैदल यात्री या दूसरे गाड़ी वाले को चोट नहीं आई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, यह बात सामने आई है कि एक्सीडेंट करने वाले ड्राइवर को फिजिकल चोटें आई हैं, जिसके कारण उसे तुरंत इलाज के लिए शिफ्ट कर दिया गया है। घटना के बाद जमा हुए लोकल लोगों में इस बात की ज़ोरदार चर्चा रही कि ड्राइवर नशे में गाड़ी चला रहा था। कि पुलिस इस मामले की जांच के के खिलाफ किस तरह की सख्त कार्रवाई करेगी।

देवगढ़ बारिया में बार एसोसिएशन ने हाई कोर्ट के सर्कुलर के खिलाफ अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवगढ़ बारिया। गुजरात हाई कोर्ट द्वारा न्यायालयों में आवेदन प्रस्तुत करने की नई व्यवस्था लागू किए जाने के विरोध में देवगढ़ बारिया बार एसोसिएशन ने गुरुवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। हड़ताल के पहले ही दिन अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य से पूर्णतः दूरी बनाते हुए कोर्ट परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और हाई कोर्ट के सर्कुलर को वापस लेने अथवा उसमें आवश्यक संशोधन किए जाने की मांग उठाई। बार एसोसिएशन का कहना है कि गुजरात हाई कोर्ट के 15 अप्रैल 2026 के सर्कुलर क्रमांक C-2002/2026 को 1 अगस्त 2026 से लागू कर दिया गया है। इस सर्कुलर के तहत अब सभी आवेदन केवल4 आकार के कागज पर निर्धारित फॉन्ट में कंप्यूटराइज्ड प्रारूप में ही स्वीकार किए जाएंगे। अधिवक्ताओं का कहना है कि यह व्यवस्था बड़े शहरों में तो संभव हो सकती है, लेकिन तालुका एवं ग्रामीण क्षेत्रों में इसे तत्काल प्रभाव से लागू करना व्यवहारिक नहीं है। बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी अनेक अधिवक्ताओं और वादकारियों के पास कंप्यूटर, प्रिंटर, स्कैनर तथा उच्च गति इंटरनेट जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है।

ऐसे में प्रत्येक आवेदन को कंप्यूटराइज्ड प्रारूप में तैयार कर निर्धारित फॉर्मेट में प्रस्तुत करना काफी कठिन होगा। इससे न केवल अधिवक्ताओं की कार्यप्रणाली प्रभावित होगी बल्कि न्याय पाने आए आम नागरिकों को भी अनावश्यक आर्थिक एवं मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। अधिवक्ताओं का कहना है कि न्याय व्यवस्था को सरल और सुलभ बनाने के बजाय यह नया नियम कई लोगों के लिए अतिरिक्त बाधा बन सकता है। विशेष रूप से दूर-दराज़ के गांवों से आने वाले पक्षकारों को छोटी-छोटी प्रक्रियाओं के लिए साइबर कैफे अथवा निजी कंप्यूटर केंद्रों का सहारा लेना पड़ेगा, जिससे समय और खर्च दोनों बढ़ेंगे। इसी मुद्दे को लेकर गुरुवार को देवगढ़ बारिया बार एसोसिएशन की आमसभा आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जब तक गुजरात हाई कोर्ट इस सर्कुलर को वापस नहीं लेता अथवा अधिवक्ताओं और पक्षकारों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए आवश्यक संशोधन नहीं करता, तब तक बार एसोसिएशन की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी। हड़ताल के दौरान अधिवक्ता न्यायालय की किसी भी प्रकार की कार्यवाही में भाग नहीं लेंगे। बार एसोसिएशन ने आगामी दिनों में आंदोलन को और व्यापक रूप देने की भी घोषणा की है। इसके अंतर्गत सांकेतिक उपवास, मौन प्रदर्शन, रैली तथा अन्य लोकतांत्रिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि संबंधित अधिकारियों तक अधिवक्ताओं की समस्याएं प्रभावी ढंग से पहुंचाई जा सकें। हड़ताल के पहले दिन बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे। सभी ने एकजुट होकर न्यायिक प्रक्रिया को अधिक व्यावहारिक और सभी के लिए सुलभ बनाए रखने की मांग दोहराई। बार एसोसिएशन ने इस संबंध में प्रिंसिपल सिविल जज, देवगढ़ बारिया को एक विस्तृत लिखित प्रतिनिधित्व भी सौंपा है।

वडोदरा ग्रामीण एलसीबी की कर्जन के पास बड़ी छापेमारी

47 लाख का बिना बिल वाला राज निवास पान मसाला और तंबाकू जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूर

वडोदरा। ग्रामीण एलसीबी पुलिस टीम ने कर्जन थाना क्षेत्र में गश्त के दौरान एक्सप्रेसवे पर सम्पा-बोडका गांव के पुल के पास निगरानी स्थापित कर बड़ी सफलता हासिल की है. सूरत से आ रहे एक संदिग्ध ट्रक से बिना बिल या बिल्टी के ?46.98 लाख कीमत का भारी मात्रा में राज निवास पान मसाला और प्रीमियम केसर जर्दा (तंबाकू) जब्त किया गया है. पुलिस ने ट्रक और मोबाइल समेत कुल 57,03,000 का माल जब्त कर चालक को हिरासत में लिया है. भूपतभाई वीरम्बाही और LCB स्टाफ को मिली जानकारी के आधार पर, NE-4 हाईवे पर एक सफेद तिरपाल से ढका अशोक लेलैंड

ट्रक (GJ-01-JT-6427) रोका गया। ट्रक ड्राइवर नारायण मवाजी मीणा (उम्र 35, निवासी उदयपुर, राजस्थान) को नीचे उतारकर पूछताछ की गई, लेकिन सामान के बारे में कोई कानूनी बिल या सबूत नहीं मिला। ड्राइवर ने बताया कि मोदासा शेठ 'मुस्तफाभाई' के कहने पर, उसने सवाई माधोपुर (राजस्थान) के गोदाम से सामान लोड करके सूरत लाया था। उसके बाद, शेठ ने फोन करके उसे सूरत के बजाय गोधरा में सामान उतारने को कहा, और वह गोधरा जा रहा था। कंसाइनमेंट काउंट (करजन पोस्ट ऑफिस कंपाउंड)

राज निवास पान मसाला: 150 मिनी बैग से कुल 9,36,000 पीस पादिकी बरामद की गई (कीमत 28,08,000)।

ज़ाफ़रानी ज़र्दा (तंबाकू): 30 बैग से कुल 9,45,000 पीस तंबाकू पाउच बरामद किए गए (कीमत 18,90,000)।

कुल मात्रा: पान मसाला-तंबाकू जिसकी कीमत 46,98,000 है, एक ट्रक जिसकी कीमत 10,00,000 है और एक मोबाइल जिसकी कीमत ?5,000 है, बरामद किया गया, कुल कंसाइनमेंट की कीमत 57,03,000 है।

महानगर मेट्रो एनालिसिस: टैक्स चोरी या नकली सामान का बड़ा नेटवर्क? बिना बिल के इतनी बड़ी मात्रा में पान मसाला और तंबाकू की आवाजाही GST टैक्स चोरी और गैर-कानूनी सप्लाई चेन पर बड़े सवाल खड़े करती है। करजन पुलिस ने इंडियन सिविल सिक्योरिटी कोड 2023 के सेक्शन 106 के तहत माल जब्त कर लिया है, सेक्शन 35(1)के तहत केस दर्ज किया है और आगे की जांच कर रही है। पुलिस ने माल भेजने वाले मोडासा के मुस्तफा सेठ और माल लेने वाले आकास तक पहुंचने की कोशिश शुरू कर दी है।

सूरत में आपसी रंजिश में खेला गया खूनी खेलः कार में गर्लफ्रेंड के साथ बैठे युवक की बेरहमी से चाकू घोंपकर हत्या, भेस्तान में हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। गुजरात के डिप्टी छ्रूऔर होम मिनिस्टर हर्ष सांघवी के होम डिस्ट्रिक्ट सूरत में कानून-व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल उठे हैं। सूरत के भेस्तान इलाके में एक गार्डन के पास युवक की बेरहमी से हत्या ने पूरे शहर में भारी हलचल और सनसनी मचा दी है। प्रेमिका के सामने प्रेमी की इस बेरहमी से हत्या ने सूरत पुलिस की नाइट पेट्रोलिंग और कानून के डर पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

पॉइंट बाय पॉइंटः भेस्तान हत्याकांड की खूनी डिटेल्स

मृतक की पहचानः असामाजिक तत्वों का शिकार हुए युवक की पहचान सतीश मराठे के रूप में हुई है।

घटना और जगहः सतीश मराठे अपनी गर्लफ्रेंड के साथ भेस्तान गार्डन के पास अपनी कार में बैठे थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने अचानक कार पर हमला कर दिया और उसे घेर लिया। चाकू से किए गए बेतरतीब घावः हमलावरों ने सतीश पर तेज़ चाकू से जानलेवा हमला किया और उसके शरीर के अंगों पर बेतरतीब घाव किए। सतीश की मौके पर ही खून से लथपथ हालत में दर्दनाक मौत हो गई।

पुरानी दुश्मनी का शकः शुरुआती जांच में शक है कि इस भयानक हत्या के पीछे कोई पुरानी आपसी दुश्मनी या पहले से तय साज़िश है। पुलिस का काफ़िला मौके पर पहुंचा

घटना की खबर मिलते ही सूरत क्राइम ब्रांच और लोकल पुलिस का काफ़िला मौके पर पहुंचा। पुलिस ने बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और CCTV फुटेज के आधार पर हमलावरों को पकड़ने की कोशिश कर रही है। हीरे और टेक्सटाइल शहर के नाम से मशहूर सूरत अब धीरे-धीरे 'क्राइम कैपिटल' की ओर बढ़ता दिख रहा है। गृह मंत्री के अपने होमटाउन में ही असामाजिक तत्व कानून को जेब में रखकर घूम रहे हैं। गाड़ियों को रोककर मारना दिखाता है कि अपराधियों में अब पुलिस का कोई डर नहीं रहा। पक्को गुजरात मांग करता है कि इस खूनी खेल को खेलने वाले हत्यारों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए और उनके खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई की जाए कि भविष्य में कोई भी असामाजिक तत्व हथियार उठाने से पहले सौ बार सोचे।

वडोदरा गोत्री श्मशान घाट के बाहर कूड़ेदान में आधी जली हुई लाश मिलने से सनसनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। सांस्कृतिक नगरी वडोदरा के गोत्री इलाके में एक बहुत ही चौंकाने वाली और शर्मनाक घटना सामने आई है। गोत्री झील के पास श्मशान घाट के बाहर रखे कूड़ेदान में आधी जली हुई इंसानी लाश (डेड बॉडी) मिलने से पूरे इलाके में भारी सनसनी और डर का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही कांग्रेस नेता तुरंत श्मशान घाट पहुंचे और लोकल पुलिस को सूचना दी। डस्टबिन में आधी जली हुई लाश मिलीः लोकल लोगों ने देखा कि श्मशान घाट के बाहर रखे कूड़ेदान में एक लाश आधी जली हुई हालत में पड़ी थी। सूचना मिलते ही लोकल कांग्रेस नेता मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना देते हुए इस अमानवीय हरकत का कड़ा विरोध जताया। पुलिस जांच शुरूः घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस मौके पर पहुंची और बॉडी को कब्जे में लेकर यह पता लगाने के लिए ज़ोरदार जांच शुरू की कि यह डेड बॉडी किसकी है। इस घटना ने वडोदरा शहर के कानून-व्यवस्था और श्मशान घाट के कामकाज पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं कौन इस तरह डस्टबिन में आधी जली हुई हालत में डेड बॉडी को छोड़कर चला गया? क्या यह कोई क्रिमिनल एक्टिविटी है या मर्डर के सबूत मिटाने की कोशिश, या फिर अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में बड़ी लापरवाही? श्मशान घाट के आसपास CCTV या सिक्योरिटी होने के बावजूद अनजान लोग ऐसी हरकत करके क्वडोदरा गोत्री श्मशान घाट के बाहर कूड़ेदान में आधी जली हुई लाश मिलने से सनसनीवडोदरा गोत्री श्मशान घाट के बाहर कूड़ेदान में आधी जली हुई लाश मिलने से सनसनीवडोदरा गोत्री श्मशान घाट के बाहर कूड़ेदान में आधी जली हुई लाश मिलने से सनसनीमांग की है। फिलहाल, पुलिस श्मशान घाट और आसपास के इलाकों के CCTV फुटेज चेक कर रही है ताकि उन लोगों का पता लगाया जा सके जिन्होंने यह अमानवीय काम किया।

पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप स्कीम के मुद्दे पर युवराजसिंह जडेजा की सरकार को सीधी धमकी

हानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। स्टूडेंट्स और युवाओं के हक के लिए लगातार आवाज उठाने वाले आंदोलनकारी युवराजसिंह जडेजा ने एक बार फिर आदिवासी और वंचित समुदायों के स्टूडेंट्स के हित में सरकार के खिलाफ मोर्चा संभाल लिया है। बंद या रोकी गई पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप स्कीम को तुरंत प्रभाव से फिर से शुरू करने की पुरजोर मांग के साथ उन्होंने सिस्टम को खुली चुनौती दी है। युवराजसिंह जडेजा ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने समय पर फैसला नहीं लिया तो वर्ल्ड ट्राइबल डे के बाद गांधीनगर में बिरसा मुंडा भवन का घेराव किया जाएगा। पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप स्कीम, जिस पर गरीब, वंचित और आदिवासी इलाकों के हजारों स्टूडेंट्स का भविष्य निर्भर करता है, उसे रोका जा रहा है, जिससे स्टूडेंट्स की पढ़ाई खतरे में पड़ रही है। गांधीनगर घेराव की धमकीः अगर सरकार वर्ल्ड ट्राइबल डे तक इस स्कीम को फिर से शुरू करने का ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं करती है, तो पूरे राज्य के स्टूडेंट्स मिलकर गांधीनगर में बिरसा मुंडा ऑफिस का घेराव करेंगे। हायर एजुकेशन ले रहे कई स्टूडेंट्स को समय पर स्कॉलरशिप न मिलने की वजह से अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी है, जो सिस्टम की बड़ी नाकामी दिखाता है। युवराजसिंह जडेजा की इस सीधी धमकी से एजुकेशन डिपार्टमेंट और ट्राइबल डेवलपमेंट डिपार्टमेंट में हलचल मच गई है। अगर स्कॉलरशिप जैसे सेंसिटिव मुद्दे पर स्टूडेंट्स सड़कों पर उतरते हैं, तो गांधीनगर में पॉलिटिकल गर्मी बढ़ सकती है। अब देखना यह है कि सरकार वर्ल्ड ट्राइबल डे से पहले इस फैसले को वापस लेकर स्कॉलरशिप बहाल करेगी या गांधीनगर में किसी और बड़े आंदोलन का बिगुल बजाएगी।

सूरत टेक्सटाइल सेक्टर में करोड़ों का फ्रॉड

रघुवीर ट्रेड सेंटर के 3 टेक्सटाइल ट्रेडर्स के साथ 4.53 करोड़ की ठगी, ब्रोकर रोहित तेलपुरिया पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। टेक्सटाइल मार्केट में फ्रॉड और ठगी के मामले थम नहीं रहे हैं। शहर के मगोब में मौजूद 'रघुवीर ट्रेड सेंटर' में मौजूद लीलन फैब्रिक फर्म समेत तीन बड़े टेक्सटाइल ट्रेडर्स के साथ ?4.53 करोड़ की बड़ी ठगी की गई है। सारोली पुलिस ने इस पूरे स्कैम को करने वाले 'वीरा टेक्सटाइल एजेंसी' के टेक्सटाइल ब्रोकर रोहित तेलपुरिया को गिरफ्तार किया है। सूरत और अहमदाबाद के बोगस ट्रेडर्स के नाम पर माल मंगवाकर किए गए इस स्कैम ने पूरे टेक्सटाइल मार्केट में बड़ा हंगामा मचा दिया है। 'वीरा टेक्सटाइल एजेंसी' के ब्रोकर रोहित तेलपुरिया और उसके साथी विशाल गांधी ने मिलकर इस बड़े स्कैम को अंजाम दिया था। 20 बोगस ट्रेडर्स के नाम पर माल मंगवायाः आरोपी ब्रोकर्स ने सूरत और अहमदाबाद की महिलाओं समेत कुल 20 ट्रेडर्स के नाम पर बड़ी मात्रा में कपड़ा मंगवाया और मंगाया था। बिना पेमेंट के माल गायबः ट्रेडर्स से ?4.53 करोड़ से ज़्यादा का कपड़ा लेने के बाद, समय पर पेमेंट किए बिना सारा माल वापस कर दिया गया। सारोली पुलिस की सख्त कार्रवाईःधोखाधड़ी के शिकार

ट्रेडर्स ने सारोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, और पुलिस ने केस दर्ज करके मुख्य ब्रोकर रोहित तेलपुरिया को गिरफ्तार कर लिया है। `क्सटाइल मार्केट में 'लोन और भरोसे' को बड़ा झटक सूरत का टेक्सटाइल मार्केट ज़्यादातर आपसी भरोसे और कमीशन एजेंट्स (ब्रोकर्स) पर चलता है। लेकिन पिछले कुछ सालों से बोगस फर्मों और करप्ट ब्रोकर्स द्वारा की गई करोड़ों की धोखाधड़ी के कारण छोटे और मीडियम ट्रेडर्स बर्बाद हो रहे हैं। सारोली पुलिस ने आरोपी रोहित तेलपुरिया को गिरफ्तार कर लिया है और उसके साथी विशाल गांधी और 20 अन्य शामिल ट्रेडर्स की तलाश कर रही है। पक्को गुजरात मांग करता है कि ऐसे बदमाश दलालों की प्रॉपर्टी अटैच की जाए और व्यापारियों के करोड़ों रुपये वसूले जाएं, ताकि कपड़ा बाजार में दलाली के नाम पर चल रहा यह काला धंधा बंद हो।

वर्ल्ड ट्राइबल डे के बाद आंदोलन की घोषणा

पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप पर सरकार को युवराजसिंह जडेजा की चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। आदिवासी, वंचित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए संचालित पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप स्कीम को लेकर आंदोलनकारी युवराजसिंह जडेजा ने राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने स्कॉलरशिप योजना को तत्काल प्रभाव से पुनः शुरू करने की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने समय रहते निर्णय नहीं लिया, तो वर्ल्ड ट्राइबल डे के बाद गांधीनगर स्थित बिरसा मुंडा भवन का घेराव किया जाएगा। युवराजसिंह जडेजा ने कहा कि पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप हजारों आदिवासी एवं वंचित विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के सपनों का आधार है। यदि इस योजना में देरी होती है या इसे बंद रखा जाता है, तो अनेक विद्यार्थियों की पढ़ाई बीच में रुक सकती है और आर्थिक तंगी के कारण उन्हें शिक्षा छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि समय पर छात्रवृत्ति नहीं मिलने से बड़ी संख्या में विद्यार्थी मानसिक और आर्थिक दबाव झेल रहे हैं। कई छात्र फीस जमा नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उनका शैक्षणिक भविष्य प्रभावित हो रहा है। उनका कहना है कि सरकार को शिक्षा जैसे संवेदनशील विषय पर गंभीरता दिखाते हुए तत्काल योजना को बहाल करना चाहिए। युवराजसिंह जडेजा ने स्पष्ट कहा कि यदि वर्ल्ड ट्राइबल डे तक सरकार की ओर से पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप स्कीम को पुनः शुरू करने की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई, तो राज्यभर के विद्यार्थी और युवा संगठनों के साथ मिलकर गांधीनगर में व्यापक आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि इस आंदोलन में बड़ी संख्या में छात्र शामिल होंगे और बिरसा मुंडा भवन का घेराव किया जाएगा। उन्होंने सरकार से अपील की कि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ किसी प्रकार का समझौता न किया जाए और शिक्षा को राजनीतिक या प्रशासनिक देरी का शिकार बनने से बचाया जाए। उनका कहना है कि छात्रवृत्ति केवल आर्थिक सहायता नहीं बल्कि हजारों परिवारों के लिए उच्च शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण सहारा है। इस घोषणा के बाद शिक्षा विभाग और जनजाति विकास विभाग में इस मुद्दे को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। यदि समय रहते सरकार कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है, तो आने वाले दिनों में यह मामला राज्यव्यापी छात्र आंदोलन का रूप ले सकता है। अब सभी की नजर सरकार के अगले कदम पर टिकी है। यदि सरकार स्कॉलरशिप योजना को पुनः शुरू करने की घोषणा करती है तो विवाद शांत हो सकता है, लेकिन यदि मांगों पर निर्णय नहीं लिया गया तो वर्ल्ड ट्राइबल डे के बाद गांधीनगर में बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन देखने को मिल सकता है।

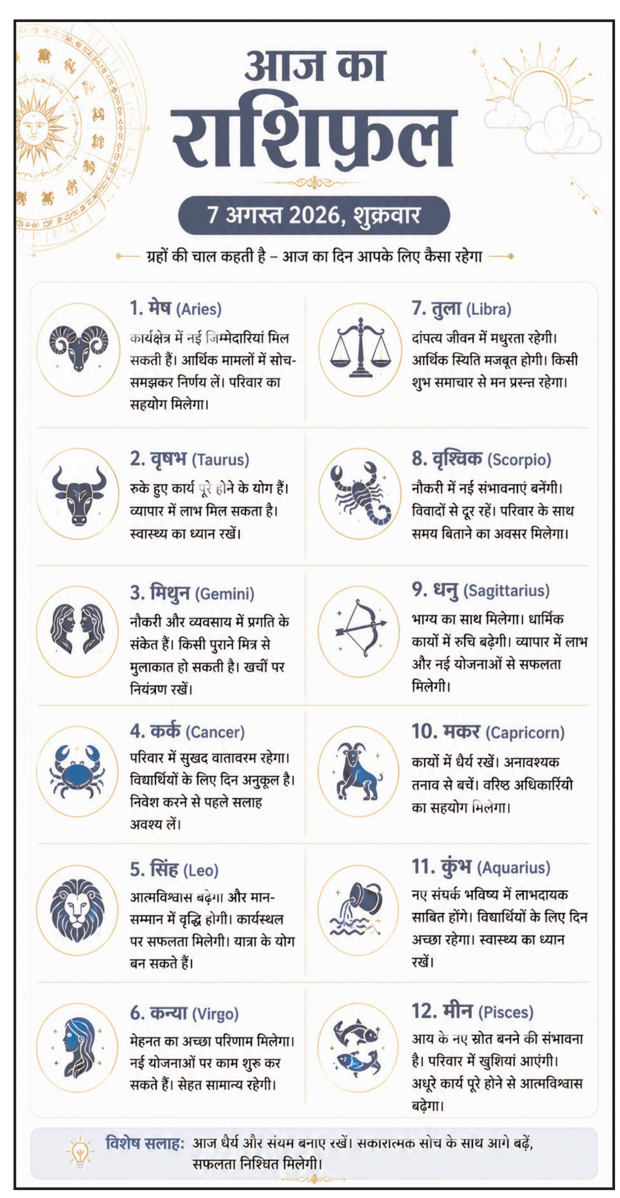

ऊर्जा आत्मनिर्भरता का स्वर्णिम अध्याय का आगाज

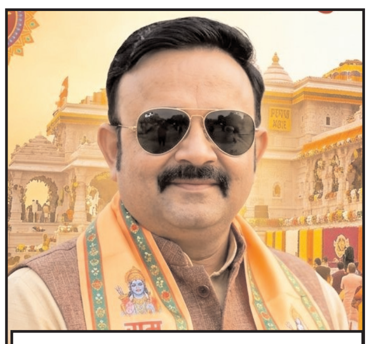

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

> प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की सफलता यह सिद्ध करती है कि जब नीति,तकनीक और जनभागीदारी एक साथ आगे बढ़ते हैं तो परिवर्तन केवल सरकारी आँकड़ों तक सीमित नहीं रहता,बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन को प्रभावित करता है। बिजली का घटता खर्च, घरेलू आय में वृद्धि,स्थानीय रोजगार,स्वदेशी विनिर्माण और पर्यावरण संरक्षण–इन सभी का समन्वय इस योजना को भारत की सबसे प्रभावशाली ऊर्जा पहलों में शामिल करता है।आज भारत जिस आत्मविश्वास के साथ हरित ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ रहा है,वह विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है।

50 लाख घरों तक पहुँची सूर्य की रोशनी, हरित भारत की ओर तेजी से बढ़ता राष्ट्र...

ऊर्जा किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विकास और सामाजिक समृद्धि की आधारशिला होती है।इक्कीसवीं सदी में ऊर्जा सुरक्षा का अर्थ केवल बिजली उत्पादन या पेट्रोलियम संसाधनों तक सीमित नहीं रह गया है,बल्कि स्वच्छ ऊर्जा, तकनीकी आत्मनिर्भरता, घरेलू विनिर्माण,ऊर्जा भंडारण और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ गया है।भारत ने पिछले कुछ वर्षों में जिस गति से नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है,उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि देश केवल ऊर्जा उपभोक्ता नहीं,बल्कि वैश्विक हरित ऊर्जा परिवर्तन का नेतृत्व करने की क्षमता रखता है।नई दिल्ली में आयोजित ऊर्जा सम्मेलन में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा साझा किए गए आँकड़े इस परिवर्तन की सशक्त तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अब तक 50 लाख परिवारों को लाभ मिल चुका है। यह उपलब्धि केवल एक सरकारी योजना की सफलता नहीं,बल्कि भारत के ऊर्जा इतिहास में जनभागीदारी पर आधारित एक नई क्रांति का संकेत है।सबसे उल्लेखनीय तथ्य यह है कि अक्टूबर 2025 तक जहाँ देश में प्रतिदिन लगभग 5,000 रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा रहे थे, वहीं जुलाई 2026 तक यह संख्या बढ़कर 16,000 से अधिक प्रतिदिन पहुँच गई। अर्थात मात्र कुछ महीनों में स्थापना की गति तीन गुना से अधिक हो गई।यह आँकड़ा बताता है कि स्वच्छ ऊर्जा अब केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं रही,बल्कि करोड़ों भारतीय परिवारों का जनआंदोलन बन चुकी है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य केवल बिजली बिल कम करना नहीं है। यह योजना प्रत्येक परिवार को ऊर्जा उत्पादक बनाने की दिशा में एक अभिनव पहल है। घरों की छतों पर स्थापित सौर संयंत्र दिन के समय बिजली उत्पन्न करते हैं। आवश्यकता से अधिक बिजली ग्रिड में भेजी जा सकती है,जिससे उपभोक्ता आर्थिक लाभ भी अर्जित कर सकते हैं।इससे बिजली वितरण कंपनियों पर दबाव कम होता है तथा देश में विकेंद्रीकृत ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलता है।भारत आज लगभग 300 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्थापित विद्युत क्षमता के ऐतिहासिक पड़ाव के निकट पहुँच चुका है। सरकार ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता विकसित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। यह लक्ष्य केवल जलवायु परिवर्तन से जुड़े अंतरराष्ट्रीय दायित्वों की पूर्ति भर नहीं है, बल्कि ऊर्जा आयात पर निर्भरता कम करने, कार्बन उत्सर्जन घटाने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का भी आधार है।स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में भारत की सफलता के पीछे अनेक दूरदर्शी नीतिगत निर्णय हैं। सरकार ने उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (PLI) योजना लागू की है, जिससे घरेलू विनिर्माण को नई गति मिली है। इसके अतिरिक्त ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर कार्यक्रम के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा को राष्ट्रीय ग्रिड से जोड़ने की क्षमता बढ़ाई जा रही है। नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों और घटकों पर कर राहत,बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (इएरर) के लिए लिथियम-आयन सेल निर्माण हेतु पूंजीगत वस्तुओं पर सीमा शुल्क में छूट तथा Renewable Energy Equipment Import Monitoring System जैसी पहलों ने उद्योग को नई ऊर्जा प्रदान की है।

आज भारत विश्व के उन चुनिंदा देशों में शामिल है जो सौर ऊर्जा विनिर्माण को रणनीतिक क्षेत्र के रूप में विकसित कर रहे हैं। सरकार का उद्देश्य केवल सौर पैनल आयात करना नहीं, बल्कि उन्हें देश में ही निर्मित कर वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाना है। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी,रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा भारत वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकेगा।केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री श्री एच. डी. कुमारस्वामी ने अपने संबोधन में सही कहा कि भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा केवल प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता से तय नहीं होगी, बल्कि इस बात से तय होगी कि कोई राष्ट्र स्वच्छ ऊर्जा उपकरणों, बैटरियों और उन्नत प्रौद्योगिकियों का कितना उत्पादन कर सकता है। यही कारण है कि सरकार ऊर्जा विनिर्माण को औद्योगिक विकास के साथ जोड़ रही है।इसी दिशा में 18,100 करोड़ रुपये की एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (ACC) बैटरी पीएलआई योजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका उद्देश्य देश में अत्याधुनिक बैटरी निर्माण क्षमता विकसित करना तथा आयात पर निर्भरता कम करना है।ऊर्जा भंडारण की मजबूत व्यवस्था के बिना सौर और पवन ऊर्जा का व्यापक उपयोग संभव नहीं है। इसलिए बैटरी निर्माण भविष्य की ऊर्जा अर्थव्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण आधार बनने जा रहा है।स्वच्छ ऊर्जा का लाभ केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है। यह इलेक्ट्रिक वाहनों, स्मार्ट ग्रिड, ऊर्जा दक्ष उद्योगों तथा आधुनिक परिवहन व्यवस्था को भी नई दिशा प्रदान करती है। पीएम ई-ड्राइव योजना इसी व्यापक दृष्टि का हिस्सा है, जो इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देकर पेट्रोलियम ईंधन पर निर्भरता कम करने का प्रयास कर रही है।इससे प्रदूषण में कमी, विदेशी मुद्रा की बचत तथा घरेलू ऑटोमोबाइल उद्योग को नई तकनीकी दिशा मिलेगी।

इस सम्मेलन में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि दिल्ली मेट्रो को मध्य प्रदेश से प्राप्त स्वच्छ ऊर्जा न केवल पर्यावरण संरक्षण का उदाहरण है,बल्कि राज्यों के बीच ऊर्जा सहयोग की भी मिसाल है। इससे यह स्पष्ट होता है कि ऊर्जा संक्रमण केवल केंद्र सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राज्यों की सक्रिय सहभागिता से ही संभव है।ऊर्जा सम्मेलन में भूटान और श्रीलंका की भागीदारी ने दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय ऊर्जा सहयोग की नई संभावनाओं को भी रेखांकित किया।भूटान ने वर्ष 2040 तक 25 गीगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा है,जिसमें 15 गीगावाट जलविद्युत और 5 गीगावाट सौर ऊर्जा शामिल होगी। भारत और भूटान के बीच पाँच दशकों से अधिक पुराना ऊर्जा सहयोग दोनों देशों के आर्थिक संबंधों की मजबूत आधारशिला रहा है।श्रीलंका ने भी ऊर्जा सुरक्षा,ग्रिड आधुनिकीकरण,स्वच्छ ऊर्जा निवेश तथा क्षेत्रीय सहयोग को भविष्य की आवश्यकता बताया। दक्षिण एशिया के देशों के बीच बिजली व्यापार, स्वच्छ ऊर्जा निवेश और तकनीकी साझेदारी आने वाले वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र की नई दिशा तय करेंगे।सम्मेलन की एक अन्य विशेषता दो दिवसीय प्रदर्शनी रही, जिसमें लगभग 25 अग्रणी ऊर्जा कंपनियों और संस्थानों ने भाग लिया। प्रदर्शनी में नवीनतम सौर तकनीक,ऊर्जा भंडारण प्रणाली, स्मार्ट मीटरिंग, डिजिटल ऊर्जा प्रबंधन,स्वच्छ औद्योगिक समाधान तथा अगली पीढ़ी की ऊर्जा प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया।ऐसे आयोजन उद्योग, निवेशकों और नीति-निमार्ताओं के बीच समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, भारत की ऊर्जा यात्रा केवल विकास की कहानी नहीं है, बल्कि जलवायु परिवर्तन से मुकाबले की भी कहानी है।स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार कार्बन उत्सर्जन कम करेगा,वायु प्रदूषण घटाएगा, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करेगा तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करेगा।यही कारण है कि आज ऊर्जा नीति को आर्थिक नीति, औद्योगिक नीति और पर्यावरण नीति के साथ समान महत्व दिया जा रहा है।प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की सफलता यह सिद्ध करती है कि जब नीति,तकनीक और जनभागीदारी एक साथ आगे बढ़ते हैं तो परिवर्तन केवल सरकारी आँकड़ों तक सीमित नहीं रहता,बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन को प्रभावित करता है। बिजली का घटता खर्च, घरेलू आय में वृद्धि,स्थानीय रोजगार,स्वदेशी विनिर्माण और पर्यावरण संरक्षण–इन सभी का समन्वय इस योजना को भारत की सबसे प्रभावशाली ऊर्जा पहलों में शामिल करता है।आज भारत जिस आत्मविश्वास के साथ हरित ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ रहा है,वह विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है।यदि यही गति बनी रही तो वर्ष 2030 तक भारत न केवल अपने 500 गीगावाट गैर- जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होगा, बल्कि विश्व के लिए स्वच्छ ऊर्जा,हरित प्रौद्योगिकी और टिकाऊ विकास का प्रेरणास्त्रोत भी बनेगा। वास्तव में, भारत की छतों पर चमकते सौर पैनल केवल बिजली नहीं बना रहे, वे आत्मनिर्भर,समृद्ध और पर्यावरण-अनुकूल भारत के उज्ज्वल भविष्य की रोशनी भी गढ़ रहे हैं।

संपादकीय

जिंदगियां बचाने के लिए

हाल ही में लोकसभा में सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े जो आंकड़े पेश किए गए वे विचलित करने वाले हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार देश में बीते साल सड़क दुर्घटनाओं में 5.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस दौरान अप्रत्याशित रूप से हुए 5.13 लाख से अधिक सड़क हादसों में 1.83 लाख लोगों की मृत्यु हो गई। इन हादसों में घायल होने वालों का आंकड़ा कितना बड़ा होगा, निष्कर्ष निकालना कठिन न होगा। निश्चिय ही यह बेहद चिंताजनक विरोधाभास है कि जिस देश में हर दिन सड़क हादसों में पांच सौ से अधिक निर्दोष लोगों की मृत्यु हो जाती है, वहां आधे से अधिक पंजीकृत मोटर वाहन बिना जरूरी बीमा के चल रहे हैं। यह प्रतिशत 56 बताया जाता है। नागरिक स्तर पर तो यह एक आपराधिक लापरवाही है ही, बीमा न कराने का स्तर मोटर वाहन अधिनियम को लागू करने में बड़ी खामी को भी दशार्ता है। यह सुखद है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस समस्या को बेहद गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को एक पायलट प्रोजेक्ट आजमाने को कहा है, जिसके तहत वैध बीमा न होने वाले वाहन चालक को पेट्रोल पंपों पर ईंधन देने से मना किया जा सकता है। बहुत संभव है इस योजना के क्रियान्वयन से बहुत सारे वाहन चालक वाहन बीमा कराने को बाध्य हो जाएं। निश्चित रूप से थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस सिर्फ एक कानूनी जरूरत भर नहीं है। वास्तव में यह नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है। इसका उद्देश्य यह निश्चित करना है कि सड़क दुर्घटना के शिकार लोगों और उनके परिवारों को सालों तक अदालतों के चक्कर काटे बिना समय पर जरूरी मुआवजा मिल सके। यह सर्वविदित सत्य है कि जब लाखों गाड़ियां बिना बीमे के चलती हैं तो इन दुर्घटनाओं का बोझ हादसे के पीड़ितों और उनके परिजनों पर पड़ता है। जिसके चलते इनमें से कई लोग सड़क दुर्घटनाओं के शारीरिक और आर्थिक प्रभावों से उबरने के लिए संघर्ष करते रहते हैं।

चिंतन-मनन

थुकदम' पर शोध खोलेगा जीवन-मृत्यु का रहस्य

गीता में कहा गया है कि शरीर तो एक पुतला मात्र है इसमें मौजूद आत्मा जीव है। यह जिस शरीर में होता है उस शरीर के गुण, कर्म और अपेक्षा के अनुरूप मृत्यु के बाद नया शरीर धारण कर लेता है। आत्मा न तो जन्म लेता है और न इसकी मृत्यु होती है। जब तक आत्मा शरीर में रहती है तब-तक शरीर जीवत रहता है। आत्मा द्वारा शरीर का त्याग करते ही शरीर सड़ने लगता है और इससे बदबू आने लगती है। गरूड़ पुराण में कहा गया है कि व्यक्ति की मृत्यु के बाद भी काफी समय तक आत्मा शरीर के आस-पास भटकती रहती है। जिस व्यक्ति की मृत्यु आ जाती है और उनका मोह शरीर से लगा रहता है उनकी आत्मा को यमदूत जबरदस्ती खींचकर ले जाते हैं। यही कारण है कि प्राचीन काल में योगी मुनि अपनी इच्छा से योग द्वारा शरीर का त्याग करते थे।

माना जाता है कि इस प्रकार शरीर का त्याग करने से सद्गति प्राप्त होती है। हिन्दू धर्म के अलावा बौद्ध धर्म में भी ऐसी ही मान्यता है। इसलिए बौद्ध भिक्षु भी योग द्वारा शरीर त्याग किया करते थे। योग द्वारा शरीर का त्याग करने से शरीर जल्दी दूषित नहीं होता है, क्योंकि उसमें जीवन का अंश मौजूद रहता है। हाल ही में धर्मशाला स्थित डेलेक अस्पताल में बौद्ध भिक्षु गैंगिंग खेतरुल रिंपोंछे की मौत के छह दिन बाद भी उसके पार्थिव शरीर के सुरक्षित रहने से दुनिया भर के चिकित्सक हैरान हैं। हालांकि इससे पूर्व जनवरी 2013 में भी दक्षिण भारत की ड्रेपुंग मोनेस्ट्री में इस तरह का मामला सामने आया है, जिसमें मोनेस्ट्री के प्रमुख रहे लोबसंग निमा मौत के बाद 18 दिन तक इसी अवस्था में रहे थे।

इन घटनाओं ने मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति की मान्यताओं पर एक नयी बहस छेड़ दी है और शास्त्रों एवं पुराणों की मान्यताओं पर पुनः अध्ययन करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित किया है। हालांकि, वैज्ञानिक शोध में जुटे चिकित्सक अभी तक यही मान रहे हैं कि जब तक आत्मा है, तब तक शरीर सुरक्षित रहेगा। थुकदम (यानी मृत्यु के बाद भी शरीर के यथावत रहने की मुद्रा) के शोध प्रोजेक्ट पर काम कर रहे डेलेक अस्पताल के चीफ मेडिकल आफिसर डा. छेतेन दोरजे का कहना है कि विज्ञान हालांकि इस बात को स्वीकार नहीं करता मगर, हमें मानना होगा कि यह जीवन और जीवन के बाद आत्मा से जुड़ा पहलू है। उन्होंने दावा किया बहुत जल्द वैज्ञानिक तथ्यों के साथ वह इसके रहस्य तक भी पहुंचने वाले हैं। लेकिन इसके लिए उन्हें इस तरह के और सब्जेक्ट की तलाश है।

आत्मनिर्भर भारत की असली पहचान है हथकरघा

दिलीप कुमार पाठक

आजकल हम जब भी कपड़े खरीदने की सोचते हैं, तो सीधे बड़े-बड़े मॉल या नामी ब्रांड्स के शोरूम की तरफ भागते हैं। लेकिन इस चकाचौंध में हम अपने ही देश के गाँवों में रची उस जादुई कला को भूल जाते हैं, जो सिर्फ हाथों के हुनर से कोरे धागों में जान फूंक देती है। हर साल सात अगस्त को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय हथकरघा दिवस कोई सरकारी रस्म नहीं है। यह दिन हमारे देश के उन लाखों बुनकरों के टैलेंट और मेहनत को सलाम करने का मौका है, जो सदियों से भारत को अपनी कला से सजा रहे हैं। इस दिन का हमारी आजादी की लड़ाई से बहुत गहरा नाता है। जब अंग्रेजों ने हमारे देश को बांटने की कोशिश की, तो सात अगस्त के दिन ही कोलकाता से स्वदेशी आंदोलन की शुरूआत हुई थी। उस समय विदेशी कपड़ों को जलाकर अपने देश के हाथ से बने कपड़ों को अपनाना अंग्रेजों के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार बना था। इसी ऐतिहासिक दिन को याद रखने के लिए सरकार ने करीब एक दशक पहले इस दिवस को मनाने का फैसला किया। तब से यह दिन सिर्फ इतिहास को याद करने का नहीं, बल्कि अपने गाँव की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का जरिया बन गया है।

अगर देश की तरक्की की बात करें, तो यह हथकरघा उद्योग आज भी हमारे गाँवों की असली रीढ़ है। कपड़ा मंत्रालय का रिकॉर्ड बताता है कि खेती के बाद सबसे ज्यादा परिवारों का चूल्हा इसी काम से जलता है। इस काम की सबसे खूबसूरत बात यह है कि इसमें काम करने वाले कुल लोगों में तीन-चौथाई से भी ज्यादा महिलाएं हैं। इसका सीधा सा मतलब यह है कि जब आप खादी या हाथ से बुना हुआ कोई भी कपड़ा खरीदते हैं, तो आपकी जेब से निकला पैसा सीधे किसी सुदूर गाँव में बैठी महिला को आत्मनिर्भर बनाता है। आज पूरी दुनिया में भारतीय हथकरघा अपनी पहिचान बना रहा है।

हाल के बरसों के सरकारी आंकड़ों को देखें तो हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों के विदेशों में बिकने की रफ्तार लगातार बढ़ रही है। आज दुनिया भर में लोग ऐसे कपड़ों की मांग कर रहे हैं जो पर्यावरण को नुकसान न पहुँचाएँ और हमारा हथकरघा इस मामले में सौ फीसदी खरा है। इसे बनाने में न तो बिजली का बड़ा बिल आता है और न ही कैमिकल का इस्तेमाल होता है। यही वजह है कि अमेरिका, दुबई और यूरोप के बड़े बाजारों में बनारसी सिल्क, भागलपुरी चादर, तेलंगाना की इकत या ओडिशा की संबलपुरी साड़ी की जबरदस्त मांग है। लेकिन इस चमक के पीछे बुनकरों का एक दर्द भी समाहित है। आज मशीनों से धड़ाधड़ बनने वाले सस्ते कपड़ों की वजह से हाथ के कारीगरों को सही दाम और पहचान के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। बाजार में मशीनी कपड़ों को असली हथकरघा बताकर बेच दिया जाता है, जिससे बुनकरों का हक मारा जाता है। इस धोखेबाजी को रोकने के लिए सरकार ने असली कपड़ों की पहचान के लिए हैंडलूम मार्क और जीआई टैग जैसी व्यवस्था की है। साथ ही इंडिया हैंडमेड जैसी वेबसाइट्स के जरिए बुनकरों को सीधे ग्राहकों से जोड़ा जा रहा है ताकि बीच के दलाल उनकी कमाई न खा सकें। हालांकि हथकरघा से जुड़े लोगों का फायदा केवल सोशल मीडिया पर वाह - वाह करने से नहीं होगा। असली बदलाव तब आएगा जब हम अपनी सोच बदलेंगे। हमें अपनी शादियों, त्योहारों और रोजमर्रा के पहनावे में इन कपड़ों को जगह देनी होगी। जब हमारी युवा पीढ़ी गर्व से हैंडलूम पहनेगी, तभी यह सदियों पुरानी कला बची रहेगी। हम सभी को संकल्प लेना चाहिए, कि अपनी अलमारी में कम से कम एक जोड़ी कपड़ा हाथ से बुना हुआ जरूर रखेंगे। इन धागों को बचाना सिर्फ सरकार का काम नहीं, हम सबकी जिम्मेदारी है।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

शिक्षा से जुड़ी जान जोखिम में डालने वाली चिन्ताजनक मजबूरियां

ललित गर्ग

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने और 2047 तक 'विकसित भारत' का स्वप्न साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल इंडिया, स्मार्ट क्लासरूम, ऑनलाइन शिक्षा, नई शिक्षा नीति, आधुनिक विश्वविद्यालय और वैश्विक प्रतिस्पर्धा जैसे विषय हमारे विकास के प्रतीक बन चुके हैं। लेकिन इसी भारत की एक तस्वीर ऐसी भी है जो इन सभी उपलब्धियों को कठोर प्रश्नों के कटघरे में खड़ा कर देती है। मध्यप्रदेश के विदिशा जिले में बरसाती उफान के बीच बेतवा नदी को पार कर स्कूल जाते मासूम बच्चों की तस्वीर केवल एक घटना नहीं, बल्कि उस विकास मॉडल का आईना है जिसमें चमक अधिक है और संवेदना कम। वास्तव में किसी भी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक मापदंड उसकी गगनचुंबी इमारतें, चौड़ी सड़कें अथवा डिजिटल सुविधाएँ नहीं होतीं, बल्कि यह होता है कि उस देश का सबसे अंतिम, सबसे कमजोर और सबसे गरीब बच्चा कितनी सुरक्षा और सम्मान के साथ शिक्षा प्राप्त कर पा रहा है। यदि किसी बच्चे को विद्यालय पहुँचने के लिए उफनती नदी, बहते नाले, टूटी पुलिया, जर्जर रास्ते या जानलेवा परिस्थितियों का सामना करना पड़े तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा पर भी प्रश्नचिह्न है।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम स्पष्ट रूप से कहता है कि प्रत्येक बच्चे को उसके घर के समीप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना राज्य की जिम्मेदारी है। लेकिन वास्तविकता यह है कि अनेक गांवों में या तो विद्यालय हैं ही नहीं, और यदि हैं भी तो उनमें शिक्षक नहीं हैं। कहीं शिक्षक हैं तो विद्यार्थी नहीं, कहीं भवन हैं तो पढ़ाई नहीं, कहीं भवन ही जर्जर होकर मौत का इंतजार कर रहे हैं। ऊपर से विद्यालयों के समानीकरण की नीति ने अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों की दूरी और बढ़ा दी है। परिणामस्वरूप छोटे-छोटे बच्चों को प्रतिदिन कई किलोमीटर पैदल चलकर, नदियाँ पार कर अथवा जोखिम भरे रास्तों से होकर विद्यालय पहुँचना पड़ता है। विडंबना यह है कि आज हम शिक्षा में तकनीक के बढ़ते प्रयोग पर गर्व कर रहे हैं। स्मार्ट बोर्ड, डिजिटल कंटेंट, ऑनलाइन परीक्षाएँ और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षण की चर्चा हो रही है। लेकिन जब बच्चा विद्यालय तक सुरक्षित पहुँच ही नहीं पा रहा, तब यह सारी तकनीकी प्रगति उसके लिए केवल एक दूर का सपना बनकर रह जाती है। शिक्षा की पहली शर्त सुरक्षित विद्यालय तक पहुँचना है। यदि यही सुनिश्चित नहीं है तो स्मार्ट क्लासरूम भी उस बच्चे का उपहास ही बन जाते हैं।

यह समस्या केवल मध्यप्रदेश तक सीमित नहीं है। देश के अनेक राज्यों में बरसात आते ही हजारों बच्चे उफनते नालों, अस्थायी पुलों और क्षतिग्रस्त सड़कों को पार कर विद्यालय जाने को मजबूर होते हैं। कहीं नाव की व्यवस्था नहीं, कहीं पुल वर्षों से अधूरा पड़ा है, कहीं सड़क निर्माण भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। कई स्थानों पर बच्चे घंटों पानी उतरने का इंतजार करते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है। कई बच्चे भय के कारण विद्यालय जाना ही छोड़ देते हैं। इस प्रकार शिक्षा से वंचित होने का सबसे बड़ा कारण केवल गरीबी नहीं, बल्कि असुरक्षित आधारभूत संरचना भी बनती जा रही है। शिक्षा क्षेत्र की जानलेवा परिस्थितियाँ केवल नदी या नाले तक सीमित नहीं हैं। पिछले वर्षों में अनेक दर्दनाक घटनाएँ सामने आई हैं। कहीं जर्जर स्कूल भवन ढह गए, कहीं विद्यालयों में करंट लगने से बच्चों की मौत हुई, कहीं आग लगने से मासूम झुलस गए, कहीं ओवरलोड ऑटो और वैन दुर्घटनाग्रस्त हो गईं। दिल्ली के कोचिंग संस्थान में हुई त्रासदी ने यह भी दिखाया कि शिक्षा के नाम पर संचालित संस्थानों में सुरक्षा मानकों की कितनी घोर अनदेखी होती है। नीट जैसी परीक्षाओं में पेपर लीक और उससे उपजी निराशा ने अनेक प्रतिभाशाली छात्रों को आत्महत्या तक के लिए विवश किया। क्या यह भी शिक्षा व्यवस्था की असुरक्षा का ही एक रूप नहीं है?

सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि हमारी सरकारी व्यवस्था अक्सर किसी दुर्घटना के बाद ही क्यों जागती है? जब तक कोई बच्चा नदी में बह नहीं जाता, भवन गिर नहीं जाता, आग नहीं लग जाती या कोई बड़ा हादसा नहीं हो जाता, तब तक प्रशासनिक मशीनरी की संवेदनाएँ जैसे सोई रहती हैं। घटना के बाद जांच समिति बनती है, निलंबन होता है, मुआवजा घोषित होता है और कुछ दिनों बाद सब कुछ फिर सामान्य हो जाता है। यह प्रतिक्रियात्मक शासन व्यवस्था किसी भी सभ्य लोकतंत्र के लिए उचित नहीं कही जा सकती। इस विफलता के पीछे भ्रष्टाचार भी एक बड़ा कारण है। भवन निर्माण से लेकर सड़क, पुल, विद्यालय सुरक्षा प्रमाणपत्र, वाहन फिटनेस और निरीक्षण व्यवस्था तक अनेक स्तरों पर लापरवाही और भ्रष्टाचार व्याप्त है। कई बार बिना सुरक्षा मानकों की पूर्ति किए ही विद्यालयों, कोचिंग संस्थानों और परिवहन वाहनों को अनुमति मिल जाती है। निरीक्षण कागजों में पूरा हो जाता है और वास्तविकता किसी दुर्घटना के बाद सामने आती है। यदि जिम्मेदारी तय करने की संस्कृति विकसित नहीं होगी तो ऐसी घटनाएँ कभी समाप्त नहीं होंगी।

सरकार को यह समझना होगा कि शिक्षा केवल पुस्तकें बाँटने, छात्रवृत्ति देने और परीक्षाएँ आयोजित करने का नाम नहीं है। शिक्षा का वास्तविक अर्थ है-बच्चे के लिए सुरक्षित वातावरण, सम्मानजनक विद्यालय, प्रशिक्षित शिक्षक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और निर्भय आवागमन की व्यवस्था। जिस बच्चे का प्रतिदिन का संघर्ष विद्यालय तक जीवित पहुँचने का हो, वह ज्ञान की ऊँचाइयों तक कैसे पहुँचेगा? आज आवश्यकता यह है कि शिक्षा सुरक्षा को राष्ट्रीय मिशन बनाया जाए। जिन क्षेत्रों में नदी या नाले बाधा बनते हैं, वहाँ स्थायी पुलों का निर्माण प्राथमिकता से हो। जब तक पुल नहीं बनते, तब तक सुरक्षित नाव या जल परिवहन की सरकारी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक विद्यालय का वार्षिक सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य हो। जर्जर भवनों को तत्काल बंद किया जाए और नए भवनों का निर्माण समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। स्कूल वाहनों के लिए कठोर सुरक्षा मानक लागू हों तथा उनका नियमित निरीक्षण हो। प्रत्येक विद्यालय में अग्निशमन, आपदा प्रबंधन और प्राथमिक उपचार की प्रभावी व्यवस्था हो। साथ ही प्रत्येक दुर्घटना के लिए केवल निचले कर्मचारियों पर कार्रवाई न होकर उच्च अधिकारियों तक जवाबदेही तय की जाए।

विकसित भारत का सपना तभी सार्थक होगा जब विकास का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े बच्चे तक पहुँचेगा। जिस राष्ट्र में बच्चे शिक्षा पाने के लिए जान जोखिम में डालने को विवश हों, वहाँ विकास के दावे अधूरे प्रतीत होते हैं। विश्वगुरु बनने का मार्ग केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, सुरक्षित शिक्षा और समान अवसरों से होकर गुजरता है। आज आवश्यकता नए कानून बनाने से अधिक उन कानूनों को ईमानदारी से जमीन पर उतारने की है। जब तक शासन की प्राथमिकताओं में बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च स्थान नहीं पाएगी, तब तक विकास के बड़े-बड़े दावे खोखले लगते रहेंगे। सरकार, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और समाज-सभी को यह संकल्प लेना होगा कि देश का कोई भी बच्चा केवल इसलिए अपनी जान जोखिम में नहीं डालेगा कि वह पढ़ना चाहता है। यदि भारत को वास्तव में 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना है, तो सबसे पहले उसे अपने बच्चों के लिए सुरक्षित बचपन और सुरक्षित शिक्षा सुनिश्चित करनी होगी। क्योंकि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी संसदों, मंत्रालयों या महानगरों में नहीं, बल्कि उन छोटे-छोटे विद्यालयों में लिखा जाता है जहाँ मासूम बच्चे अपने सपनों के साथ बैठते हैं। यदि उन सपनों की रक्षा नहीं हो सकी, तो विकसित भारत का स्वप्न भी अधूरा ही रह जाएगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

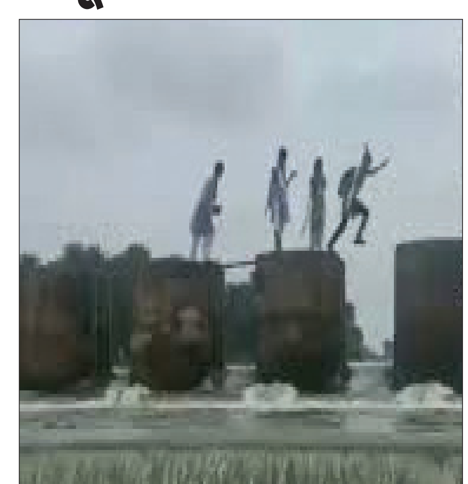

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा: तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से दो कांवड़ियों की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। यहां दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर भोजपुर क्षेत्र के पास हरिद्वार से जल लेकर अपने घर लौट रहे तीन कांवड़ियों की बाइक को एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक कई मीटर तक सड़क पर घिसटती चली गई। तीनों कांवड़िये हवा में उछलकर दूर जा गिरे। हादसे में दो कांवड़ियों की मौके पर ही मौत हो गई। एक गंभीर रूप से घायल कावड़िये को अस्पताल मे भर्ती किया गया है। दुर्घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। मृतकों की पहचान अलीगढ़ निवासी राजकुमार और ज्ञान प्रकाश के रूप में हुई है। बदायूं निवासी प्रदीप गंभीर रूप से घायल बताया गया है।

टक्कर से हवा में उछल गए कांवड़िये

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के दौरान एक कांवड़िये का सिर डिवाइडर से टकरा गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दूसरे कांवड़िये को भी सिर और शरीर के अन्य अंगों पर गंभीर चोटें आईं और उसने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के तुरंत बाद आसपास से गुजर रहे राहगीरों ने पुलिस व हेल्पलाइन को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और एक्सप्रेसवे प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची। घायल को अस्पताल भेजा गया, जबकि दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना को अंजाम देने वाले वाहन की तलाश शुरू कर दी गई है। एक्सप्रेसवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि फरार चालक और वाहन की पहचान करके जल्द गिरफ्तारी की जा सके।

मृतकों के परिजन सदमे में

इस हादसे की सूचना से मृतकों के परिवार गहरे सदमे में हैं। राजकुमार और ज्ञान प्रकाश मूल रूप से अलीगढ़ के रहने वाले थे, लेकिन लंबे समय से गुरुग्राम में रहकर काम कर रहे थे। परिजनों के अनुसार, करीब पांच वर्ष पहले राजकुमार पर गुरुग्राम में मारपीट का एक मुकदमा दर्ज हुआ था, जिससे वह मानसिक तनाव में रहने लगे थे। इसी बीच चार वर्ष पहले उनकी पत्नी का बीमारी के कारण निधन हो गया, जिसके बाद वह पूरी तरह टूट गए थे। परिजनों ने बताया कि राजकुमार हर वर्ष भगवान शिव की कृपा पाने और जीवन की परेशानियों से मुक्ति की कामना लेकर कांवड़ यात्रा पर जाते थे। इस बार भी वह यह कहकर घर से निकले थे कि भोलेनाथ की कृपा से उनका मुकदमा समाप्त हो जाएगा और जीवन फिर से सामान्य हो जाएगा।

अवधेश नायक को मिला दतिया की जीत का इनाम, कांग्रेस ने बनाया प्रदेश महासचिव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। दतिया की जीत के बाद कांग्रेस का उत्साह एमपी में बढ़ गया। चारों ओर जश्न का माहौल है। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी अब अपनी नई टीम बना रहे हैं। इसकी शुरुआत कर दी है। दतिया की जीत का इनाम उन्होंने अवधेश नायक को दिया है। अवधेश नायक को कांग्रेस ने प्रदेश महासचिव बनाया है। रअसल, अवधेश नायक पहले बीजेपी के नेता थे। 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले वह कांग्रेस में शामिल हुए थे। लेकिन कांग्रेस ने उन्हें टिकट नहीं दिया था। उपचुनाव में उम्मीद थी कि उन्हें टिकट मिल जाएगा। लेकिन पार्टी ने उम्मीदवार नहीं बनाया। शुरुआत में उनके तेवर तल्ख थे। लेकिन बाद में मान गए और पार्टी के लिए प्रचार करने लगे। अब दतिया में कांग्रेस जीत गई है। इसके साथ पार्टी ने अवधेश नायक को इनाम भी दिया है। प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी की सहमति से उनकी नियुक्ति का आदेश जारी हो गया है। अवधेश नायक को कांग्रेस पार्टी ने प्रदेश महासचिव बनाया है। यह उनके लिए बड़ी जिम्मेदारी है। इसके साथ ही प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी दतिया उपचुनाव में कहते रहे हैं कि मध्य प्रदेश में अगले चुनाव के दौरान कांग्रेस की सरकार बनेगी। उन्होंने मंच से तीन बार अवधेश नायक का नाम लिया है। इस दौरान अवधेश नायक मंच से खड़े होकर लोगों का अभिवादन भी किया है। ऐसे में माना जा रहा है कि कांग्रेस अवधेश नायक को 2028 में उम्मीदवार बनाएगी। गौरतलब है कि दतिया इलाके में अवधेश नायक की अच्छी धाक है। उपचुनाव से पहले उन्हें मनाने में पार्टी के दिग्गज नेता जुट गए। खुले मंच से दिग्विय सिंह ने कहा था कि 2023 में पार्टी इन्हें टिकट देने को तैयारी थी लेकिन मैंने काट दिया था।

भोपाल के पुराने शहर में बाजार बंद का ऐलान, मोती मस्जिद स्क्वायर पर बैरिकेडिंग और ट्रैफिक पाबंदियों के खिलाफ व्यापारियों का प्रदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। पुरानी शहर के व्यापारियों और रहवासियों ने मोती मस्जिद स्क्वायर पर ट्रैफिक बैरिकेडिंग के खिलाफ 7 अगस्त को बंद का आह्वान किया है। एक साल से रास्ते बंद होने और हाल ही में आगजनी की घटना के दौरान दमकल गाड़ी के फंसने से कारोबारियों में भारी नाराजगी है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के पुराने शहर में ट्रैफिक पुलिस द्वारा की गई बैरिकेडिंग और रास्तों को बंद किए जाने के खिलाफ व्यापारियों और स्थानीय रहवासियों में भारी गुस्सा है। चॉक बाजार व्यापारी संघ और सराफा एसोसिएशन समेत कई अन्य व्यापारिक निकायों ने मिलकर 7 अगस्त को भोपाल के इस इलाके में 'बंद' का आह्वान किया है। व्यापारियों का कहना है कि पिछले करीब एक साल से मोती मस्जिद स्क्वायर से सदर मंजिल की ओर जाने वाला ट्रैफिक बंद है, जिससे बाजारों तक पहुंच प्रभावित हो रही है और व्यापार पूरी तरह चौपट हो गया है। इस विरोध प्रदर्शन को धार तब मिली जब गत 31 जुलाई को इब्राहिमपुरा की एक दुकान में भीषण आग लग गई थी। व्यापारियों का आरोप है कि इन ट्रैफिक पाबंदियों और बैरिकेड्स के कारण दमकल की गाड़ी को मौके पर

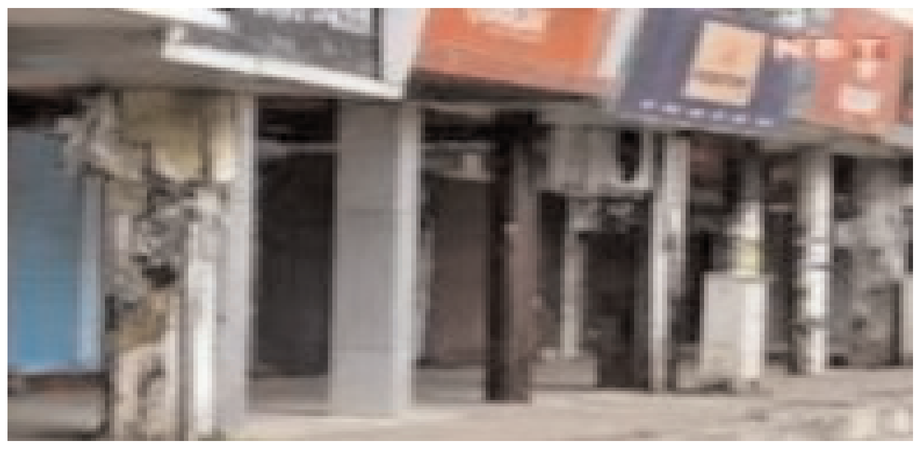

पहुंचने में लगभग एक घंटा लग गया। गनीमत यह रही कि स्थानीय दुकानदारों ने सूझबूझ दिखाते हुए समय पर आग पर काबू पा लिया, वरना बड़ा नुकसान हो सकता था। इसके अलावा, नगर निगम द्वारा बनाए गए तीन पार्किंग स्थल भी ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने में नाकाम साबित हुए हैं क्योंकि वाहनों को मोती मस्जिद से बाजार की तरफ राइट टर्न लेने की अनुमति नहीं है

मेडिकल इमरजेंसी और एम्बुलेंस के आवागमन पर भी संकट

व्यापारियों और आम नागरिकों का यह भी कहना है कि इब्राहिमपुरा और पीरगेट से आने वाले यात्रियों को हमीदिया अस्पताल जाने के लिए रेंथ घाट पर लंबा यू-टर्न लेना पड़ता है, जो चिकित्सीय आपातकाल के दौरान बेहद परेशानी भरा साबित होता है। एम्बुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहनों के लेट होने से किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। बंद के इस आह्वान के बाद दोपहर 12:30 बजे चौराहे पर एक बड़ा धरना देने की भी योजना है, ताकि प्रशासन इस पुरानी समस्या का कोई स्थायी समाधान निकाल सके। भोपाल के पुराने शहर में मोती मस्जिद स्क्वायर के पास लंबे समय से बैरिकेडिंग कर रास्ता बंद किया गया है चॉक बाजार और सराफा एसोसिएशन सहित कई व्यापारी संगठनों ने 7 अगस्त को बाजार बंद रखने का फैसला किया है हाल ही में इब्राहिमपुरा में आग लगने के दौरान ट्रैफिक के कारण फायर ब्रिगेड को पहुंचने में देरी हुई थी व्यापारियों का आरोप है कि रास्तों की पाबंदी से एम्बुलेंस और आपातकालीन सेवाओं को भी भारी परेशानी उठानी पड़ रही है

एक बाइक पर 6 सवार... बीच सड़क पर किया स्टंट, VIDEO वायरल हुआ तो पुलिस ने लिया एक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ाने का मामला सामने आया है. यहां गांधी रोड पर छह लोग बाइक पर सवार थे. इन युवकों ने सड़क पर फर्राटा भरा, खतरनाक स्टंट भी किए. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने बाइक का नंबर ट्रेस किया. इसी के साथ वाहन मालिक की पहचान की और 6,500 का चालान कर दिया. मध्य प्रदेश के ग्वालियर में ट्रैफिक नियमों की अनदेखी का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां गांधी रोड पर एक ही बाइक पर छह लोग सवार होकर न सिर्फ फर्राटा भरते दिखे, बल्कि बीच सड़क खतरनाक स्टंट भी करते रहे. किसी राहगीर ने इसका वीडियो रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर डाल दिया. वीडियो वायरल होते ही ट्रैफिक पुलिस हरकत में आई और बाइक नंबर के आधार पर वाहन मालिक तक पहुंचकर 6,500 का चालान काट दिया. ये मामला ग्वालियर के गांधी रोड का है. यहां का जो वीडियो सामने आया, उसे देखकर लोग पहले हैरान हुए, फिर मोबाइल निकालकर वीडियो बनाने लगे. एक बाइक पर छह लोग सवार थे और सड़क पर स्टंट करते हुए निकल रहे थे. वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो ट्रैफिक पुलिस ने बाइक नंबर से मालिक तक पहुंचकर 6,500 का चालान काट दिया. दो पहिए... एक इंजन... और क्षमता सिर्फ दो लोगों की. लेकिन ग्वालियर की सड़क पर एक बाइक पर छह लोग सवार थे. बाइक पर बैठे युवकों को शायद इस बात की भी चिंता नहीं थी कि सड़क पर दूसरे लोग भी चल रहे हैं. वीडियो में वे बेफिक्र होकर स्टंट करते नजर आए. कभी संतुलन बिगड़ने की नौबत... तो कभी तेज रफ्तार में करतब. राहगीरों की नजर जैसे ही इस नजारे पर पड़ी... मोबाइल कैमरे ऑन हो गए. कुछ ही मिनटों में वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा. अब यह ट्रैफिक पुलिस के लिए सबूत बन चुका था. ग्वालियर ट्रैफिक पुलिस ने वीडियो को देखा. बाइक का नंबर ट्रेस कियाय और जांच शुरू कर दी. पता चला कि बाइक मुरैना जिले के दिमनी निवासी आशीष के नाम पर है. वाहन मालिक को बुलाया गया. पूछताछ हुई. और फिर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत

6,500 का चालान काट दिया गया. ट्रैफिक पुलिस ने चेतावनी भी दी कि अगली बार ऐसी लापरवाही महंगी पड़ सकती है. ट्रैफिक थाना प्रभारी धनंजय शर्मा ने कहा कि ओवरलोडिंग और स्टंट सिर्फ नियम तोड़ना नहीं है... यह अपनी और दूसरों की जान को खतरे में डालना है. पुलिस ने लोगों से अपील की कि सड़क को रील बनाने या करतब दिखाने का मंच न बनाएं. कुछ सेकंड का रोमांच पूरी जिंदगी का हादसा बन सकता है.

एक लड़की दो आशिक फिर शुरू हुई शाहजहांपुर में धमकियों की कहानी, और आखिर में हो गया कत्ल!

महानगर मेट्रो ब्यूरोझ

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में 31 जुलाई को हुई गौतम नाम के युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है. पुलिस के मुताबिक, यह आपसी रंजिश नहीं, बल्कि एक प्रेम प्रसंग से जुड़ी साजिश थी. मृतक और मुख्य आरोपी दोनों का एक ही युवती से प्रेम संबंध था. युवती के भाई ने कथित तौर पर मुख्य आरोपी को हत्या के लिए उकसाया, जिसके बाद वारदात को अंजाम दिया गया. उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में 31 जुलाई को गौतम मौर्य नाम के युवक की हत्या कर दी गई थी. इस मामले का अब पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है. पुलिस के मुताबिक, हत्या की वजह प्रेम प्रसंग और आपसी रंजिश थी. आरोप है कि मृतक और मुख्य आरोपी दोनों का एक ही युवती से संबंध था. युवती के भाई पर हत्या के लिए कथित तौर पर उकसाने और साजिश रचने का आरोप है, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है. 31 जुलाई... शाहजहांपुर के कांट थाना क्षेत्र का दिलावरपुर गांव. दिनदहाड़े एक युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ वार होते हैं. युवक की पहचान गौतम मौर्य के रूप में होती है. हमलावर मौके पर ही भीड़ के हत्थे चढ़ जाता है. हत्या के बाद इलाके

में भारी हंगामा होता है. घंटों तक चक्का जाम रहता है. पुलिस पहले मुख्य आरोपी समीर अली समेत उसके पिता और भाई सहित चार लोगों को गिरफ्तार करती है. पूछताछ, साक्ष्यों और घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ते-जोड़ते पुलिस एक और नाम तक पहुंचती है- अश्वनी. पुलिस का कहना है कि इस हत्याकांड की वजह प्रेम प्रसंग था. आरोप है कि गौतम मौर्य और समीर अली, दोनों का एक ही युवती से प्रेम संबंध था. पुलिस के मुताबिक, गौतम युवती को कथित तौर पर परेशान करता था, उसे ब्लैकमेल करता था और युवती के भाई अश्वनी को भी धमकाता था. युवती ने यह बात अपने भाई और समीर को बताई. पुलिस का आरोप है कि इसके बाद अश्वनी ने समीर को गौतम को रास्ते से हटाने के लिए उकसाया. इसी कथित साजिश के तहत समीर ने गौतम पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी. एसपी सिटी देवेंद्र कुमार के अनुसार, जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर अश्वनी की भूमिका सामने आई. आरोप है कि उसने समीर को हत्या के लिए उकसाया और साजिश में शामिल रहा. इसी आधार पर उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. फिलहाल पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है.

धंसे कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे में झोल ही झोल, निर्माण कंपनी को फिर मिल गए 3500 करोड़ के नए ठेके

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। लखनऊ एक्सप्रेसवे में लगातार सामने आ रही खराबी के चलते PNC इंफ्राटेक लिमिटेड चर्चा में है. इन सबके बीच 'नॉन-परफॉर्मर' घोषित किए जाने की कार्रवाई और सीबीआई के रिश्वतखोरी मामले का सामना कर रही इस इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी को NHAI से लगभग ?3,483 करोड़ के दो बड़े हाईवे प्रोजेक्ट मिल गए हैं. इससे एनएचएआई की निर्णय प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं.

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे के निर्माण में बार-बार आ रही गुणवत्ता संबंधी कमियों और सड़क धंसने के चलते पीएनसी फ्राटेक लिमिटेड को 'नॉन-परफॉर्मर' घोषित करते हुए ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. इसके बावजूद NHAI ने इसी कंपनी को उत्तर प्रदेश में लगभग ?3,483 करोड़ लागत की दो बड़ी हाईवे परियोजनाओं के ठेके दिए हैं. 16 जुलाई 2026 को हुए इस समझौते के तहत कंपनी को बाराबंकी से मुस्तफाबाद और मुस्तफाबाद से बिसवां तक फोर-लेन हाईवे का निर्माण करना है. एक तरफ दंडात्मक कार्रवाई और दूसरी तरफ नए प्रोजेक्ट मिलने से एनएचएआई के फैसलों पर सवाल उठ रहे हैं. कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, PNC इंफ्राटेक ने 16 जुलाई 2026 को NHAI के साथ दो हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल हाईवे प्रोजेक्ट्स के लिए रियायत समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं. इन दोनों प्रोजेक्ट्स की कुल लागत लगभग 3,483 करोड़ है. पहला प्रोजेक्ट NH-927 पर बाराबंकी से मुस्तफाबाद तक 4-लेन हाईवे बनाने का है, जिसकी लागत 1,728 करोड़ है.

अलीगढ़ में लूडो खेलने के दौरान भिड़े दो पक्ष, बीच सड़क लाठी-डंडे चले, लगा लंबा जाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अलीगढ़। थाना क्वार्सी क्षेत्र स्थित महेशपुर चौराहे पर लूडो खेलने के दौरान शुरू हुए मामूली विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया. कुछ युवकों के बीच लूडो खेलते समय कहासुनी शुरू हुई, जो गाली-गलौज के बाद दोनों पक्षों के बीच हिंसक झड़प में बदल गई. आमने-सामने आए दोनों पक्षों के लोगों ने बीच सड़क पर लाठी-डंडों से एक-दूसरे पर हमला बोल दिया. इस घटना के कारण सड़क रणक्षेत्र में तब्दील हो गई, राहगीरों में दहशत फैल गई और लंबा जाम लग गया. सूचना मिलने पर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और जाम खुलवाया. लूडो के खेल से उपजा यह विवाद देखते ही देखते काफी बढ़ गया. सड़क पर देर तक चलती लाठी-डंडों की जंग से आसपास के लोगों और राहगीरों में दहशत का माहौल बन गया. वाहनों की लंबी कतारें लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने किसी तरह खुद को बचाते हुए पुलिस को सूचना दी. घटना की जानकारी मिलते ही थाना क्वार्सी पुलिस तुरंत महेशपुर चौराहे पर पहुंची. पुलिसकर्मियों ने दोनों पक्षों को अलग करके माहौल शांत कराया और यातायात सुचारू करते हुए सड़क पर लगे जाम को हटवाया. इसके बाद पुलिस ने घटना में घायल हुए लोगों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा और घटनास्थल का मुआयना किया.

'PD से पंडित अखिलेश के तंज पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने किया पलटवार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भाजपा नेताओं ने समाजवादी पार्टी और उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर ब्राह्मण समाज के अपमान, अराजकता और गैर-लोकतांत्रिक कार्यशैली के गंभीर आरोप लगाए हैं. उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की ओर से ब्राह्मण समाज को साधने की कोशिशों के बीच भारतीय जनता पार्टी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है. उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और भाजपा विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने अखिलेश यादव की राजनीति और समाजवादी पार्टी की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कई आरोप लगाए. डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि अखिलेश यादव को अपनी और अपनी पार्टी की चिंता करनी चाहिए. उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी अब अराजक और गैर-लोकतांत्रिक पार्टी बन चुकी है तथा वह अपने वरिष्ठ नेता जनेश्वर मिश्रा के सिद्धांतों से पूरी तरह भटक गई है. ब्रजेश पाठक ने कहा कि जनेश्वर मिश्रा हमेशा कहते थे कि जब सदन चल रहा हो

तो जनता की आवाज लोकतांत्रिक तरीके से सदन के भीतर उठाई जानी चाहिए. लेकिन आज की समाजवादी पार्टी लोकतांत्रिक परंपराओं का पालन नहीं कर रही है. उन्होंने आरोप लगाया कि सपा केवल व्यक्तिवादी राजनीति कर रही है और अराजकता, गुंडागर्दी तथा प्रदेश को दंगों की आग में झोंकने वाले लोगों को संरक्षण देने का काम कर रही है.

'अखिलेश यादव ने PDA फॉर्मूले का मजाक बनाया'

वहीं, भाजपा विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने अखिलेश यादव के हालिया ब्राह्मण समाज सम्मेलन और उनके PDA फार्मूले पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने इस मुद्दे का मजाक बना रखा है. कभी वह कहते हैं कि 'P' का मतलब पीड़ित है, कभी पिछड़ा, कभी पासवान और अब पंडित बता रहे हैं. शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि ब्राह्मण समाज इतना भी नादान नहीं है कि बार-बार बदलने वाली राजनीतिक व्याख्याओं को स्वीकार कर ले. उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान सबसे अधिक ब्राह्मण समाज का अपमान हुआ. उनके अनुसार उस समय गांव-गांव में ब्राह्मणों की जमीनों पर कब्जे हुए और कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई थी. उन्होंने कन्नौज के नीरज मिश्रा हत्याकांड का भी जिक्र करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में उनकी निर्मम हत्या हुई थी, लेकिन आरोपियों के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई. शलभ मणि त्रिपाठी ने दावा किया कि सपा शासनकाल में ब्राह्मण समाज को सबसे ज्यादा अपमान और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा.

ग्रीन दिल्ली का मेगा प्लानः 4 साल में लगेंगे 1 करोड़ पौधे, रिज क्षेत्र होगा और हरा-भरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद गठित दिल्ली रिज मैनेजमेंट बोर्ड की पहली उच्चस्तरीय बैठक मुख्य सचिव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसमें चार साल की मेगा योजना को मंजूरी दी गई है। इसके तहत एक करोड़ से अधिक पौधे व झाड़ियां लगाए जाएंगे। बैठक में सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का पालन करते हुए एक स्टैंडिंग कमिटी (स्थायी समिति) का गठन किया गया। इसकी अध्यक्षता सेंट्रल एम्पावर्ड कमिटी (सीईसी) के प्रतिनिधि (चंद्र प्रकाश गोयल) करेंगे। यह समिति रिज क्षेत्र में किसी भी गैर-वानिकी परियोजना और विकास कार्य की कड़ी समीक्षा करेगी। साउथ रिज समेत पूरे रिज इलाके से अवैध कब्जे और अतिक्रमण तुरंत हटाए जाएंगे। इसके लिए डीडीए वाइस चेयरमैन की अध्यक्षता वाली एसटीएफ और जिला मैजिस्ट्रेटों (डीएम) की टास्क फोर्स के साथ मिलकर समयबद्ध अभियान चलाया जाएगा। कब्जे से मुक्त कराई गई जमीन पर तुरंत पौधरोपण किया जाएगा ताकि दोबारा अतिक्रमण न हो सके। 2021 में रिज फंड से 223 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी और बैंक ऑफ बड़ौदा के फर्जी खाते में ट्रांसफर का मामला भी चर्चा में रहा। हाईकोर्ट के आदेश के बाद बैंक से 152.75 करोड़ रुपये हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के पास जमा कराने का रास्ता साफ हुआ है। कोर्ट के निर्देश पर वरिष्ठ अधिवक्ता संजय जैन के साथ मिलकर इसका इस्तेमाल केवल रिज के संरक्षण, अपग्रडेशन और हरियाली के मास्टर प्लान पर करने की रणनीति तैयार की जा रही है।

दिल्ली में कारोबार करना हुआ आसान,'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' बिल को मिली मंजूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। कैबिनेट ने 'ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक, 2026' के मसौदे को मंजूरी दे दी है, इसके तहत कम जोखिम वाले उद्योगों के लिए स्व-प्रमाणन का प्रस्ताव रखा गया है और पंजीकरण के बाद तीन वर्षों तक नियमित निरीक्षणों पर रोक लगाई गई है. इस प्रस्तावित कानून का उद्देश्य देरी को कम करना और व्यवसायों द्वारा विभिन्न विभागों से ली जाने वाली स्वीकृतियों, पंजीकरणों, लाइसेंसों, एनओसी और अन्य अनुमतियों की आवश्यकता को घटाना है. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अगर किसी सरकारी विभाग को दिए गए आपके आवेदन पर तय समय के अंदर कोई फैसला नहीं होता है, तो उसे रिजेक्ट नहीं माना जाएगा. वह आवेदन अपने आप मंजूर मान लिया जाएगा. मंजूरी मिलते ही आवेदक को किसी सरकारी दफ्तर जाने या चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, वे सीधे पोर्टल से अपना अप्रूवल या एनओसी डाउनलोड कर सकेंगे. दिल्ली कैबिनेट से इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल चुकी है और अब इसे अंतिम कानून का रूप देने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास भेजा गया है. एक ही ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्रमुख व्यावसायिक स्वीकृतियां, पंजीकरण, एनओसी और यूटिलिटी कनेक्शन प्रदान करने के लिए एक 'सिंगल विंडो सिस्टम' स्थापित किया जाएगा. तय समय सीमा के भीतर इस पोर्टल के जरिए दी जाने वाली सेवाओं में बिल्डिंग प्लान की मंजूरी, फैक्ट्री लाइसेंस, फायर क्लीयरेंस, पानी, सीवर व बिजली के कनेक्शन, रेरा (ऋश्वक्र) पंजीकरण और सहकारी समिति पंजीकरण शामिल होंगे. उन्होंने कहा, 'सरकार एक ऐसी व्यवस्था बनाने की दिशा में काम कर रही है.

फर्जी NGO गिरोह का दिल्ली पुलिस ने किया भंडाफोड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। ऑनलाइन बच्चा गोद दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह खुद को कई चाइल्ड एडॉप्शन ऑर्गेनाइजेशन से जुड़ा बताकर निःसंतान दंपतियों को टारगेट करते थे। जैसे ही पीड़ित पूरी रकम चुका देते, आरोपी मोबाइल बंद कर संपर्क खत्म कर देते थे। नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट साइबर थाना पुलिस इस मामले में गिरफ्तार फिजियोथेरेपिस्ट राकेश कुमार उर्फ डॉ. आरके और मुख्य आरोपी सचिन अग्रवाल से पूछताछ कर यह पता लगा रही है कि आखिर इन्होंने और कितनों लोगों के साथ ठगी की है। DCP राजा बांठिया ने बताया कि साइबर थाना SHO रोहित गहलोत, SI अरविंद, हेड कॉन्स्टेबल हिमांशू और रवि विजय ने बुराड़ी की एक महिला की शिकायत पर कार्रवाई की थी। पूछताछ में मुख्य आरोपी सचिन अग्रवाल ने बताया कि उसने कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अपना मोबाइल नंबर डाल रखा था। इंटरनेट पर बच्चा गोद लेने की जानकारी तलाश रहे लोग सीधे उसके संपर्क में आते थे। दावा करता था कि कानूनी तरीके से बच्चे को गोद दिला सकता है।

ऐसे होता था ये घिनौंना अपराध

जब किसी पीड़ित को शक होता या वह गोद लेने की प्रक्रिया के प्रमाण मांगता, तब गिरोह का दूसरा सदस्य राकेश कुमार उर्फ डॉ. आर.के. फर्जी हत्वह्र की पेमेंट रसीदें, मनगढ़ंत अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट और दूसरे नकली मेडिकल दस्तावेज तैयार कर उपलब्ध कराता था। इनके जरिए यह विश्वास दिलाया जाता था कि बच्चा वास्तव में जन्म लेने वाला है। आरोपी पीड़ितों से बच्चे के कपड़े और जरूरी सामान खरीदने तक की सलाह देते थे। तय डिलीवरी डेट आने पर ट्रांसपोर्टेशन और अंतिम प्रक्रिया के नाम पर एक और भुगतान कराया जाता था। रकम उनके खातों में पहुंचते ही आरोपी मोबाइल फोन बंद कर लेते थे। चिन अग्रवाल बरेली का है और 10वीं पास है। कमीशन पर लकड़ी सप्लाई करता था। वह पहले भी बरेली में दर्ज धोखाधड़ी के एक मामले में नामजद रह चुका है।

नागपुर रेप केसः गिरफ्तारी के बाद 19 साल के आरोपी की अजीब डिमांड, पुलिस लॉकअप में मांगा पिज्जा और मुलायम गद्दा

नागपुर रेप केस में गिरफ्तार आरोपी ने पुलिस लॉकअप में मेडिकल जांच से इनकार कर दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में 16 साल की छात्रा से दुष्कर्म और उसे बंधक बनाकर प्रताड़ित करने के मामले में पुलिस ने 19 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी पुलिस हिरासत में अजीब मांगे कर रहा है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने न केवल मेडिकल जांच कराने से इनकार किया, बल्कि लॉकअप में विशेष सुविधाओं की भी मांग की। जांच अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी ने अपना मोबाइल फोन और पीड़िता के मोबाइल का पासवर्ड बताने से भी मना कर दिया। पुलिस का कहना है कि बंधक बनाए जाने के दौरान वह दोनों मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर रहा था, इसलिए डिजिटल साक्ष्य जुटाने के लिए इनकी जांच महत्वपूर्ण है।

नाश्ते पिज्जा, सोने के लिए मुलायम गद्दा मांग रहा

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ने हिरासत में लॉकअप की स्थिति को लेकर शिकायत की। उसने नाश्ते में पिज्जा, बेहतर भोजन, मुलायम गद्दा और मच्छरों को भगाने की व्यवस्था की मांग की। इसके अलावा उसने लॉकअप की गंदी दीवारों और शौचालय की साफ-सफाई पर भी आपत्ति जताई। पुलिस ने बताया कि आरोपी पर हत्या की कोशिश, POCSO एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच के दौरान पुलिस को यह भी संकेत मिले हैं कि पूरी घटना सुनियोजित हो सकती है।

पुलिस ने ऐसे किया था गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार, आरोपी को उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह नागपुर के दिघोरी इलाके के एक किराए के फ्लैट में मौजूद था। पुलिस का कहना है कि कार्रवाई के दौरान आरोपी छात्रा की गर्दन पर सर्जिकल चाकू लगाए हुए था। टीम ने तत्काल उसे गिरफ्तार किया और छात्रा को सुरक्षित बाहर निकाला। नागपुर पुलिस आयुक्त विश्वास नांगरे पाटिल ने कहा कि पीड़िता की मानसिक स्थिति सामान्य होने के बाद उसका विस्तृत बयान दर्ज किया जाएगा। वहीं, पुलिस आरोपी के मोबाइल फोन, डिजिटल रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है ताकि घटना से जुड़े सभी तथ्यों का पता लगाया जा सके।

तरुण तेजपाल को 10 साल की सजा, बॉम्बे हाई कोर्ट ने रेप के मामले में दोषी ठहराया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। तहलका के पूर्व संपादक तरुण तेजपाल को बॉम्बे हाईकोर्ट ने दोषी ठहराते हुए 10 साल की सजा सुनवाई है। गुरुवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने नंवबर, 2013 में दाखिल किए रेप के मामले में तेजपाल को दोषी माना। इससे पहले 2021 में सेशन कोर्ट ने तरुण तेजपाल को रेप के मामले में दोष मुक्त करार दिया था। बॉम्बे हाईकोर्ट में जस्टिस डॉ नीला गोखले और जस्टिस अमित जामसंदेकर की डिवीजन बेंच ने गोवा सरकार की ओर से दाखिल अपील को मंजूर करते हुए तेजपाल को दोषी करार दिया।

तरुण तेजपाल को लगा बड़ा झटका

बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच में फैसले के बाद तरुण तेजपाल कोर्ट रूम में मौजूद रहे। इससे पहले कोर्ट ने सुनवाई पूरी करने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले से तरुण तेजपाल को तगड़ा झटका लगा है। सेशंस कोर्ट ने नवंबर 2013 में एक जूनियर सहयोगी की ओर से दर्ज कराए गए रेप केस मामले में तरुण तेजपाल

को बरी कर दिया गया था। तब उन्हें बड़ी राहत मिली थी। बॉम्बे हाई की गोवा बेंच में निजी अदालत के फैसले को चुनौती सीआईडी की तरफ से दी गई थी। अभी तक तरुण तेजपाल जमानत पर बाहर थे। इस फैसले के बाद अब उन्हें जेल जाना होगा।

देश के चर्चित पत्रकारों में है तरुण तेजपाल

भारत के सबसे प्रसिद्ध पत्रकारों में से एक तरुण तेजपाल ने देश के कुछ जाने-माने अख़बारों और पत्रिकाओं में दशकों काम करने बाद साल 2000 'तहलका' पत्रिका शुरू की थी। 'तहलका' ने बहुत कम वक़्त में बेहतरीन खोजी पत्रकारिता करने के लिए नाम कमाया और भारतीय पत्रकारिता की कुछ सबसे बड़ी खबरें ब्रेक कीं। तरुण तेजपाल को इस मामले में 30 नवंबर 2013 को गिरफ़्तार कर लिया गया था और सात महीने बाद जुलाई में जेल से रिहा कर दिया गया। वह अपने खिलाफ लगे आरोपों को खारिज कराने के लिए गोवा हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट गए लेकिन उस समय कामयाब नहीं हो सके हैं। अब उन्हें सजा सुनाई गई है।ह तरुण तेजपाल के खिलाफ एक पूर्व महिला सहयोगी ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। महिला ने कहा था कि 7-8 नवंबर 2013 को गोवा में तहलका पत्रिका के एक समारोह के दौरान होटल की लिफ्ट में तेजपाल ने उनका यौन उत्पीड़न किया। निचली अदालत द्वारा तेजपाल को बरी किए जाने के बाद गोवा सरकार ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने पिछले सप्ताह भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और तेजपाल के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता आबाद पोंडा की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस मामले में गोवा पुलिस की सीआईडी ने तरुण तेजपाल के खिलाफ 3000 पेज की चार्जशीट दाखिल की थी। तब तरुण तेजपाल ने सभी आरोपों से इनकार किया था और खुद को बेकसूर बताया था।

मुंबई में लाउड म्यूजिक को लेकर विवाद, चाकू से हमले में पिता-पुत्र की मौत, दो घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। विक्रोली पश्चिम इलाके में तेज म्यूजिक बजाने को लेकर हुए विवाद के चलते चाकू से हमला किए जाने की खबर सामने आई है. इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई. बताया जा रहा है कि चाकू से हुए हमले में 40 साल के सुनील विश्वकर्मा और उनके 14 साल के बेटे श्लोक की जान चली गई. गुरुवार को पार्कसाइट पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले राहुल नगर में यह वारदात हुई. बताया जा रहा है कि घटना के बाद सुनील विश्वकर्मा और उनके बेटे श्लोक विश्वकर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए और राजावाड़ी अस्पताल में इलाज के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया गया. सुनील की पत्नी अंजू विश्वकर्मा और छोटे बेटे विवान विश्वकर्मा को भी चाकू से चोटें आईं और उनका इलाज चल रहा है. शुरुआती जांच से पता चला है कि यह घटना

परिवार के सदस्यों के बीच तेज आवाज में संगीत बजाने पर आपत्ति जताने के बाद हुए झगड़े के कारण हुई. झगड़े के दौरान परिवार के कई लोगों पर लात-घूंसों और चाकू से हमला किया गया. पार्कसाइट पुलिस ने दो आरोपियों, सुरेंद्र विश्वकर्मा और सूरज विश्वकर्मा को हिरासत में लिया है. इस बीच घटनास्थल को सुरक्षित कर लिया गया है. फोरेंसिक जांच चल रही है और सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं. चल रही जांच के तहत घटना के मकसद और पूरे घटनाक्रम का पता लगाया जा रहा है.

स्वाइन फ्लू ने छीनी 3 दिन के अंदर दो मासूमों की जिंदगी, दिल्ली में बढ़ी चिंता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। स्वाइन फ्लू संक्रमण की वजह से तीन साल की एक बच्ची की मौत का मामला सामने आया है। बच्ची का इलाज BL हॉस्पिटल में चल रहा था। जांच रिपोर्ट में HvNv और इन्फ्लूएंजा ए की पुष्टि हुई थी। बुधवार सुबह बच्ची की मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि तीन दिन पहले ही बड़ी बेटी की मौत हुई थी, उसके लक्षण भी इसी तरह के थे। वहीं, स्वाइन फ्लू संक्रमण को लेकर दिल्ली के डॉक्टरों का कहना है कि इस समय स्वाइन फ्लू से सबसे ज्यादा बच्चे संक्रमित हो रहे हैं। हालांकि, पैनिक होने वाली बात नहीं है, आमतौर पर यह संक्रमण ठीक हो जाता है, लेकिन कई बार संक्रमण की वजह से निमोनिया और ब्रेन प्रभावित होने की स्थिति में जान जाने का खतरा रहता है। 229 मामले मिले थे पिछले साल दिल्ली में स्वाइन फ्लू के 3151 केस की पहचान हुई थी 2024 में स्वाइन फ्लू के 3627 केस और 31 मौत की पुष्टि हुई थी 2019 में दिल्ली में इससे दिल्ली पुलिस के जवान की 3 साल की बच्ची, यूं हुआ सब कुछ जानकारी के अनुसार,

सोनीपत में रहने वाले दिल्ली पुलिस के एक जवान की 3 साल की बच्ची का इलाज बीएलके हॉस्पिटल में चल रहा था। 3 अगस्त को उसके ब्रेन का MRI किया गया। रिपोर्ट में ब्रेन के कई हिस्सों में गंभीर संक्रमण और सूजन मिले। रिपोर्ट में एक्यूट नेक्रोटाइजिंग एन्सेफैलाइटिस की आशंका जताई गई थी। इसके बाद 4 अगस्त को बच्ची की माइक्रोबायोलॉजी जांच में HvNv यानी स्वाइन फ्लू और इन्फ्लूएंजा ए की पुष्टि हुई। बुधवार सुबह उसकी मौत हो गई। फोर्टिस हॉस्पिटल के पीडियाट्रिक डॉक्टर अरुण गुप्ता ने बताया कि नॉर्मल फ्लू तो 3-4 दिनों में ठीक हो जाता है, लेकिन स्वाइन फ्लू लंबा चलता है और इस समय के मौसम में गर्मी व उमस दोनों हैं, जो वायरस के एक्टिव होने और फैलने में मदद करता है। जब स्कूल जुलाई में खुलता है तो छोटे बच्चों में तेजी से संक्रमण फैलता है, इस बार भी ऐसा ही देखा जा रहा है। फीवर, नाक से पानी बहना, नाक बंद हो जाना, सर्दी और खांसी, सिर दर्द, थकान, पेट दर्द, कभी कभी उल्टी आना बीएलके हॉस्पिटल के अनुसार, 3 साल 11 महीने की बच्ची को 3 अगस्त की सुबह गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। जांच में इन्फ्लूएंजा, क्रमण की पुष्टि हुई, जबकि स्र्न्न्ह्र में Acute Necrotising Encephalopathy जैसी रियर जानलेवा न्यूरोलॉजिकल बीमारी के भी संकेत मिले। डॉक्टरों की मल्टी स्पेशलिस्ट टीम ने सभी प्रयास किए, लेकिन बच्ची की हालत लगातार बिगड़ती गई और 5 अगस्त सुबह 5:10 बजे उसकी मौत हो गई। अस्पताल ने मामले की सूचना निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों को दे दी है।

दिल्ली में बड़े बदलाव की तैयारी, तीन नए कानूनों से बदलेगी राजधानी की तस्वीर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सात अगस्त से शुरू होने वाले दिल्ली विधानसभा के मॉनसून सत्र में दिल्ली वालों के लिए सुरक्षा, राहत और बेहतर सेवा वाले तीन अलग-अलग विधेयक पेश किए जाएंगे। दिल्ली विधानसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमिटी की बैठक में तीन विधेयक पेश होने के साथ-साथ 2 सीएजी रिपोर्ट पेश करने पर भी फैसला हुआ है। सरकार जो तीन विधेयक ला रही है उसमें बेड एंड ब्रेकफास्ट योजना को खत्म करना, दिल्ली में 2025 तक बनीं झुग्गियों को राहत देते हुए उसके पुनर्वास का विधेयक और टाइमली राइट टु टाइम बाउंड डिलिवरी सर्विसिज बिल-2026 शामिल हैं।   खत्म होगी बेड एंड ब्रेकफास्ट योजन रकार बेड एंड ब्रेकफास्ट योजना खत्म करने जा रही है। कॉमनवेल्थ गेम्स के चलते 2010 में शुरू की गई इस योजना को अब सरकार विधानसभा के मॉनसून सत्र में विधेयक लाकर खत्म कर रही है। सरकार ने यह फैसला मालवीय नगर में बेड एंड ब्रेकफास्ट योजना के तहत लाइसेंस लेकर चल रहे होटल में लगी आग में 23 लोगों की मौत से सबक लेने के बाद लिया था। सरकार का कहन है कि इस योजना में कई कमियां हैं, इसलिए इसे बंद किया जा रहा है। राजधानी में कुल अभी 750 लाइसेंस इसके तहत जारी हैं। सूत्रों की मानें तो सरकार बेड एंड ब्रेकफास्ट योजना की तर्ज पर नई स्कीम लेकर आएगी। हालांकि, इसपर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। सरकार भी इसकी जगह आने वाली स्कीम पर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं बोल रही है। सरकार विधानसभा में झुग्गी झोपड़ी (जेजे) पुनर्वास के लिए 'दिल्ली स्लम एवं झुग्गी झोपड़ी पुनर्वास एवं पुनस्थापना नीति-2026' पर विधेयक लाएगी। इसके तहत, 1 जनवरी 2025 तक बनीं सभी झुग्गी बस्तियों में रहने वालों को बहुमंजिला आवासीय फ्लैटों में बसाया जाना है। इस योजना का लक्ष्य करीब 4 लाख से अधिक परिवारों को फायदा होगा। शहरी विकास विभाग की ओर लाए जा रहे इस विधेयक को दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड द्वारा पहले मंजूरी दी जा चुकी है। वर्तमान में झुग्गियों के पुनर्वास की कट ऑफ तारीख 1 जनवरी 2015 है, जिसे बढ़ाकर जनवरी 2025 किया जा रहा है। इस नीति में पीपीपी मॉडल पर कॉलोनियों का मल्टी स्टोरी हाउसिंग को विकसित किया जाएगा। उसकी खाली जगहों पर व्यावसायिक गतिविधियां होंगी।

एकनाथ शिंदे ने दिया सिद्धिविनायक मंदिर में घोटाले की जांच का आदेश, नकद दान और गहनों का होगा स्पेशल ऑडिट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अयोध्या स्थित श्री राम मंदिर के बाद मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में चोरी का मामला गरमा गया है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सिद्धिविनायक मंदिर में घोटाले की जांच का आदेश दिया है। एकनाथ शिंदे ने मंदिर में पिछले 5 वर्षों के दौरान प्राप्त नकद दान, स्वर्ण आभूषणों, गहनों और अन्य मूल्यवान वस्तुओं के विशेष ऑडिट के आदेश दिए हैं। इस जांच की जिम्मेदार राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव असीम गुप्ता को सौंपी गई है। विशेष ऑडिट के जरिए मंदिर के वित्तीय रेकॉर्ड, दान, आभूषणों के रखरखाव और संपत्ति की जांच की जाएगी। ंगलवार को मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सदा सरवणकर ने एकनाथ शिंदे से मुलाकात की थी। नगर विकास विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि स्पेशल ऑडिट की रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। मामले को लेकर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे काफी गंभीर हैं। यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता, गड़बड़ी या आर्थिक घोटाला सामने आता है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अधिकारी ने बताया उपमुख्यमंत्री पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर तथ्यों को सामने लाना चाहते हैं।

आईएएस अधिकारी असीम गुप्ता को पूरे मामले की जांच

बता दें कि सिद्धिविनायक मंदिर में हर साल 18 करोड़ रूपये के घोटाले का आरोप मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने लगाया था। उन्होंने कहा था कि सिद्धिविनायक मंदिर में हर साल 18 करोड़ रुपये की चोरी हो रही है। इस दौरान उन्होंने कहा कि अयोध्या के श्री राम राम मंदिर में 1400 करोड़ रुपये की चोरी हुई है। इसके बाद राजनीतिक आरोप - प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। राज ठाकरे के आरोप पर सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सदा सरवणकर ने सफाई देते हुए कहा था कि राज ठाकरे ने अधूरी जानकारी दी है। मंदिर ट्रस्ट का अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद हमने पाया कि स्थाई और संविदाकर्मी मंदिर में दर्शन के लिए भक्तों से ऑनलाइन और अन्य विभिन्न माध्यमों से पैसे ले रहे थे। उसके बाद 19 कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। बाहरी एजेंट और स्टॉल मालिकों के हस्तक्षेप को रोका गया। यहां तक कि मंदिर के पुजारियों को मिलने वाले दान भी दान पेटी में डाला जाता है।

सनातन संस्था की श्रीमती अंशु संत को श्रीहाटकेश्वर महादेव मंदिर सेवा ट्रस्ट ने 'सर्टिफिकेट ऑफ़ एप्रिसिएशन' से सम्मानित किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा. शहर के मुझमहुडा इलाके में विश्वामित्री ब्रिज के पास मौजूद श्रीहाटकेश्वर महादेव मंदिर सेवा ट्रस्ट ने पिछले रविवार, 2 अगस्त, 2026 को एक प्रेरणा देने वाला सेशन रखा। जिसमें सनातन संस्था की श्रीमती अंशु संत को उनके बेहतरीन सामाजिक और आध्यात्मिक योगदान के लिए ट्रस्ट ने खास सम्मान दिया। ट्रस्ट का न्योता स्वीकार करते हुए, श्रीमती अंशु संत ने श्रीहाटकेश्वर मंदिर में मौजूद बच्चों से बातचीत की। उन्होंने 'सनातन धर्म और संस्कार' टॉपिक पर सही गाइडेंस दी और अपने अनुभवों का निचोड़ बच्चों के सामने रखा। 'आज के बच्चे कल के भारत के निर्माता हैं' इस कहावत को सच करते हुए, उन्होंने बच्चों में ऊंचे संस्कार और वैल्यूज़ डालने और भारतीय संस्कृति को सामने लाने का शानदार काम किया। इस सनातन संस्था के काम के लिए, जिसका मकसद समाज को धार्मिक शिक्षा देना और आध्यात्मिकता को बढ़ावा देना है, ट्रस्टी श्री विभव मेहता ने श्रीमती अंशु संत को एक खास सर्टिफिकेट ऑफ़ एप्रिसिएशन दिया और श्री हाटकेश दादा की कृपा से उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

युग पुरुष गणेश प्रसाद जी वर्णी जीवन स्मृति 'युगदृष्ट्रा' स्मारिका विमोचन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सागर युग पुरुष गणेश प्रसाद जी वर्णी की जीवन स्मृतियों पर वर्णी विकास सभा एवं जनकल्याण समिति सागर द्वारा प्रकाशित 'युगदृष्ट्रा' का विमोचन कार्यक्रम, देश में चातुर्मास कर रहें मुनि-आर्यिकाओं के मंगल सान्निध्य अनेक स्थानों पर हुआ। पूज्य वर्णी जी द्वारा 100 से ज्यादा विद्यालय महाविद्यालय की स्थापना की, सागर में श्री दिगंबर जैन संस्कृत महाविद्यालय मोरा जी वर्णी जी द्वारा स्थापित है वाराणसी, साढूमल,ललितपुर, मडावरा बरुआसागर, द्रोणगिरी ईसरी झारखंड आदि अनेक स्थानों पर आज भी धर्म प्रभावना कर रहे हैं। वर्णी की जन्मस्थली हंसेरा मड़ावरा उत्तर प्रदेश में वर्णी विकास सभा द्वारा एक स्मारक बनाया गया, जिसमें वर्तमान में संस्कार पाठशाला नियमित रूप से चल रही हैं। सागर में आचार्य विभव सागर जी, निर्यापक मुनि श्री अभय सागर जी, मुनि श्री पदम सागर जी, मुनि श्री शाश्वत सागर जी महाराज के मंगल सान्निध्य में,स्मारिका विमोचन कार्यक्रम संपन्न हुआ। पत्रिका संयोजन का कार्य संस्था के मुख्य संयोजक चंद्रेश शास्त्री भोपाल एवं प्रकाशक भूमिका राष्ट्रीय उपाध्यक्ष त्रिलोक शास्त्री बड़ागांव बागपत की रही। राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. जयंत जैन शास्त्री सीकर राज.ने कहा कि स्मारिका, वर्णी जी द्वारा किए गए कार्यों का बोध कराती हैं। राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश जैन टीला द्वारा स्मारिका देश मे चातुर्मास कर रहें, मुनि- आर्यिकाओं के संघ में भेजने का कार्य कर रहे हैं।

बिड़ला स्टूडियोज़ और नीलम स्टूडियोज़ ने अपनी अगली फ़िल्म 'मक्कल कवलन' की घोषणा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बाइसन कलामदन की थिएटर में ज़बरदस्त सफलता के बाद, बिड़ला स्टूडियोज़ और नीलम स्टूडियोज़ ने अपनी क्रिएटिव पार्टनरशिप से अपनी अगली फ़िल्म 'मक्कल कवलन' की घोषणा की है। मक्कल कवलन एक एक्शन-ड्रामा फ़िल्म है जो बिड़ला स्टूडियोज़ की बड़े पर्दे की चाहत और नीलम स्टूडियोज़ की इमोशनल, समाज से जुड़ी और पूरी तरह से सिनेमाई कहानियाँ दिखाने की सोच को एक साथ लाती है।यह फ़िल्म के. मणिकंदन की भी अगली फ़िल्म है। गुड नाइट, लवर और कुदुम्बस्थान जैसी कमर्शियली सफल फ़िल्मों के बाद, मणिकंदन ने खुद को तमिल सिनेमा के सबसे भरोसेमंद और पॉपुलर लीड एक्टर्स में से एक के तौर पर स्थापित किया है। मक्कल कवलन के साथ, वह पहली बार किसी एक्शन-ड्रामा फ़िल्म में लीड रोल में नज़र आएंगे। संतोष कुमार द्वारा लिखी और डायरेक्ट की गई, मक्कल कवलन एक आम आदमी की कहानी है जो बस इज़्ज़त से ज़िंदगी जीना चाहता है। लेकिन जब करप्ट सिस्टम उसके पास सिर्फ़ दो ऑप्शन छोड़ता है–झुकना या लड़ना–तो उसकी ज़िंदगी पूरी तरह बदल जाती है। अपने ज़िंदा रहने की उसकी लड़ाई धीरे-धीरे एक बड़े मास मूवमेंट में बदल जाती है और वह एक ऐसे लीडर के तौर पर उभरता है जो कभी लीडर बनना नहीं चाहता था। जैसे-जैसे संघर्ष तेज़ होता जाता है, उसकी वैल्यू भी बढ़ती जाती है और एक आम आदमी और लोगों के रक्षक के बीच का फ़र्क धीरे-धीरे मिटता जाता है। फ़िल्म में के. मणिकंदन लीड रोल में हैं। उनके साथ चंद्रशेखर, ए. वेंकटेश, आर.के. विजयमुरुगन, शनमुगम मुथुसामी, सबुमोन, उन्नी माया, दिव्या श्रीपदा, जेनसेन धीवाकर, लल्लू, जेमिनी मणि और रघु भी अहम रोल में दिखेंगे। फ़िल्म की सिनेमैटोग्राफ़ी प्रदीपन सेल्वरत्नम ने की है, एडिटिंग अरुल मोसेस ने की है, प्रोडक्शन डिज़ाइन पप्पनडू सी. उथयकुमार ने किया है, स्टंट डॉन अशोक ने किया है, साउंड डिज़ाइन एंथनी जयारुबन ने किया है, कॉस्ट्यूम डिज़ाइन सुरेश कुमार ने किया है और मेकअप रामचंद्रन ने किया है।

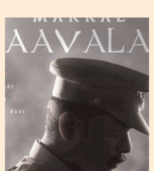

ई-20 पेट्रोल पर केंद्र कांग्रेस के निशाने पर, जल संकट और खाद्य सुरक्षा की अनदेखी का आरोप

–जयराम रमेश बोले– पर्यावरण संरक्षण नहीं, जल्दबाजी में लागू की जा रही है ई–20 नीति

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस ने केंद्र सरकार की ई-20 (20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल) नीति को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि इसे जल्दबाजी में पूरे देश में लागू किया जा रहा है, जबकि इसके जल संसाधनों और खाद्य सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभावों की समुचित समीक्षा नहीं की गई है। पार्टी ने दावा किया कि सरकार पर्यावरण संरक्षण के नाम पर ऐसी नीति को बढ़ावा दे रही है, जिसके दूरगामी दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बुधवार को कहा कि किसी भी वैकल्पिक ईंधन की पर्यावरणीय उपयोगिता का आंकलन केवल कार्बन उत्सर्जन के आधार पर नहीं किया जा सकता, बल्कि उसके उत्पादन में लगने वाले प्राकृतिक संसाधनों, विशेषकर जल और कृषि भूमि पर पड़ने वाले प्रभावों को भी ध्यान में रखना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि भारत में एथनॉल का उत्पादन मुख्य रूप से गन्ना, धान और मक्का जैसी अधिक पानी की खपत वाली फसलों से किया जाता है, जबकि कई अन्य देशों में कृषि अवशेषों और जैविक अपशिष्ट से एथनॉल तैयार किया जाता है। रमेश के अनुसार, गन्ना और धान देश के कुल सिंचाई जल का लगभग 70 प्रतिशत उपयोग करते हैं। उन्होंने दावा किया कि एक लीटर एथनॉल उत्पादन के लिए गन्ने से लगभग 3,630 लीटर, चावल से 10,790 लीटर और मक्के से करीब 4,670 लीटर पानी की आवश्यकता होती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि ऐसे समय में, जब देश के अनेक हिस्सों में भूजल स्तर लगातार गिर रहा है, एथनॉल उत्पादन के लिए जल-गहन फसलों पर निर्भरता चिंता का विषय है। उन्होंने याद दिलाया कि नीति आयोग के वर्ष 2021 के एथनॉल संबंधी मार्गदर्शी दस्तावेज में अधिक टिकाऊ कच्चे माल के उपयोग की आवश्यकता स्वीकार की गई थी।

रमेश ने आरोप लगाया कि इसके बावजूद केंद्र सरकार एथनॉल उत्पादन के लिए चावल के उपयोग को प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने संसद में स्वीकार किया है कि एथनॉल इकाइयों को औसत खरीद मूल्य से लगभग 40 प्रतिशत कम कीमत पर चावल उपलब्ध कराया जा रहा है। कांग्रेस ने कहा कि वास्तविक पर्यावरण हितैषी ईंधन नीति वही होगी, जो ईंधन उत्पादन के समग्र पर्यावरणीय प्रभाव, जल संसाधनों और खाद्य सुरक्षा पर पड़ने वाले असर का संतुलित आकलन करे। पार्टी ने आरोप लगाया कि ई-20 को बढ़ावा देने के पीछे पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि अन्य प्राथमिकताएं काम कर रही हैं। वहीं, इस संबंध में केंद्र सरकार की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

आगामी विधानसभा में कांग्रेस ने मैदान में उतारा तो सीएम मान के खिलाफ लड़ूंगा चुनाव : वड़िंग

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि अगर वह अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव लड़ते हैं तो वह राज्य के सीएम भगवंत मान के खिलाफ चुनाव लड़ना चाहेंगे। वड़िंग ने फरीदकोट में एक कार्यक्रम में पार्टी के एक नेता के उस सुझाव को खारिज कर दिया कि उन्हें शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के खिलाफ चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि अकाली नेता पहले ही ज्यादा सक्रिय नहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लुधियाना से सांसद वड़िंग ने कहा कि कौन कहां से चुनाव लड़ेगा, इसका फैसला पार्टी आलाकमान करेगा, लेकिन अगर उन्हें चुनाव मैदान में उतरने के लिए कहा गया तो वह सीएम मान का मुकाबला करना चाहेंगे। वड़िंग ने कहा कि मैं मान के खिलाफ चुनाव लड़ूंगा...।'' वड़िंग इससे पहले मुक्तसर जिले की गिद्दड़बाहा विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। सीएम मान वर्तमान में संगरूर जिले की धुरी विधानसभा सीट से चुनाव लड़े थे और विधायक बने। वड़िंग की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब पूर्व सीएम और जालंधर से वर्तमान सांसद चरणजीत सिंह चन्नी के नेतृत्व में पार्टी नेताओं के एक वर्ग ने उन्हें कांग्रेस की पंजाब इकाई का अध्यक्ष बनाए रखने के आलाकमान के फैसले का विरोध करते हुए पद से हटाने की मांग की है। वड़िंग ने एक अन्य कार्यक्रम 'हर बूथ, कांग्रेस मजबूत' में लोगों से पंजाब की मान सरकार को सत्ता से उखाड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मान पंजाब के अब तक के सबसे खराब सीएम साबित हुए हैं। वड़िंग ने राज्य में कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि गैंगस्टर संस्कृति और अराजकता चरम पर है और नशे की समस्या ने भयावह रूप ले लिया है।

केजरीवाल का नारा- बीजेपी भगाओ, गाड़ी बचाओ

ई-20 नीति के खिलाफ आप ने खोला मोर्चा और कहा- वाहनों को हो रहा नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार की ई-20 पेट्रोल नीति को लेकर एक बार फिर भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए नया राजनीतिक नारा दिया– बीजेपी भगाओ, गाड़ी बचाओ। यह नारा और टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जबकि आम आदमी पार्टी देशभर में ई-20 ईंधन नीति के विरोध में अभियान चला रही है।

पूर्व सीएम केजरीवाल का आरोप है कि ई-20 पेट्रोल के इस्तेमाल से वाहनों का माइलेज कम हो रहा है और इंजन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने मांग की कि पेट्रोल पंपों पर उपभोक्ताओं को ई-20 के साथ-साथ शुद्ध पेट्रोल अथवा अन्य ईंधन विकल्प उपलब्ध कराए जाएं, ताकि वाहन मालिक अपनी आवश्यकता के अनुसार ईंधन का चयन कर सकें।

ई-20 नीति के विरोध में आम आदमी पार्टी पिछले कुछ दिनों से लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री आवास तक मार्च का नेतृत्व भी किया था। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने मार्च को बीच रास्ते में रोक दिया, जिसके बाद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फिरोजशाह रोड पर धरना दिया था। आप का दावा है कि उसने ई-20 नीति के विरोध में लाखों लोगों के हस्ताक्षर भी एकत्र किए हैं। उधर, भारतीय जनता पार्टी ने केजरीवाल के आरोपों को खारिज करते हुए इसे राजनीतिक अभियान बताया है। भाजपा का कहना है कि ई-20 पेट्रोल से वाहनों को नुकसान पहुंचने के दावों की पुष्टि किसी मान्यता प्राप्त वैज्ञानिक अध्ययन या आधिकारिक रिपोर्ट से नहीं हुई है। पार्टी का आरोप है कि विपक्ष बिना ठोस साक्ष्यों के लोगों के बीच भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहा है।

राम मंदिर दान मामले की जांच तेज, पुराने लेजर की हो रही पड़ताल

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर में दान से जुड़ी कथित चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के मामले की जांच लगातार आगे बढ़ रही है। जांच एजेंसियों ने अब मंदिर के पुराने लेजर और वित्तीय रिकॉर्ड की गहन जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का मानना है कि वर्षों से दर्ज चढ़ावे का पूरा लेखा-जोखा इन दस्तावेजों में मौजूद है और इन्हीं के आधार पर यह स्पष्ट हो सकेगा कि रिकॉर्ड में दर्ज रकम और वास्तविक जमा राशि के बीच कोई अंतर है या नहीं। मामले की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) की निगरानी में चल रही है, जबकि विवेचना का जिम्मा सीओ अयोध्या संभाल रहे हैं।

जांच के दौरान अब तक ट्रस्ट के पदाधिकारियों, मंदिर कर्मचारियों और बैंककर्मियों सहित 100 से अधिक लोगों को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया जा चुका है।

कई लोगों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं, जबकि आवश्यकता पड़ने पर कुछ लोगों को दोबारा भी तलब किया जा सकता है। जांच एजेंसियों का कहना है कि पूरे मामले की हर कड़ी को जोड़ने के लिए दस्तावेजों और बयानों का सावधानीपूर्वक मिलान किया जा रहा है। जांच का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा अब पुराने लेजर रिकॉर्ड बन गए हैं। इन दस्तावेजों में अलग-अलग तारीखों पर प्राप्त दान की राशि, उसके लेखांकन और जमा किए गए धन का पूरा विवरण दर्ज है। अधिकारी प्रत्येक पन्ने की बारीकी से जांच कर रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि किसी तारीख पर दर्ज दान और बैंक में जमा रकम के बीच कोई विसंगति तो नहीं है। यदि कहीं कोई अंतर मिलता है तो उसे कथित वित्तीय अनियमितताओं के संभावित साक्ष्य के रूप में देखा जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, लेजर में दर्ज प्रविष्टियों का बैंक रिकॉर्ड और अन्य वित्तीय दस्तावेजों से मिलान किया जा रहा है। जिन प्रविष्टियों पर संदेह है, उनसे जुड़े कर्मचारियों और संबंधित लोगों से अलग-अलग पूछताछ की जा रही है। जांच अधिकारी नियमित रूप से मंदिर पहुंचकर रिकॉर्ड का निरीक्षण कर रहे हैं और उपलब्ध दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। उनका प्रयास है कि पूरे वित्तीय लेनदेन की श्रृंखला को क्रमवार समझा जाए और यदि कहीं गड़बड़ी हुई है तो उसकी पुष्टि की जा सके। जांच एजेंसियों का कहना है कि फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। दस्तावेजों, बैंक रिकॉर्ड और संबंधित लोगों के बयानों का मिलान पूरा होने के बाद ही जांच की दिशा और आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या वर्षों से दर्ज लेजर रिकॉर्ड पूरी तरह सही हैं या उनमें ऐसी विसंगतियां मौजूद हैं जो कथित वित्तीय अनियमितताओं की ओर संकेत करती हैं। इसी पहलू को केंद्र में रखकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

डांगावास हत्याकांड के सभी 40 आरोपी बरी, 11 साल बाद आया फैसला चिंताजनक : गहलोत

जयपुर (एजेंसी)।, राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने नागौर डांगावास हत्याकांड में कोर्ट के फैसले को बेहद चिंताजनक बताया है। उन्होंने कहा कि 11 साल की लंबी कानूनी लड़ाई के बावजूद इंसाफ नहीं मिलना जांच और अभियोजन की गंभीर खामियों की ओर इशारा करता है। उल्लेखनीय है कि नागौर जिले के विशिष्ट न्यायालय ने डांगावास हत्याकांड के सभी 40 आरोपियों को बरी कर दिया है। बता दें साल 2015 में इस हत्याकांड में जमीन विवाद को लेकर पांच दलितों की हत्या कर दी गई थी। गहलोत ने कहा कि नागौर के डांगावास हत्याकांड में 11 साल बाद आया फैसला बेहद चिंताजनक है। 2015 में जमीन विवाद में पांच दलितों समेत छह लोगों की निर्मम हत्या हुई थी और अब एससी–एसटी विशेष कोर्ट ने सभी 40 आरोपियों को संदेह का लाभ देकर बरी कर दिया। पीड़ित परिवारों का सवाल जायज है, अगर 40 आरोपी बरी हो गए तो इन छह लोगों की हत्या आखिर किसने की?

गहलोत ने कहा कि 11 साल की लंबी कानूनी लड़ाई, सीबीआई से जांच और सुनवाई के बावजूद इंसाफ नहीं मिलना जांच और अभियोजन की गंभीर खामियों की ओर इशारा करता है। उन्होंने राज्य की बीजेपी सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार के शासन में 11 साल पहले ऐसी घटना होना और अब उन्हीं के शासन में प्रतिकूल फैसला आना यह दिखाता है कि बीजेपी न्याय के पक्ष में नहीं है। दलित समाज के साथ हुए इस अन्याय में जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा दलित समाज के सम्मान और अधिकारों के लिए खड़ी रही है। पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए इस फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील की प्रक्रिया मजबूती से आगे बढ़नी चाहिए, राज्य सरकार को इसमें सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

संसद परिसर में विपक्ष ने फिर किया प्रदर्शन, शाह से सदन में जवाब देने की मांग

राम मंदिर चढ़ावा चोरी, छात्रों पर पुलिस कार्रवाई समेत अन्य मुद्दों को लेकर जारी है गतिरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के दौरान गुरुवार को भी विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद परिसर में केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्षी सांसदों ने संसद भवन परिसर से मकर द्वार तक मार्च निकाला। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सदन में आकर बयान देने के साथ ही विभिन्न विवादित मुद्दों पर जवाब देने की मांग की गई।

विरोध प्रदर्शन व मार्च निकाल रहे विपक्षी सांसद हाथों में बैनर और तख्तियां लिए हुए थे। उन्होंने राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी, जंतर मंतर और संसद तक मार्च के दौरान प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिसबल की कार्रवाई तथा जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। विपक्ष का आरोप है कि सरकार इन गंभीर मुद्दों पर चर्चा और जवाबदेही से बच रही है, जबकि संसद जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करने का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है।

बारिश के बावजूद निकाला विरोध मार्च

दिल्ली में गुरुवार सुबह से हो रही बारिश के बावजूद सांसद छाते लेकर विरोध मार्च में शामिल हुए। प्रतिकूल मौसम होने के बाद भी प्रदर्शन जारी रखकर विपक्ष ने सरकार पर दबाव बनाने की भरसक कोशिश की है। प्रदर्शन के दौरान कई विपक्षी नेताओं ने सरकार से संसद में विस्तृत चर्चा कराने और संबंधित मुद्दों पर स्पष्ट जवाब देने की मांग दोहराई। मानसून सत्र के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच लगातार बढ़ते टकराव का असर सदन की कार्यवाही पर भी दिखाई दे रहा है। विपक्ष का कहना है कि जब तक सरकार इन मुद्दों पर सदन में जवाब नहीं देती, तब तक उसका विरोध जारी रहेगा।

खड़गे बोले- पीएम और शाह संसद का अपमान कर रहे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि विपक्ष की मांग बिल्कुल स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सदन में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें। उन्होंने कहा, हमारी मांग है कि प्रधानमंत्री मोदी जी और गृह मंत्री अमित शाह सदन में आएं, अपना बयान दें। हम चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। चर्चा से ही समाधान निकलेगा। संसद का सत्र शुरू हुए कई दिन हो चुके हैं, लेकिन उनका सदन में न आना संसद का अपमान है। खड़गे ने आरोप लगाया कि विपक्ष लगातार महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा चाहता है, लेकिन सरकार इस पर सहमत नहीं हो रही है। उनका कहना था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद के भीतर संवाद और बहस ही समस्याओं के समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है।

परीक्षा गड़बड़ी मामले को लेकर आंदोलनकारी छात्र सरकार से बातचीत को तैयार

-छात्रों ने रखी शर्त-सीएम खुद करें बात और कम से कम दो मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहें

रांची (एजेंसी)। झारखंड में पीएससी समेत अन्य भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर छात्रों का रांची में आंदोलन जारी है। वे सरकार से बातचीत को तैयार हो गए हैं। उन्होंने शर्त रखी कि सीएम हेमंत सोरेन खुद बात करें और उस दौरान कम दो मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहें। छात्र नेता रविंद्र पासवान ने कहा कि बुधवार को सरकार का प्रस्ताव लेकर आए एसडीओ ने छात्र प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के नाम मांगे हैं। इसके बाद बैठक की तारीख और समय तय होगा।

छात्रों का आरोप है कि सरकार सिर्फ पांच सदस्यीय टीम बुलाकर आंदोलन को कमजोर करना चाहती है। रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्रों का धरना 13वें दिन भी जारी है। देवेंद्र नाथ महतो समेत 6 छात्र अनशन पर हैं। वे मामले में सीबीआई-ईडी जांच की मांग कर रहे हैं। वहीं सीआईडी ने बुधवार देर रात पांच और आरोपियों को गिरफ्तार किया। अब तक 19 लोग पकड़े जा चुके हैं। 2 जुलाई को झारखंड लोक सेवा आयोग ने 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट जारी किया था। इसमें 2,204 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा के लिए चुने गए। इसके बाद 18 से 20 जुलाई के बीच मेंस परीक्षा होनी थी। रिजल्ट आने के बाद कई उम्मीदवारों ने गड़बड़ी के आरोप लगाए। उनका कहना था कि कट-ऑफ जारी नहीं की गई। इसी दौरान सोशल मीडिया पर एक उम्मीदवार की ओएमआर शीट वायरल हुई। दावा किया गया है कि उसने सिर्फ 48 सवाल हल किए, फिर भी वह मेंस के लिए चुन लिया गया। वहीं, रिजल्ट पर आयोग के अधिकारियों के हस्ताक्षर नहीं होने को लेकर भी सवाल उठे। विवाद बढ़ने के बाद जेपीएससी ने मेंस परीक्षा रद्द कर दी।

गुरुवार से राया रोड पर रामेश्वर महादेव मंदिर में पूरे महीने धार्मिक कार्यक्रम होंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। रामेश्वर महादेव मंदिर कमेटी, जीवननगर विकास समिति, वार्ड नंबर 10 जागरू नागरिक मंडल, महिला सत्संग मंडल और मंदिर मैनेजमेंट बोर्ड मिलकर अगली तारीख को एक खास कार्यक्रम करेंगे। गुरुवार, 13 अगस्त से पूरे श्रावण महीने में रामेश्वर महादेव मंदिर में अलग-अलग धार्मिक कार्यक्रम मनाए जाएंगे। सुबह से रात तक मंदिर में शिव पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक, महाआरती, दीपमाला और सत्संग मंडल ने भजन-धुन का आयोजन किया है। भक्तों को समझाकर शिव को चढ़ाया गया दूध इकट्ठा किया जाएगा और दोपहर में बचा हुआ दूध जरूरतमंद बस्तियों में दिया जाएगा। दूध बर्बाद नहीं होगा। मंदिर में किसी भी तरह का कोई चंदा नहीं दिया जाएगा। दूध से लगातार अभिषेक पर रोक लगा दी गई है। हर दिन दोपहर 1 बजे तक अभिषेक, जलाभिषेक, रुद्री, पूजा-पाठ वगैरह का समय तय किया गया है। श्रावण महीने के पूरे धार्मिक कार्यक्रमों की जिम्मेदारी मंदिर के को-मैनेजर सुनीताबेन व्यास, विनोदराय भट्ट और विजयभाई जोबनपुत्र को सौंपी गई है। उनके साथ शोभनाबेन भनवाडिया, हर्षाबेन पंड्या, नेहाबेन मेहता, जिगीसाबेन रावल, कीर्तिबेन कगथरा, भारतीबेन गंगदेव, भक्तिबेन खाखर, आशाबेन मजेठिया, योगिताबेन जोबनपुत्रा के अलावा कमेटी के सदस्य विवेकभाई रावल, पार्थ गोहेल, पुजारी प्रवीणभाई जोशी आदि को मंदिर की सजावट, डेकोरेशन, लाइटिंग, हिंडोले, हर सोमवार शिव की विशेष पूजा-महाआरती, दीपमाला और कमल पूजा के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। महादेवधाम को हर रात बिजली की रोशनी से सजाया जाएगा। मंदिर के सह प्रबंधक सुनीताबेन व्यास, विनोदराय भट्ट एवं विजयभाई जोबनपुत्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि 15/8 शनिवार को स्वतंत्रता दिवस एवं ध्वजारोहण समारोह प्रातः 9 बजे मंदिर प्रांगण में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अलावा, दिनांक 23/8 रविवार पुत्रदा एकादशी, दिनांक 28/8 शुक्रवार को सुबह 10 बजे सामूहिक रक्षा बंधन उत्सव मनाया जाएगा, दिनांक 31/8 सोमवार को फुलकाजली व्रत एवं संकट चतुर्थी पूजा मंदिर के पुजारी द्वारा संपन्न कराई जाएगी, दिनांक 1/9 मंगलवार को नाग पंचमी, दिनांक 2/9 बुधवार को रचनान छठ, दिनांक 3/9 गुरुवार को शीतला सतम, दिनांक 4/9 शुक्रवार को जन्माष्टमी उत्सव मनाया जाएगा, दिनभर धार्मिक कार्यक्रमों के अलावा मध्यरात्रि 12-00 बजे जन्माष्टमी उत्सव मनाया जाएगा, दिनांक 7/9 सोमवार को अजा एकादशी एवं दिनांक 10/9 गुरुवार को अमासा एवं तिथि शनिवार, 12/9 को त्योहार है। रविवार, 13/9 से नवरात्रि त्योहार के लिए गरबी की प्रैक्टिस शाम 6-00 बजे से शुरू होगी। मंदिर कमिटी की सुनीताबेन व्यास, शोभनाबेन भनवडिया और आशाबेन मजेठिया ने पटांगण में रेगुलर सफाई और सैनिटाइजेशन कैंपेन के तहत कैंपेन को फैलाने और इसे गली-गली लागू करने का काम किया है। सत्संग मंडल ने हर शाम 5:30 बजे से आरती तक भजन-धुन-कीर्तन का आयोजन किया है। राजकोट रैया रोड, ब्रह्म समाज के पास, अनिल ज्ञान मंदिर स्कूल के पीछे, महादेवधाम में श्रावण महीने में जीवननगर, ज्ञान जीवन, देशलदेव पारा, अमी पार्क, ब्रह्म समाज, तिरुपति नगर, सौराष्ट्र कला केंद्र, जीवनज्योत, रावलनगर, अमृता सोसायटी, शिवपारा में पूजा-पाठ, अभिषेक, धार्मिक प्रोग्राम होते हैं, आस-पास के इलाकों के लोग हर दिन मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (शुक्रवार)
07 अगस्त 2026

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 373, निफ्टी 11अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते की उम्मीदों से भी बाजार में निवेशक लौटे हैं। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स कारोबार के अंत में करीब 373.76 अंक बढ़कर 78,954.76 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 11.35 अंक ऊपर आकर 24,636 के स्तर पर पहुंचा। आज कुल मिलाकर करीब 2,023 शेयरों में बढ़त रही जबकि 2,058 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं 200 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो आज ऑटो, मेटल, रियल्टी और मीडिया शेयरों में भारी बिकवाली रही।

निफ्टी में आज रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई, भारत इलेक्ट्रानिक्स, इटरनल और टाइटन के शेयरों में तेजी रही। वहीं दूसरी ओर पावर ग्रिड कारपोरेशन , टाट स्टाली, टीसीएस , जेएस

डब्ल्यू व बजाज ऑटो के शेयरों में गिरावट रही। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में मिला-जुला कारोबार रहा। ब्रॉडर बाजार की बात करें तो उसमें मिश्रित रुख रहा। निफ्टी मिडकैप में गिरावट रही। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप में बढ़त रही।

इससे साफ है कि बाजार में निवेशकों का रुझान एक जैसा नहीं रहा ।सेक्टर के हिसाब से देखें तो निफ्टी पीएसयू बैक के शेयर उछले। निफ्टी मीडिया में गिरावट दर्ज की गयी।

सोना 557 रुपए बढ़कर 149050, चांदी 227625 प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के भाव में बुधवार को जबरदस्त उछाल के बाद गुरुवार को भी तेजी का सिलसिला जारी रहा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना 557 रुपये चढ़कर 149050 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए उच्च स्तर पर कारोबार कर रहा है, जो जून-जुलाई के बाद का उच्चतम स्तर है। चांदी की कीमतों में भी मामूली बढ़त दर्ज की गई है। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भी कीमती धातुओं को मजबूती मिली है, जिससे घरेलू बाजार पर सकारात्मक असर पड़ रहा है। एमसीएक्स पर, सोना 557 रुपये बढ़कर 149050 पर पहुंच गया है, जो जून-जुलाई के बाद का सबसे उच्च स्तर है। चांदी भी हल्की बढ़त के साथ 227625 पर कारोबार कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार, कॉमैक्स पर सोने का भाव 0.41 फीसदी की बढ़त के साथ 4321 डॉलर प्रति औंस पर है, जबकि चांदी 0.08 फीसदी उछलकर 62.325 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है। विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव में वृद्धि, अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने और ब्याज दरों को लेकर बदलती उम्मीदों ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश के रूप में सोने-चांदी की ओर मोड़ा है। इसके अलावा, होर्मुज को फिर से खोलने पर बातचीत में प्रगति से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है, जिससे महंगाई का दबाव कम होने की उम्मीद है। यह स्थिति ब्याज दरों पर दबाव घटा सकती है, जिससे सोने और चांदी जैसे कीमती मेटल्स को फायदा मिल रहा है। अगर आप आज सोने के गहने खरीदने का मन बना रहे हैं, तो दिल्ली में 22 कैरेट सोने की कीमत 13,740 रुपये प्रति ग्राम है। एक अनुमान के अनुसार, 5 ग्राम की झुमकी पर 12 फीसदी मेकिंग चार्ज और 3 जीएसटी सहित आपको कुल लगभग 79,252 रुपये चुकाने होंगे। वहीं, 10 ग्राम 22 कैरेट सोने का गहना खरीदने पर कुल कीमत 1,58,505 रुपये होगी। मुंबई में, 22 कैरेट सोना 13,725 रुपये प्रति ग्राम मिल रहा है, जहां 5 ग्राम के गहने के लिए लगभग 79,166 रुपये चुकाने होंगे, जिसमें मेकिंग चार्ज और जीएसटी शामिल है। चांदी के भाव की बात करें तो दिल्ली और मुंबई दोनों में यह 240 रुपये प्रति ग्राम (यानी 2,40,000 रुपये प्रति किलो) पर बिक रही है। यदि आप 10 ग्राम चांदी का आभूषण खरीदते हैं, तो मेकिंग चार्ज और जीएसटी मिलाकर आपको लगभग 2,769 रुपये चुकाने होंगे। ध्यान रहे, मेकिंग चार्ज अलग-अलग हो सकते हैं, इसलिए ये कीमतें संभावित हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 9 पैसे गिरकर 95.22 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 95.13 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान रुपया 95.13 प्रति डॉलर पर खुलकर 95.17 के स्तर तक फिसल गई। कच्चे तेल के दामों में नरमी के बावजूद भू-राजनीतिक जोखिम और डॉलर सूचकांक में मजबूती से स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा। । अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.13 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 95.17 प्रति डॉलर तक फिसल गया, जो पिछले बंद भाव की तुलना में 14 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 95.13 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत बढ़कर 99.72 पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 79.29 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

शिपरॉकेट ने आईपीओ के लिए 92-97 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया

नई दिल्ली ।

लॉजिस्टिक मंच शिपरॉकेट लिमिटेड ने अपने 1,617.5 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए गुरुवार को 92–97 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया। यह निर्गम 12 अगस्त को खुलेगा। कंपनी ने सार्वजनिक सूचना में कहा कि आईपीओ 14 अगस्त को बंद होगा। एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया 11 अगस्त को एक दिन के लिए खुलेगी। आईपीओ में 885.50 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा 732 करोड़ रुपये तक के शेयर बिक्री पेशकश (ओएफएस) के तहत बेचे जाएंगे। शिपरॉकेट ने दिसंबर, 2025 में दाखिल अपने मसौदा दस्तावेज में प्रस्तावित 2,342.3 करोड़ रुपये के आईपीओ की तुलना में निर्गम का आकार घटा दिया है। निर्गम का 75 प्रतिशत हिस्सा पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी), 15 प्रतिशत गैर–संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) और शेष 10 प्रतिशत खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित रखा गया है।

जुलाई 2026 में 4.5 फीसदी खुदरा महंगाई रहने का अनुमानः रिपोर्ट

खाद्य कीमतें बन सकती हैं चुनौती

नई दिल्ली ।

बैंक ऑफ बड़ौदा की गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में खुदरा महंगाई दर जुलाई 2026 में 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि, खाद्य पदार्थों की अधिक कीमतों के कारण इसके ऊपर जाने का जोखिम बना हुआ है, जो महंगाई दर को बढ़ा सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि प्याज, खाने का तेल, चावल और दाल जैसी आवश्यक वस्तुओं की ऊंची कीमतें महंगाई का व्यापक असर दिखा रही हैं, हालांकि मुख्य सब्जियों की बेहतर आवक और सामान्य मानसून से कुछ राहत मिली है। बैंक का अनुमान है कि मुख्य महंगाई (जिसमें भोजन और ईंधन शामिल नहीं है) 4-4.1 प्रतिशत पर सीमित रहने की उम्मीद है, जिसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में नरमी से सहारा मिलेगा। हालांकि, भविष्य में बढ़ती इनपुट लागत महंगाई पर दबाव बढ़ा सकती है। बैंक ऑफ बड़ौदा के एसेंशियल कमोडिटीज इंडेक्स (बीओबी ईसीआई) के अनुसार, जुलाई 2026 में यह सालाना आधार पर 4.1 प्रतिशत बढ़ा, जो इस पूरी श्रृंखला में सबसे तेज वृद्धि थी, और अगस्त 2026 के शुरुआती पांच दिनों में यह बढ़कर 5.4 प्रतिशत हो गया। सकारात्मक पहलू यह है कि मानसून की प्रगति अनुकूल रही है, जिसमें 63 प्रतिशत राज्यों में सामान्य बारिश दर्ज की गई है। इसके साथ ही, 31 जुलाई 2026 तक प्रमुख खरीफ फसलों का बुवाई क्षेत्र पिछले साल की तुलना में अधिक रहा है, जिससे भविष्य में खाद्य आपूर्ति बेहतर होने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खाद्य तेलों सहित खाद्य कीमतों में भी नरमी आई है, जो महंगाई पर दबाव कम करने में सहायक हो सकती है।

मिल्की मिस्ट डेयरी फूड्स का आईपीओ 11 अगस्त को खुलेगा

नई दिल्ली ।

डेयरी कंपनी मिल्की मिस्ट डेयरी फूड्स लिमिटेड ने अपने 1,553 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा तय कर दिया है। यह निर्गम 11 अगस्त को खुलेगा और 13 अगस्त को बंद होगा। कंपनी ने प्रति शेयर 133 रुपये से 140 रुपये का मूल्य दायरा निर्धारित किया है। यह किसी भी भारतीय डेयरी कंपनी का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। इस निर्गम में 1,428 करोड़ रुपये के नए इक्विटी शेयर जारी होंगे, जबकि 125 करोड़ रुपये तक के शेयर बिक्री पेशकश (ओएफएस) के तहत बेचे जाएंगे। एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया 10 अगस्त को एक दिन के लिए खुलेगी। निर्धारित मूल्य दायरे के आधार पर, आईपीओ के बाद कंपनी का बाजार पूंजीकरण 10,310 करोड़ रुपये से 10,778 करोड़ रुपये के बीच रहने का अनुमान है। आईपीओ का 50 प्रतिशत हिस्सा पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी), 15 प्रतिशत गैर-संस्थागत निवेशकों और 35 प्रतिशत खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित रखा गया है।

एयरटेल ने टैरिफ संरचना में बदलाव की मांग की

नई दिल्ली ।

भारती एयरटेल ने भारतीय दूरसंचार बाजार में टैरिफ की मौजूदा मूल्य संरचना में मूलभूत बदलाव की मांग की है। कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि लंबी अवधि में कंपनियों के वित्तीय रूप से टिकाऊ रहने और औसत राजस्व प्रति उपयोगकर्ता (एआरपीयू) में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए, केवल टैरिफ बढ़ाने के बजाय अधिक डेटा उपयोग करने वाले ग्राहकों से ज्यादा शुल्क लेना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। यह बयान उन्होंने तिमाही आय घोषणा के दौरान दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा असीमित डेटा मॉडल, जो बहुत कम कीमत पर उपलब्ध है, प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व (एआरपीयू) को सीमित करता है, जो उद्योग के लिए टिकाऊ नहीं है। उनका मानना है कि एक तर्कसंगत मूल्य संरचना, जहां अधिक खपत के लिए अधिक भुगतान किया जाए, भारत की बढ़ती समृद्धि के साथ अगले 5-7 वर्षों में एआरपीयू में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि यह एक अच्छी दिशा होगी और प्रवेश स्तर की कीमतों को अनावश्यक रूप से बढ़ाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मौजूदा प्रणाली बनी रहती है, तो कंपनियों को वित्तीय मजबूती और 5जी नेटवर्क के विशाल निवेश को बनाए रखने के लिए टैरिफ बढ़ाने ही पड़ेंगे।

विश्लेषकों का अनुमान है कि इस वर्ष 10-15 फीसदी की टैरिफ वृद्धि आवश्यक हो सकती है। एयरटेल के एमडी और सीईओ शाश्वत शर्मा ने भी उद्योग की दीर्घकालिक स्थिरता के लिए डेटा खपत के आधार पर शुल्क लेने की प्रणाली अपनाने पर जोर दिया। कंपनी अपने डेटा सेंटर कारोबार नेक्सट्रा के विस्तार और अफ्रीकी बाजारों में भी अवसरों की तलाश कर रही है, जिसके लिए पर्याप्त पूंजीगत व्यय की आवश्यकता होगी।

एलआईसी में 6.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर सरकार ने जुटाए 31,522 करोड़

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में 6.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर 31,522 करोड़ रुपए जुटाए हैं, जो भारतीय पूंजी बाजार के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) बन गया है। इसे अत्यधिक गोपनीयता के साथ अंजाम दिया गया, जिससे बाजार को अंतिम समय तक इसकी भनक नहीं लगी। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य ट्रेडर्स को पहले से पोजीशन बनाने और शेयर मूल्य पर अनावश्यक दबाव डालने से रोकना था।

ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के अनुसार, डील से जुड़े निवेश बैंकों को भी अलग-अलग समय पर सूचना दी गई; कुछ को तो स्टॉक एक्सचेंज में घोषणा से ठीक पहले ही जानकारी मिली।

कोर टीम के अलावा, बाकी सलाहकारों को बाजार बंद होने के बाद ही शामिल किया गया।

सरकार ने बाजार की उम्मीदों के विपरीत एलआईसी के तिमाही नतीजों से पहले ही ओएफएस लॉन्च किया। अधिकारियों का मानना था कि यह कदम शेयर की कीमत स्थिर रखने और निवेशकों की रुचि बनाए रखने में सहायक होगा।

भारत का घातक काल ड्रोन वैश्विक बाजार में दस्तक देने को तैयार

स्वदेशी तकनीक से लैस यह मानवरहित विमान 1000 किमी तक मार करने में सक्षम

नई दिल्ली ।

भारत द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित लंबी दूरी का अचूक मारक क्षमता वाला ड्रोन काल अब अंतरराष्ट्रीय रक्षा बाजार में अपनी पहचान बनाने को तैयार है। नोएडा स्थित रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी आईजी डिफेंस द्वारा निर्मित यह मानव रहित विमान (यूएवी) खाड़ी देशों सहित कई रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राष्ट्रों का ध्यान आकर्षित कर रहा है, जो इसे अपनी सैन्य जरूरतों के लिए खरीदने में गहरी रुचि दिखा रहे हैं। केंद्र सरकार एवं निर्यात प्रक्रियाओं से आवश्यक मंजूरी मिलते ही काल ड्रोन को अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतारा जाएगा। यह भारत का पहला पूर्णतः स्वदेशी लंबी दूरी का ड्रोन है, जिसे लंबी दूरी के सटीक-स्ट्राइक मिशन और दूरदराज के सामरिक लक्ष्यों को भेदने के लिए डिजाइन किया गया है। लगभग 1,000 किलोमीटर की प्रभावशाली परिचालन रेंज और 7 से 8 घंटे तक लगातार उड़ान भरने या काम करने की क्षमता वाला काल ड्रोन 50 किलोग्राम तक का पेलोड ले जाने में सक्षम है। इसकी यह क्षमता इसे लंबी दूरी के मिशन के लिए एक शक्तिशाली और बहुपयोगी उपकरण बनाती है। आईजी डिफेंस कंपनी ने बताया कि कई खाड़ी देशों ने विशेष रूप से अपनी सामरिक और युद्धक्षेत्र की आवश्यकताओं के लिए इस ड्रोन को खरीदने में रुचि दिखाई है। वर्तमान में अमेरिका-ईरान तनाव से उपजे संकट के कारण क्षेत्र में लंबी दूरी तक मार करने वाले किफायती हथियारों और अन्य सैन्य साजो-सामान की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसने काल जैसे ड्रोनों के लिए एक अनुकूल बाजार तैयार किया है। आईजी डिफेंस के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि भविष्य के युद्ध स्वायत्त और लंबी दूरी के सटीक हमला करने वाले हथियारों पर ही आधारित होंगे। ड्रोन काल भारत की उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मित्र राष्ट्रों की आधुनिक रक्षा क्षमताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए कंपनी विश्वसनीय, किफायती और उपयोग के लिए तैयार मानवरहित प्लेटफार्मों के साथ खड़ी है, जो सभी आवश्यक सरकारी अनुमोदनों और निर्यात प्रक्रियाओं का पालन करेगी। काल मौजूदा समय के युद्धों में इस्तेमाल होने वाली नई प्रौद्योगिकियों, जैसे विस्तारित रेंज और सटीक हमले वाली कम लागत की प्रणाली का एक बेहतरीन उदाहरण है।

रसोई का बजट बिगड़ा, तेल-दाल से दूध-चीनी तक सब महंगा

पांच माह में 99 फीसदी राशन महंगा

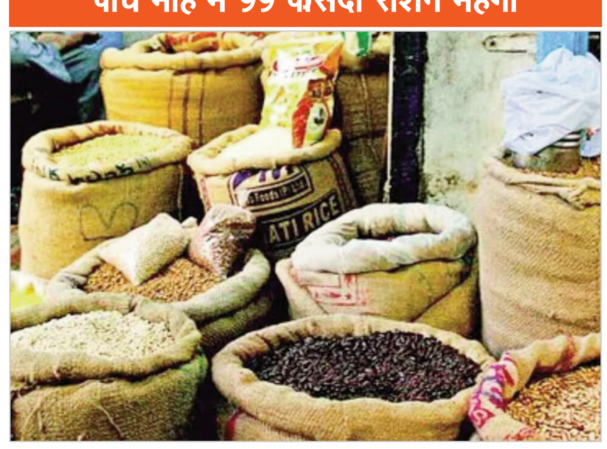

नई दिल्ली ।

फरवरी 2026 में शुरू हुए ईरान-अमेरिका युद्ध ने सिर्फ वैश्विक शांति ही भंग नहीं की, बल्कि भारतीय रसोई के बजट को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। पिछले पांच महीनों से देश का आम आदमी कमरतोड़ महंगाई की मार झेल रहा है, और अब उपभोक्ता मामले विभाग की ताजा रिपोर्ट ने चिंताएं और बढ़ा दी हैं। साल 2026 की शानदार शुरुआत के बाद, देश का दूसरा महीना आम जनता के लिए बड़ी मुसीबत का सबब बन गया था, और फिलहाल राहत दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है। प्राइस मॉनिटरिंग सिस्टम की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, पिछले पांच महीनों में राशन की लगभग 99 प्रतिशत वस्तुओं की कीमतों में भारी इजाफा दर्ज किया गया है। खाने-पीने की मुख्य 36 चीजों में से 35 के दाम बढ़ चुके हैं, जिनमें खाने का तेल और दालें सबसे तेजी से महंगी हुई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि दालों के दामों में उछाल का एक बड़ा कारण इस बार का कमजोर मानसून भी है। जुलाई के अंत तक खरीफ दालों की फसल पिछले साल के मुकाबले लगभग 7 प्रतिशत कम रही है, जिससे देश में दालों का उत्पादन घटा है और आयात पर निर्भरता बढ़ी है।

आम जनता की मुसीबतें यहीं खत्म होती नहीं दिख रही हैं। सावन के बाद राखी, जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, नवरात्रि, दशहरा और दीवाली जैसे बड़े त्योहार आने वाले हैं। त्योहारों के दौरान बाजार में खाने-पीने की चीजों की मांग काफी बढ़ जाती है। बाजार विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि वैश्विक स्तर पर ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण बने हालात ऐसे ही बने रहे, तो आने वाले त्योहारी सीजन में महंगाई का ग्राफ और भी ऊपर जाएगा, जिससे आम आदमी का बजट पूरी तरह चरमरा सकता है।

होर्मुज समझौते से चढ़ा कच्चे तेल का भाव, क्रूड में आई तेजी

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों को गुरुवार को बड़ी राहत मिली। लगातार तीन दिन की गिरावट के बाद, ईरान और ओमान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही को लेकर हुए एक अस्थायी समझौते ने कीमतों को सहारा दिया। ताजा आंकड़ों के अनुसार ब्रेंट क्रूड (अक्टूबर वायदा) 0.54 फीसदी की बढ़त के साथ 79.88 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान यह 80.34 डॉलर तक चढ़ गया था। वहीं, अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई क्रूड (सितंबर वायदा) भी 0.52 फीसदी की तेजी के साथ 75.61 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान इसका भाव 74.64 डॉलर से 76.02 डॉलर प्रति बैरल के बीच रहा। होर्मुज समझौते के तहत, ईरान और ओमान ने इस अहम जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के लिए अगले दो से चार महीने के लिए एक अस्थायी शिपिंग मार्ग पर सहमति जताई है। हालांकि, ईरान ने स्पष्ट किया है कि इसका मतलब होर्मुज का पूरी तरह खुलना नहीं है। अमेरिकी अधिकारियों ने इसे एक बड़े समझौते की दिशा में सकारात्मक कदम बताया है, लेकिन बाजार अभी भी पूरी तरह आश्वस्त नहीं है और स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है। एक तरफ जहां होर्मुज को लेकर राहत की खबर है, वहीं दूसरी तरफ पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव अब भी बरकरार है।

ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने अदन की खाड़ी में सऊदी अरब के एक तेल टैंकर पर हमला करने का दावा किया है और लाल सागर से गुजरने वाले अन्य जहाजों को भी चेतावनी दी है। यही वजह है कि बाजार को अभी भी आशंका है कि अगर हालात बिगड़ते हैं तो तेल आपूर्ति और शिपिंग पर बुरा असर पड़ सकता है। आने वाले दिनों में निवेशक इस समझौते की अवधि, पश्चिम एशिया में तनाव की स्थिति ओपेक प्लस के फैसलों और वैश्विक तेल मांग पर बारीकी से नजर रखेंगे, जो कच्चे तेल की अगली चाल को निर्धारित करेंगे।

एलन मस्क ने एक दिन में गंवाए 89.6 अरब डॉलर, अंबानी की कुल संपत्ति से भी ज्यादा

टेस्ला और स्पेसएक्स के शेयर लुढ़के, टॉप 10 में से 8 अरबपतियों की संपत्ति घटी

वाशिंगटन।

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की नेटवर्थ में हाल ही में रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की गई है। स्पेसएक्स के शेयरों में 13.61 फीसदी और टेस्ला के शेयरों में 1.77 फीसदी की भारी गिरावट के चलते मस्क की संपत्ति में 89.6 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। यह रकम रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की कुल नेटवर्थ (85.7 अरब डॉलर) से भी अधिक है। हालांकि, इस भारी गिरावट के बावजूद, साल 2026 की शुरुआत से अब तक मस्क की संपत्ति में कुल 68.1 अरब डॉलर की बढ़ोतरी बनी हुई है। वैश्विक स्तर पर सिर्फ मस्क ही नहीं बल्कि दुनिया के शीर्ष 10 अरबपतियों में से 8 की नेटवर्थ में गिरावट आई। गूगल के कोफाउंडर लैरी पेज को 11.5 अरब डॉलर का नुकसान हुआ, जिनकी नेटवर्थ 309 अरब डॉलर रह गई।

सर्गेई ब्रिन को भी 10.5 अरब डॉलर की चपत लगी, जिससे वे 288 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ चौथे स्थान पर खिसक गए। भारतीय अरबपतियों में गौतम अडानी 113 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ वैश्विक सूची में 17वें स्थान पर हैं। बुधवार को उनकी संपत्ति में 27.2 लाख डॉलर का इजाफा हुआ और इस वर्ष अब तक वे 28.1 अरब डॉलर कमा चुके हैं। वहीं मुकेश अंबानी की नेटवर्थ बुधवार को 51.4 करोड़ डॉलर घटी है और साल 2026 में अब तक उनकी कुल संपत्ति में 22 अरब डॉलर की कमी आई है।

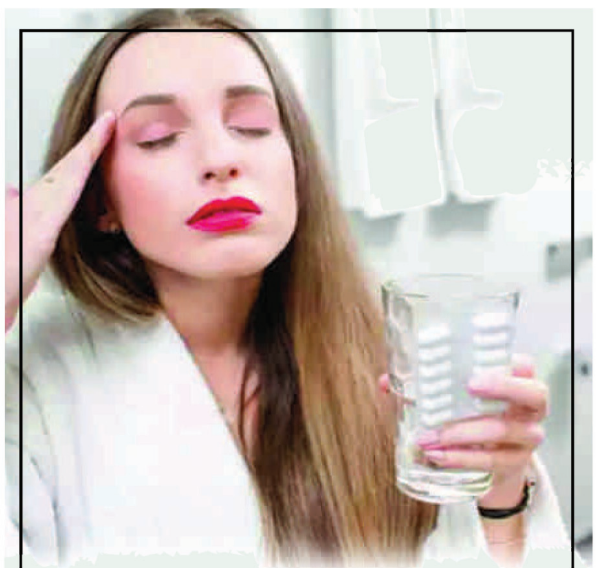

शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है कुंजल क्रिया

क्या आपने कभी कुंजल क्रिया के बारे में कुछ सुना है। अगर नहीं तो यह क्रिया आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है। आइए जानते हैं कुंजल क्रिया के बारे में और जानते हैं कैसे यह आपकी सेहत पर असर डालती है।

भारत में योग का चलन आज से नहीं बल्कि सदियों से रहा है। योग महज एक शारीरिक व्यायाम नहीं है। बल्कि यह जीवन को सरल और बेहतर बनाने का एक बेजोड़ तरीका है। आज हम आपको योगा की एक ऐसी ही टेक्निक से रूबरू कराएंगे। जो आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को तो बाहर निकालती ही है। साथ ही आपको कई दूसरे लाभ भी देती है। दरअसल हम बात कर रहे हैं कुंजल क्रिया के बारे में। यह अन्य योगासन से बहुत भिन्न है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इस क्रिया में आपको उल्टी करनी होती है। हां शायद यह आपको थोड़ी अजीब लग सकती है। लेकिन कुंजल क्रिया सही मायने में बहुत ज्यादा फायदेमंद है। आइए जानते हैं इस क्रिया के बारे में।

क्या है कुंजल क्रिया

कुंजल क्रिया आपके शरीर से अशुद्धियां बाहर निकालने की एक जबरदस्त टेक्निक है। कुंजल क्रिया के बारे में सबसे पहले हठयोग से संबंधी एक प्रदीपिका ग्रंथ में दिया गया था। इस ग्रंथ में ही इसे शरीर की सफाई करने की तकनीक के रूप में बताया गया है। कुंजल क्रिया न केवल आपके शरीर को साफ करती है बल्कि यह आपके मन को भी नियंत्रित करने में भी सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन में इसे लेकर एक शोध भी प्रकाशित किया गया है। इसमें बताया गया है कि उल्टी करने के बाद व्यक्ति को खालीपन महसूस होता है और इससे कई शारीरिक लाभ होते हैं। आइए जानते हैं कैसे की जाती है कुंजल क्रिया।

कैसे होती है कुंजल क्रिया

- इसके लिए आपको कम से कम 6 से 8 गिलास गुनगुने पानी की जरूरत होगी और हर एक लीटर पानी पर एक चम्मच सेंधा नमक या साधारण नमक भी चाहिए होगा।
- अब आपको एक लीटर पानी में एक चम्मच सेंधा नमक मिलाना होगा और कगासन की मुद्रा में बैठना होगा।
- इसके बाद आपको इसी मुद्रा में यह पानी जल्दी से जल्दी पीना होगा और उल्टी करने के लिए थोड़ा आगे झुक कर खड़ा होना होगा।
- जब आपको लगे की पेट खाली हो चुका है तो शवासन की मुद्रा में 30 मिनट के लिए लेट जाएं।
- इस क्रिया में आपको उल्टी तुरंत आ जाती है। ऐसे में अगर यह क्रिया करें तो विशेषज्ञ की निगरानी में ही करें।

वजन और पाचन के लिए

जब भी आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके पेट की मांसपेशियां सिकुड़ जाती है और फैट कम हो जाता है। ऐसे में अगर आप फैट या वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं तो य क्रिया आपके लिए बहुत फायदेमंद होगी। यह पाचन तंत्र को पूरी तरह स्वस्थ रखने काम काम करती है।

तनाव और चिंता से राहत

जब आप इस क्रिया को करते हैं तो इससे शरीर में रक्त प्रवाह बेहतर हो जाता है और आपके शरीर के हर हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंचने लगता है। इससे आपका हार्ट रेट कम हो जाता है और सांस लेना भी आसान हो जाता है। साथ ही यह ब्लड प्रेशर को भी ठीक करता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि कुंजल क्रिया के जरिए तनाव और चिंता को कम किया जा सकता है। ध्यान रहे कि यह क्रिया किसी विशेषज्ञ की

या फिर आपकी आयु 16 साल से कम है तो इस आसन को बिल्कुल ना करें।

खांसी और सर्दी से राहत

जब आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके फेफड़ों की मांसपेशियां मजबूत होती है और इनकी सहन शक्ति बढ़ जाती है। साथ ही इसके जरिए आपके फेफड़े भी साफ हो जाते हैं और आपके लिए सांस लेना आसान हो जाता है। इस तरह यह सर्दी और खांसी के लक्षणों से राहत दिलाती है।

एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है।

ऐसे करें आंखों की देखभाल

मोबाइल और लैपटॉप के बढ़ते इस्तेमाल के कारण हमारी आंखों का इस्तेमाल पहले से कहीं ज्यादा हो रहा है। जिससे लोगों में सिरदर्द, जलन और आंखों में तनाव के मामले बढ़े हैं। खासकर, एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है। आंखें पित्त दोष का आसन हैं। चूंकि पित्त दोष उम्र के साथ असंतुलित हो जाता है, इसलिए आंखें प्रभावित होती हैं।

सुबह उठकर मुंह में पानी भरें

रोज सुबह उठकर टॉयलेट जाने से पहले या बाद में मुंह में पानी भरें और कुछ सैकंड्स तक होल्ड करें। इस दौरान आपकी आंखें बंद होनी चाहिए। अब कुल्ला कर दें और इस प्रक्रिया को दो से 3 बार दोहराएं।

त्रिफला वॉटर का उपयोग करें

त्रिफला वॉटर आई वॉश आंखों के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। यह न केवल आपके आंखों की रोशनी बढ़ाता है, बल्कि आंखों की चमक में भी सुधार करता है। खासतौर से थकी हुई आंखों को आराम देने का यह बेहतरीन तरीका है।

स्वस्थ आंखों के लिए षटकर्म करें

आयुर्वेद में शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने ,उसे मजबूत बनाने और रोगमुक्त बनाने के लिए 6 प्यूरीफिकेशन टेकनीक के बारे में बताया गया है। इनमें से नेती और त्राटक सूखी आंखों और आंखों के स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छे आयुर्वेदिक उपाय के रूप में काम करते हैं। बता दें कि त्राटक षटकर्म आंख का व्यायाम है जिसमें किसी भी बिंदु पर आंखों को स्थिर करके निरंतर देखना होता है।

बरतें ये सावधानियां

- आंखों की देखभाल के दौरान कभी भी बहुत तेज गर्म या फिर बर्फ के पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।
- अचानक तापमान में हुए परिवर्तन से बचने का प्रयास करें।
- अगर आपका शरीर गर्म हो रहा है या आप पसीने से तर हैं, तो अपने चेहरे और आंखों पर पानी के छीटें मारने से पहले 10 मिनट तक इंतजार करें। जब तक आपकी बॉडी सही तापमान में एडजस्ट न हो जाए, छीटें मारने से बचें।
- सुबह-शाम चेहरे पर पानी के छीटे मारें
- 10-15 बार अपनी आंखों और चेहरे पर ठंडे या फिर नॉर्मल पानी के छीटें मारें। इस प्रक्रिया को आप तब भी दोहराएं , जब शाम को काम से वापस घर लौटें। ऐसा करने से आंखों को बहुत आराम मिलेगा।

स्वस्थ आंखों के लिए फायदेमंद है अंजन

स्वस्थ आंखों के लिए अंजन का उपयोग बहुत फायदेमंद है। अंजना एक आयुर्वेदिक दवा है, जिसे आंखों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए पलकों के अंदरूनी हिस्से पर लगाते हैं। बता दें कि अंजना जड़ी-बूटियों से बना एक गाढ़ा आईलाइनर है। इसे कोलिरिसम भी कहते हैं। इसका उपयोग आंखों की रोशनी बढ़ाने और आंख से जुड़ी अन्य बीमारियों के लिए किया जाता है। हालांकि, यह काजल की तरह दिखता है, लेकिन इससे काफी अलग है। इसे मिनरल्स और जड़ी- बूटियों को पीसकर पेस्ट के रूप में तैयार किया जाता है। आंखों की रोशनी को बढ़ाने के लिए इनकी देखभाल करना बेहद जरूरी है। उम्मीद है यहां एक्सपर्ट द्वारा बताए गए तरीकों से आपको आंखों की सही देखभाल करने में मदद मिलेगी।

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से पड़ता है सेहत पर बुरा असर

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से हमारी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है। लेकिन कई दफा हम इसे नजरअंदाज करते हैं। शोध में पता चला है कि ये दोनों पर्यावरण हार्ट फेलियर का भी एक कारण हैं।

देश में दिवाली आने वाली है और इस माह में लोगों द्वारा की जाने वाली आतिशबाजी के कारण वायु प्रदूषण काफी ज्यादा बढ़ जाता है और स्मॉग का रूप ले लेता है। इस तरह के पॉल्युटिड स्मॉग में धूल और वायु प्रदूषक जैसे नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाई आक्साइड, ज्वलनशील कार्बनिक यौगिक आदि हानिकारक मिश्रण रहते हैं। जो खांसी, गले में खराश, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण, आंख व नाक में एलर्जी के अलावा इम्यून सिस्टम को भी कमजोर बनाते हैं। हाल ही में वायु प्रदूषण पर एक शोध आया है जिसमें चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। नए शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण और सड़क यातायात के शोर के संपर्क में आने से हृदय गति रुकने का खतरा बढ़ सकता है। शोध का रिजल्ट अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के एक ओपन-एक्सेस जर्नल 'जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' में प्रकाशित किया गया था। इसलिए आपको वायु प्रदूषण से खुद को सेफ रखने की बहुत ज्यादा जरूरत है।

वायु प्रदूषण पर शोध

नए रिसर्च के विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने 15 से 20 साल के पीरियड में लॉन्ग टर्म एनवायरनमेंट इंपैक्ट को लेकर हर्ट फेलियर की जांच की। डेनमार्क में महिला नर्सों पर हुए शोध में एयर पॉल्यूशन और रोड ट्रैफिक हर्ट फेलियर की मुख्य वजह पाया गया। बता दें कि शोध में जिन महिलाओं को लिया गया था उनकी उम्र 44 वर्ष और उससे अधिक थी। प्रतिभागियों को 1993 और 1999 में भर्ती किया गया था और जब उन्होंने नामांकन किया, तो हर महिला ने बॉडी मास इंडेक्स, लाइफस्टाइल फैक्टर जैसे धूम्रपान, शराब का सेवन, शारीरिक गतिविधि और आहार संबंधी आदतों के अलावा अपनी मेडिकल कंडीशन के बारे में भी पूरी जानकारी दी थी। इन सभी प्रतिभागियों को डेनिश नेशनल पेशेंट रजिस्टर से लिंक करने के 20 साल के बाद हार्ट फेलियर के बारे में पता चला जिनका बाद में इलाज भी हुआ और इसके रिकॉर्ड भी हैं।

दिल के लिए ज्यादा खतरनाक है वायु प्रदूषण

डेनमार्क स्थिति कोपेहेगन यूनिवर्सिटी के एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट से जुड़े असिस्टेंट प्रोफेसर और शोध को लीड करने वाले ऑथर ने कहा कि स्टडी में पाया गया है कि तीन वर्षों में रोड ट्रैफिक का शोर 12 फीसदी हार्ट फेलियर के खतरे का कारण बना। उन्होंने आगे कहा, हम आश्चर्यचकित थे कि कैसे दो पर्यावरणीय कारक - वायु प्रदूषण और सड़क यातायात शोर ने एक साथ हृदय गति रुकने का जोखिम बढ़ा दिया है। शोध में पता चला है कि रोड ट्रैफिक की तुलना में एयर पॉल्युशन हर्ट फेलियर के खतरे की मजबूत वजह बना। हालांकि, इन हर्ट फेलियर वाली 30 प्रतिशत नर्सों में हाई ब्लड प्रेशर की भी समस्या थी।

सांस लेने में तकलीफ

वायु प्रदूषण की वजह से बुजर्ग लोगों को भी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। एयर पॉल्युशन के कारण बुजुर्गों के शरीर के कई अंग धीमी गति से कार्य करते हैं और इसी तरह का हाल फेफड़ों का रहता है। क्योंकि लंग्स प्रदूषित हवा को सही तरीके से फिल्टर नहीं कर पाते हैं जिस वजह से उन्हें सांस लेने में दिक्कत आती है।

आंखों में परेशानी

वायु प्रदूषण के चलते कई बार बच्चों से लेकर बुजुर्गों की आंखों में भी दिक्कतें आती हैं। दूषिक हवा के कण हमारी आंखों में एलर्जी पैदा करने लगते है जिससे कई बार हमें आस-पास की चीजें साफ नहीं दिखती हैं। साथ ही धूल मिट्टी से आंखों में खुजली भी होती है।

सेहत संबंधी दिक्कतें

बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता है जिसकी वजह से उनको वायू प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से उनका दम घुटने लगता है। वे इस वातावरण को आसानी से हैंडल नहीं कर पाते। इसके चलते कई दफा, छींकआना, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण और गले में खराश जैसी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

साइलेंट किलर है तनाव, इसे गंभीरता से लेना है बहुत जरूरी

मेंटल हेल्थ एक पुराना विषय रहा है, लेकिन अब कोरोना के बाद यह और ज्यादा घातक हो गया है। अब इसे गंभीरता से लेकर इस पर बात करना जरूरी है। कोरोना ने कई तरह के मानसिक रोगों को जन्म दिया है

आज के दौर में हर शख्स अपनी जिंदगी में स्ट्रेस से गुजरता है। स्ट्रेस को आजकल एक कॉमन परेशानी के रूप में देखा जाता है और यही सबसे बड़ी गलती है। 2020 में आए कोविड 19 ने सोशल और इकोनॉमिक तौर पर काफी बदलाव लाया है। लाखों लोगों ने अपनी जिंदगी गवां दी, यहां तक की एक दूसरे से मिलना-जुलना भी दूभर हो गया था। आज जहां 2021 में कोविड 19 को 2 साल हो गए हैं और आज भी मानव जाति इस विपदा से उबरने की कोशिश में है। कई देश आज भी इस वायरस के नए स्ट्रेन से लड़ रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन ने ये चेतावनी जारी की है कि कोरोनावायरस का मेंटल हेल्थ पर काफी लंबे समय तक असर होता रहेगा। आज लोगों में एंजाइटी, स्ट्रेस, डिप्रेशन जैसी कई समस्या बहुत हद तक बढ़ चुकी हैं। इस पैंडेमिक के दौरान मेंटल हेल्थ पर गहरा असर पड़ा है। 2020 में माइसेंसी द्वारा एक सर्वे के आधार पर ठट्ठ के 75 प्रतिशत और एशिया के 33 प्रतिशत एम्प्लॉय में बर्न आउट के लक्षण दिखे हैं। यूरोपियन देशों में भी पैंडेमिक फैटिग के लेवल में बढ़ोतरी हुई है।

जिन लोगों ने अपनी मेंटल हेल्थ को बहुत खराब रेट दिया है, उनकी मात्रा पैंडेमिक आने के बाद तीन गुना बढ़ गई है। ओरेकल और वर्क प्लेस इंटेलिजेंस जैसी कंपनियों द्वारा एक हालिया सर्वे जिसमें 11 देशों के 12000 लोगों ने भाग लिया ये दर्शाता है कि मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव में एम्प्लॉय के बदले ज्यादा मेंटल हेल्थ इश्यूज पाए गए हैं। 53% ने माना की उन्हें मेंटल हेल्थ इश्यूज पैंडेमिक के शुरू होते ही शुरू हो गए थे। इसी कड़ी में 5 में से 4 मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव यानी लगभग 85% ने माना कि उन्हें काम को पूरा करने में दिक्कत आई। इसके कुछ कारण हैं जैसे घर से काम करने के दौरान नई तकनीक को समझने और उसका उपयोग करने में परेशानी और दूसरा यह कि ऑफिस के माहौल से दूर साथ बैठकर काम करने और कोलेबरेट करने की जगह घर से काम करना।

क्या कहती है रिपोर्ट?

इस कड़ी में लगभग 39% लोगों को घर से वर्चुअली काम करने में दिक्कत आई। वहीं 34% को वर्क कल्चर के ना होने की कमी खली। वहीं 29% लोगों को नई तकनीकों को समझने में दिक्कत का सामना करना पड़ा। जहां एक तरफ कंपनी के सीनियर अधिकारी वर्कप्लेस पर मेंटल हेल्थ और हेल्थी वर्क कल्चर को बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, वहीं आज भी मेंटल हेल्थ को एक स्टीरियोटाइप के तौर पर देखा जाता है। कंपनी में ओपन कम्युनिकेशन और सपोर्ट की कमी खलती है। कंपनी के लीडर को अपने स्टॉफ को न सिर्फ इंस्पायर करना चाहिए ताकि वे अपनी बात को खुलकर शेयर कर सकें, बल्कि उन्हें इंस्पायर भी करना चाहिए। जरूरत पड़ने पर वे कोच या थेरेपिस्ट से मदद भी ले सकें। विशेषज्ञ कहते हैं कि किसी भी तरह की हेल्थ प्रॉब्लम को इग्नौर नहीं करना है, अगर तनाव से संबंधी कोई भी लक्षण नजर आता है तो तत्काल डॉक्टर से मिलना है। इसे हल्के में बिल्कुल नहीं ले सकते।

जान भी ले सकती है लौकी

लौकी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत अच्छा है। इसे कई प्रकार से खा सकते हैं। सब्जी, जूस, खीर, कलाकंद, पराठे सहित अन्य तरीकों से इसका सेवन किया जा सकता है। इसका सेवन करने से कब्ज और गैस की समस्या में राहत मितली है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम,

कड़वी लौकी का सेवन करने से आपकी जान पर बात बन सकती

नौबत आ जाती है। इसलिए भूलकर भी कड़वी लौकी का सेवन नहीं करें। लौकी का जूस बनाने से पहले इसे जरूर टेस्ट करें। अगर वह कड़वी लगती है तो इसका सेवन नहीं करें। कड़वी विषैली लौकी का सेवन करने के नुकसान- बेचैनी, घबराहट, ब्लड प्रेशर की समस्या, उल्टी होने लगती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। कई बार अंगों पर भी इसका असर पड़ सकता है। ऐसे में अंग फैल भी हो सकते हैं। इसलिए भूलकर भी लौकी को टेस्ट किए बिना इसका प्रयोग नहीं करें। कड़वी लौकी की पहचान उसे चखकर की जा सकती है। बता दें कि इसे पकाने पर भी कड़वापन खत्म नहीं होगा। कड़वी लगने

डिफेंस सिस्टम विकसित कर लेती है। जिससे उसमें केमिकल विकसित हो जाता है। तो कई बार तापमान कम ज्यादा होने पर भी यह बदलाव होने लगते हैं। इतना ही नहीं पर्याप्त पानी नहीं मिलने पर भी ऐसा हो सकता है।

गावस्कर ने चुनी 2027 विश्वकप के लिए संभावित टीम! आकाश-अश्विन ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। वनडे विश्व कप 2027 में अभी करीब 14 महीने का समय बाकी है, लेकिन भारतीय टीम को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। 2023 विश्व कप में उपविजेता रहने वाली टीम इंडिया 2027 में खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी। मौजूदा टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम से उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। इसी बीच पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने 2027 विश्व कप के लिए अपनी संभावित 15 सदस्यीय भारतीय टीम चुनी है। पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने इस टीम का विश्लेषण करते हुए इसे काफी संतुलित बताया।

सुनील गावस्कर की संभावित भारत टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह।

आकाश चोपड़ा के मुताबिक, गावस्कर ने शीर्ष क्रम में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है। उनकी टीम में शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल को जगह मिली है> विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन भी 15 सदस्यीय टीम का हिस्सा हैं। आकाश चोपड़ा ने कहा, 'शुभमन गिल, रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल टॉप-5 में हैं। यह लगभग वही बल्लेबाजी क्रम है जो चैंपियंस ट्रॉफी में था। ईशान किशन इस समय लगातार रन बना रहे हैं और इस प्रारूप के लिए तैयार नजर आते हैं।'

दूसरी ओर, रविचंद्रन अश्विन ने अपनी संभावित विश्व कप टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को शामिल करने की वकालत की है। उनका मानना है कि दक्षिण अफ्रीका की परिस्थितियों में भुवनेश्वर उपयोगी साबित हो सकते हैं। अश्विन ने कहा, 'भुवनेश्वर कुमार मेरी टीम में जरूर होंगे। मैं उनसे बात करूंगा और उन्हें घरेलू क्रिकेट, विजय हजारे ट्रॉफी समेत सभी टूर्नामेंट खेलने के लिए कहूंगा, ताकि दक्षिण अफ्रीका की परिस्थितियों के लिए वह पूरी तरह तैयार रहें। मुझे लगता है कि वहां हमें उनकी जरूरत पड़ेगी।'

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी वनडे रैंकिंग शुभमन टॉप पर काबिज

नई दिल्ली। वनडे बल्लेबाजों की टॉप 10 लिस्ट में कप्तान शुभमन गिल समेत तीन भारतीय हैं। शुभमन टॉप पर काबिज हैं। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल दूसरे नंबर पर हैं। गिल ने पिछले हफ्ते मिचेल से बादशाहत छीनी थी। भारत ने आखिरी वनडे 19 जुलाई को

इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली तीसरे और रोहित शर्मा चौथे पायदान पर हैं। अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान पांचवें और पाकिस्तान के बाबर आजम छठे पायदान पर हैं। नीदलैंड और नेपाल के तीन-तीन खिलाड़ियों को आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में फायदा हुआ है। कप्तान शुभमन गिल समेत तीन भारतीय टॉप 10 बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हैं। मेंस वनडे खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग जारी की है। नीदरलैंड टीम जारी आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 कॉम्पिटिशन में अच्छी फॉर्म में है। हाल ही में उसने यूट्रेक्ट में नेपाल को 57 रन से शिकस्त दी। नीदरलैंड की नजर अब मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालिफायर इवेंट में एंट्री करने पर है। कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने नेपाल के खिलाफ 57 रनों की पारी खेली, जिससे नीदरलैंड ने लीग 2 टेबल में टॉप चार में अपनी जगह पक्की कर ली। एडवर्ड्स वनडे बल्लेबाजों की लेटेस्ट रैंकिंग में 4 पायदान चढ़कर 34वें नंबर पर आ गए हैं। वनडे बॉलर रैंकिंग में नीदरलैंड के स्पिनर वैन डेर मर्व 11 स्थान की छलांग लगाई। वह अब संयुक्त रूप से 63वें स्थान पर आ गए हैं। लोगान वैन बीक तीन स्थान ऊपर 76वें पर पहुंच गए। उन्होंने मैच में दो विकेट चटकाए थे। नेपाल के भी तीन खिलाड़ियों का फायदा हुआ है। ललित राजबंशी (एक स्थान ऊपर 45वें पर) और करण केसी (सात स्थान ऊपर 83वें पर) वनडे बॉलर्स की अपडेटेड लिस्ट में आगे बढ़े हैं। नेपाल के आसिफ शेख दो स्थान ऊपर चढ़कर वनडे बल्लेबाजों की लिस्ट में 76वें नंबर पर आ गए।

शाकिब के घर पर हमला पत्थर-पेट्रोल बम फेंके

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अवामी लीग के पूर्व सांसद शाकिब अल हसन के मगुरा शहर में बने घर पर हमला हुआ है। यह घटना पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में शाकिब के शामिल होने के कुछ घंटों बाद हुई। शाकिब के घर पर हमला रात 8.45 से 9 बजे के बीच हुआ। मगुरा सदर पुलिस के अफसर मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने बताया कि कुछ उपद्रवियों ने पत्थर फेंके और खिड़कियां तोड़ दीं। हमलावरों ने घर में आग लगाने की कोशिश की। यह दावा किया जा रहा है कि इसके लिए हमलावर कोल्डड्रिंक की बोतलों में पेट्रोल भरकर लाए थे। गनीमत यह रही कि हमले के वक्त घर खाली था, इसलिए किसी के घायल होने की खबर नहीं है। शाकिब इस वक्त श्रीलंका में हैं। घटना के बाद पुलिस फोर्स को तैनात कर दिया गया है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दो साल बाद बुधवार को लोगों को वर्चुअली संबोधित किया। जब हसीना बोल रही थीं, उस दौरान उनका कैमरा बंद था। हसीना ने 25 मिनट भाषण दिया। इस दौरान शाकिब अल हसन, शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय, पूर्व शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी भी मौजूद थे। शाकिब अल हसन शेख हसीना की आवामी लीग से जुड़े हुए हैं। वह बुधवार को हसीना के वर्चुअली संबोधन में शामिल हुए। शाकिब अल हसन शेख हसीना की आवामी लीग से जुड़े हुए हैं। वह बुधवार को हसीना के वर्चुअली संबोधन में शामिल हुए। शाकिब ने सांसद रहते हुए भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और टी-20 लीग में खेलना नहीं छोड़ा। अगस्त 2024 में जब बांग्लादेश में बगावत शुरू हुई, तब भी शाकिब की आलोचना हुई। सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ शुरू हुए छात्र आंदोलन के दौरान शाकिब पर आरोप लगे कि उन्होंने अवामी लीग के सांसद होने के कारण चुप्पी साधे रखी।

मेरा रिकॉर्ड शायद वैभव तोड़ेगा

बटलर के बनाया टी-20 में सर्वाधिक रन का रिकॉर्ड

सूर्यवंशी को लेकर जोस ने की भविष्यवाणी

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज जोस बटलर ने टी20 क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया है। द हंड्रेड टूर्नामेंट में मैनचेस्टर सुपर जाएंट्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने वेस्टइंडीज के दिग्गज कीरोन पोलार्ड को पीछे छोड़कर टी20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनने की उपलब्धि हासिल की। इस उपलब्धि के बाद बटलर ने एक ऐसा बयान दिया, जिसने भारतीय क्रिकेट फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

वेल्श फायर के खिलाफ मुकाबले में बटलर ने महज 20 गेंदों में नाबाद 51 रन की तूफानी पारी खेली। इस दौरान उन्होंने दो चौके और छह छक्के लगाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 250 का रहा। इसी पारी के दौरान उन्होंने टी20 क्रिकेट में अपने कुल रन 14,833 तक पहुंचा दिए।

बटलर ने इस मामले में किरोन पोलार्ड (14,803 रन) को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले लंबे समय तक यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल (14,562 रन) के नाम था। बटलर ने 522 टी20 मैचों में नौ शतक और 105 अर्धशतकों की मदद से यह उपलब्धि हासिल की है।

वैभव सूर्यवंशी का लिया नाम

रिकॉर्ड अपने नाम करने के बाद बटलर ने कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए बेहद खास है, लेकिन उन्हें भरोसा है कि भविष्य में कोई न कोई इस रिकॉर्ड को तोड़ेगा। उन्होंने भारतीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का नाम लेते हुए बड़ा बयान दिया। बटलर ने कहा, 'यह सोचकर बहुत अच्छा लगता है कि टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन मेरे नाम हैं। एक दिन कोई न कोई इस रिकॉर्ड को तोड़ेगा और शायद उसका नाम वैभव सूर्यवंशी होगा। लेकिन फिलहाल यह मेरे लिए गर्व का पल है।'

खराब फॉर्म से वापसी पर भी बोले बटलर

बटलर ने माना कि कुछ महीने पहले उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार मेहनत करते रहे। उन्होंने कहा, 'क्रिकेट बहुत जल्दी बदल जाता है। कुछ महीने पहले मैं अपनी फॉर्म से जूझ रहा था, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में मुझे लग रहा है कि मैं अपने करियर की सबसे अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं। आपके पास केवल दो विकल्प होते हैं- या तो हार मान लें या फिर ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ वापसी की कोशिश करें। मैंने दूसरा रास्ता चुना और उसी पर ध्यान केंद्रित किया।'

मैनचेस्टर सुपर जाएंट्स ने नौ विकेट से जीता मैच

मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेल्श फायर ने मैट शॉर्ट के 71 और फिल सॉल्ट के 48 रन की बदौलत 100 गेंदों में चार विकेट पर 155 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए मैनचेस्टर सुपर जाएंट्स ने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी की। टिम साइफर्ट ने 36 गेंदों में नाबाद 62 रन बनाए, जबकि पॉल वाल्टर ने 18 गेंदों में 37 रन की तेज पारी खेली। बटलर की नाबाद 51 रन की विस्फोटक पारी की बदौलत टीम ने एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और नौ विकेट से शानदार जीत दर्ज की।

कोच गंभीर की खिलाड़ियों को नसीहत

मानसिक और शारीरिक रूप से सभी तैयार रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम इंडिया को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में हर चुनौती का सामना करने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार रहने की सलाह दी है। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज का आगाज 15 अगस्त से होना है। इससे पहले, भारतीय टीम श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय प्रैक्टिस मैच में हिस्सा लेगी, जिसकी शुरुआत सात अगस्त से होनी है। पहले टेस्ट की मेजबानी गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम करेगा, जबकि दूसरा टेस्ट मुकाबला 23 अगस्त से कोलंबो का सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब मैदान करेगा।

बीसीसीआई ने शेयर किया वीडियो

गंभीर ने गुरुवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में कहा, 'दोस्तों, हम जानते हैं कि हमारे सामने क्या है। हम जानते हैं कि हम किसके लिए खेल रहे हैं। हम जोर लगा सकते हैं, हम अपनी सीमा को पार कर सकते हैं, हम सभी चीजों को पूरा कर सकते हैं। 15 तारीख की सुबह, चाहे हम पहले बैटिंग कर रहे हों, या पहले गेंदबाजी कर रहे हों, हमें हर सवाल और हर जवाब के लिए पूरी तरह तैयार रहना है। इसलिए पक्का करें कि हम अभी से सभी चीजों को पूरा करें।'

गंभीर ने सारांश-नबी का किया स्वागत

गंभीर ने नए खिलाड़ियों, ऑफ-स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर सारांश जैन और तेज गेंदबाज आकिब नबी का टेस्ट सेटअप में आधिकारिक तौर पर स्वागत किया। इसके साथ ही हेड कोच ने नए नियुक्त फील्डिंग कोच, सुभादीप घोष का भी स्वागत किया। गंभीर वीडियो में कहते हैं, 'दोस्तों, सभी का स्वागत है। हमारे साथ कुछ नए लोग आए हैं। सबसे पहले, सारांश, बधाई हो, आपने यहां तक पहुंचने के लिए बहुत मेहनत की है। जब भी आपको मौका मिले, अपने परिवार और देश को गर्व महसूस कराना सुनिश्चित करें। दूसरी बात, मैं आकिब को बधाई देना चाहता हूं, आपका पिछला सीजन शानदार रहा था, और आपने जम्मू-कश्मीर को रणजी ट्रॉफी जिताई, जो एक बड़ी उपलब्धि है। एक बार फिर बधाई।'

सुभादीप का भी स्वागत

हेड कोच ने आगे कहा, 'आखिर में, मैं सुभादीप का भी स्वागत करना चाहता हूं। उन्होंने इतने वर्षों तक कई टीमों के साथ काम किया है। मुझे यकीन है कि उनका जुनून, उनकी प्रतिबद्धता इस टीम को आगे ले जाएगी और यह सुनिश्चित करेंगे कि उनका एनर्जी लेवल सभी को टारगेट हासिल करने में मदद करे।'

पहलवान दीपांशु डोप में फंसे नाडा ने लगाया अस्थायी प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई खेल शुरू होने से पहले ही भारतीय कुश्ती टीम के अभियान को झटका लगा है। लखनऊ में एशियाई खेलों का ट्रायल जीतकर 130 किलो भार वर्ग की ग्रीको रोमन टीम में जगह बनाने वाले पहलवान दीपांशु डोप में फंस गए हैं। उन पर नाडा ने अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है और उन्हें भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया है।

खास बात यह है कि दीपांशु दूसरी बार डोप में पॉजिटिव पाए गए हैं। इससे पहले वह गुजरात में हुए राष्ट्रीय खेलों में डोप के मामले में फंसे थे।

डोप में फंसने के बाद दीपांशु को राष्ट्रीय शिविर से भी बाहर कर दिया गया है। वह हंगरी में होने वाले विश्व चैंपियनशिप में भी खेलने जा रहे थे। उनका वीजा भी लग गया था। उसी समय उनके डोप सैंपल की रिपोर्ट आई। उन्होंने उस दौरान अपना अपराध स्वीकार कर लिया था, जिसके चलते उन्हें तीन साल का प्रतिबंध लगा था। वर्ष 2025 में प्रतिबंध खत्म करने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय चैंपियनशिप के जरिए एशियाई खेलों के लिए चयनित होने वाले राष्ट्रीय शिविर में जगह बनाई थी।दीपांशु को एशियाई खेलों में 130 किलो भार वर्ग का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। दूसरी बार डोप में फंसने के कारण उन पर अब स्थायी प्रतिबंध लग सकता है। नाडा ने उन्हें आरोप पत्र भेज दिया है। भारतीय कुश्ती महासंघ ने दीपांशु की जगह 130 किलो भार वर्ग में सोतक को शामिल कर लिया है।

विदेशी धरती पर तीन साल बाद टेस्ट जीता पाकिस्तान

टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में ये आया बदलाव

रैंक	टीम	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	अंक	अंक प्रतिशत
1	ऑस्ट्रेलिया	8	7	1	0	84	87.50
2	दक्षिण अफ्रीका	4	3	1	0	36	75.00
3	न्यूजीलैंड	6	4	1	1	52	72.22
4	बांग्लादेश	4	2	1	1	28	58.33
5	भारत	9	4	4	1	52	48.15
6	श्रीलंका	4	1	1	2	20	41.67
7	इंग्लैंड	13	4	8	1	38	24.36
8	पाकिस्तान	6	2	4	0	16	22.22
9	वेस्टइंडीज	12	2	8	2	30	20.83

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में आठ विकेट की जीत दर्ज कर दोहरा फायदा हासिल किया। एक ओर टीम ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की अंकतालिका में एक स्थान की छलांग लगाई, वहीं दूसरी ओर विदेशी सरजमीं पर तीन साल से चली आ रही जीत की तलाश भी खत्म कर दी। बाबर आजम की कप्तानी में मिली यह जीत पाकिस्तान के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाली साबित हुई।

दूसरे टेस्ट से पहले पाकिस्तान अंकतालिका में नौवें और अंतिम स्थान पर था। वेस्टइंडीज पर जीत के बाद टीम अब आठवें स्थान पर पहुंच गई है। पाकिस्तान का जीत प्रतिशत बढ़कर 22.22 हो गया है, जबकि वेस्टइंडीज एक स्थान नीचे खिसककर नौवें नंबर पर पहुंच गया।

वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 344 रन बनाए थे। इसके जवाब में पाकिस्तान ने 387 रन बनाकर 43 रन की अहम बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में कैरेबियाई बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई और पूरी टीम केवल 117 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान की जीत में स्पिनरों अली उस्मान और साजिद खान की अहम भूमिका रही। दोनों ने चार-चार विकेट लेकर वेस्टइंडीज की दूसरी पारी को ध्वस्त कर दिया।

75 रन का लक्ष्य आसानी से किया हासिल

जीत के लिए 75 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। इमाम-उल-हक जल्दी आउट हो गए, जबकि अजान अवैस भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। इसके बाद कप्तान बाबर आजम और अब्दुल्ला शफीक ने जिम्मेदारी संभाली। दोनों बल्लेबाज 24-24 रन बनाकर नाबाद लौटे और पाकिस्तान ने केवल दो विकेट खोकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुई। पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को 90 रन से हराया था।

बीडब्ल्यूएफ चैंपियनशिपः आयुष की पहले ही दौर में मौजूदा चैंपियन शी यूकी से भिड़ंत, सिंधू-लक्ष्य को आसान शुरुआत

नई दिल्ली। बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के ड्रॉ में भारतीय खिलाड़ियों को मिला-जुला मुकाबला मिला है। एशियन चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता आयुष शेट्टी को पहले ही दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन और चीन के स्टार शी यूकी का सामना करना होगा। वहीं, पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन को शुरुआती दौर में अपेक्षाकृत आसान प्रतिद्वंद्वी मिले हैं। 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होने वाली इस प्रतियोगिता की मेजबानी भारत 17 साल बाद कर रहा है।

पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधू अपने अभियान की शुरुआत आयरलैंड की विश्व नंबर 141 सोफिया नोबेल के खिलाफ करेंगी। सिंधू विश्व चैंपियनशिप में रिकॉर्ड छठा पदक जीतने के इरादे से उतरेंगी। ड्रॉ के अनुसार सिंधू पदक दौर से पहले दुनिया की नंबर एक एन से यंग (दक्षिण कोरिया) और मौजूदा विश्व

चैंपियन अकाने यामागुची (जापान) से भिड़ने से बच गई हैं। हालांकि, प्री-क्वार्टर फाइनल में उनका सामना चीन की तीसरी वरीय वांग झी यी से हो सकता है, जबकि क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया की छठी वरीय पुत्री कुसुमा वारदानी चुनौती बन सकती हैं। 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन पहले दौर में ऑस्ट्रिया के कोलिन्स वेलेंटाइन फिलिमोन से भिड़ेंगे। अगर वह आगे बढ़ते हैं तो प्री-क्वार्टर फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसर्न से संभावित मुकाबला हो सकता है। भारतीय खिलाड़ियों में सबसे कठिन ड्रॉ आयुष शेट्टी को मिला है। उनका पहले ही मैच में चीन के शीर्ष खिलाड़ी और मौजूदा विश्व चैंपियन शी यूकी से सामना होगा। आयुष अब तक शी यूकी के खिलाफ तीनों मुकाबले हार चुके हैं, लेकिन हालिया मुकाबलों में उन्होंने चीनी खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी है।

जब मैंने शुरुआत की थी तब हमारी इंडस्ट्री काफी डिसआर्गेनाइज्ड थी

दिव्येंदु बॉलीवुड के उन कलाकारों में से हैं, जिन्होंने इंडस्ट्री में बिना किसी गॉडफादर के, एक नॉन फिल्मी परिवार से आते हुए अपनी अलग पहचान बनाई है। हालांकि, उनका यह सफर आसान भी नहीं रहा है। फिल्मी दुनिया में अपना मुकाम बनाने के लिए कैसे-कैसे पापड़ बेलने पड़ते हैं, यह बात किसी से छिपी नहीं है। फिर चाहे आप भले ही कितने टैलंटेड हैं। पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट से एक्टिंग सीखकर आए दिव्येंदु को भी रिजेक्शन के लंबे दौर से गुजरना पड़ा। यही नहीं, साल 2011 में 'प्यार का पंचनामा' से वाहवाही बटोरने के बावजूद अपने अपने हिस्से की लाइमलाइट के लिए 2018 का इंतजार करना पड़ा, जब 'मिर्जापुर' आई। बीते दिनों वेब सीरीज 'ग्लोरी' और फिल्म 'पेद्दी' में तारीफ पाने के बाद अब वह आगे 'मिर्जापुर: द मूवी' में फिर से मुन्ना भैया बनकर आ रहे हैं।

पिछले दिनों आई सीरीज 'ग्लोरी' में देव के किरदार के लिए सराहे गए दिव्येंदु बताते हैं, 'जब मैंने शुरुआत की थी, तब हमारी इंडस्ट्री काफी डिसआर्गेनाइज्ड थी। तब एक ही पैटर्न पर फिल्में बनती थीं। कुछ जब हिट हो जाता था तो वैसी ही कहानियां और बनने लगती थीं। कास्टिंग जैसा प्रॉसेस तब बिल्कुल नहीं था। आज जैसे कास्टिंग डायरेक्टर तब होते नहीं थे, तो बड़ी मुश्किल होती थी कि जाएं तो जाएं कहां।'

कोविड महामारी से एक अच्छी चीज हुई

दिव्येंदु कहते हैं, 'कोई गॉडफादर नहीं हैं इंडस्ट्री में, किसी से जान पहचान नहीं है। मैं थिएटर और फिल्म स्कूल से एक्टिंग सीखकर आया था। कई बार जब ऑडिशन में बताया जाता था कि सीन को ऐसे ही करना है तो कई मौकों पर ये लड़ाई होती थी कि जब तुम ही बताओगे कि सीन कैसे करना है, तो मेरा टैलंट कहां है? सच कहूं तो कोविड महामारी वैसे तो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी, पर जैसे सागर मंथन से कुछ अच्छी, कुछ बुरी चीजें भी निकलती है। उसमें अच्छी चीज ये हुई कि लोगों ने अलग-अलग तरह की चीजें देखनी शुरू की।'

शुरआत में रास्ता खोजना बहुत मुश्किल था दर्शकों के बदले रुझान पर बात करते हुए वह कहते हैं, 'कोविड से पहले, एक सेट थाली मिलती थी कि दाल, चावल, रोटी, सब्जी, यही फिल्म है। एक गाना होगा, ये इमोशन सीन है, ये बदला होगा, लेकिन महामारी के दौरान लोगों ने दुनिया भर का सिनेमा देखा, जिससे यहां भी अलग-अलग तरह की चीजें भी बनने लगीं। उसका बहुत फायदा मिला। मेरे करियर के शुरुआती दौर में ये चीजें नहीं थीं, तो रास्ता खोजना बहुत मुश्किल था।'

गुस्सा आता था, लड़ता भी था

दिव्येंदु आगे बताते हैं उनके संघर्ष का दौर खासा निराशाजनक था। बकौल दिव्येंदु, 'ऑडिशन में ज्ञान देने वालों पर मुझे बहुत गुस्सा आता था। मेरी बहुत लड़ाइयां भी होती थीं और मैं कई जगह से ब्लैकलिस्टेड भी था। तब खुद पर विश्वास बनाए रखने के लिए मैं मिर्जा गालिब का एक शेर है, 'बाज़ीचा-ए-अतफ़ाल है दुनिया मिरे आगे, होता है शब-ओ-रोज़ तमाशा मिरे आगे।', मैं वो पढ़ता था और मैं खुद से यही बोलता था कि अरे, इन लोगों को समझ नहीं है कि मैं कौन हूं। इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए खुद पर यह भरोसा जरूरी है।'

मुन्ना भैया ने मेरी टाइप कास्टिंग तोड़ी है

वेब सीरीज 'मिर्जापुर' का मुन्ना भैया हो या पिछली सीरीज 'ग्लोरी' का देव, दिव्येंदु डार्क किरदारों में ज्यादा नजर आते हैं। यह टाइप कास्टिंग है या उनकी चॉइस, यह पूछने पर वह कहते हैं, 'मुझे तो लगता है कि मुन्ना के बाद मुझे ज्यादा अलग-अलग किरदार ऑफर हुए। 'अग्नि', 'मडगांव एक्सप्रेस', 'लाइफ हिल गई' जैसे अलग-अलग काम मिले, तो मेरे लिए मुन्ना भैया ने टाइप कास्टिंग तोड़ी। वरना उससे पहले मैं कॉमेडी ही कर रहा था। जबकि, कॉमेडी मुझे ज्यादा मुश्किल लगती है। मेरी जो थिएटर में ट्रेनिंग रही है, फिल्म इंस्टीट्यूट में जो मेरी पढ़ाई रही है, मुझे ड्रामा, हैवी किरदार करना ज्यादा पसंद है।' हालांकि, दिव्येंदु यह भी कहते हैं कि उन्हें 'ग्लोरी' के देव का किरदार 'मिर्जापुर' के मुन्ना भैया से भी ज्यादा डार्क लगता है। वह कहते हैं, 'देव मेरी जिंदगी का सबसे डार्क किरदार है। मैंने उससे ज्यादा डार्क कभी कुछ नहीं निभाया।

विजय वर्मा ने स्ट्रगल के दिनों को किया याद

एक्टर विजय वर्मा आज अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। 'गली बॉय', 'दहाड़' और 'डार्लिंग्स' जैसी फिल्मों और सीरीज में उन्होंने शानदार काम किया है। लेकिन बॉलीवुड तक उनका सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा। विजय वर्मा ने प्रखर गुप्ता के यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा, 'मैंने हैदराबाद में थोड़ी-बहुत मॉडलिंग करने की कोशिश की थी, छोटे लेवल पर। लेकिन वहां एक अजीब मॉडल कोऑर्डिनेटर मिला। वो मेरे साथ गलत व्यवहार करने लगा, जैसे मुझे छूने की कोशिश कर रहा हो। मैंने उससे कहा, 'भाई ये क्या कर रहे हो?'' उन्होंने आगे बताया कि इस अनुभव से वह काफी निराश हो गए थे। विजय ने आगे कहा, 'जब आप नए होते हैं, तो जल्दी हिम्मत टूट जाती है। लेकिन फिर मैंने सोचा कि अगर मुझे एक्टिंग ही करनी है, तो मुझे डटकर सामना करना होगा।'

उन्होंने बताया, 'मैं हैदराबाद के सूत्रदार स्कूल ऑफ एक्टिंग गया और कहा कि मुझे एक्टिंग सीखनी है। लेकिन उन्होंने मुझे मना कर दिया। उन्होंने कहा कि इसमें कमिटमेंट और मेहनत चाहिए, ये दो दिन का काम नहीं है। मुझे लगा कि वो मुझे मौका ही नहीं दे रहे।' इसके बाद विजय ने फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया में अप्लाई किया, लेकिन वहां भी पहली बार में उन्हें रिजेक्ट कर दिया गया। हालांकि उन्होंने हार नहीं मानी और दूसरी बार कोशिश करने पर उन्हें एडमिशन मिल गया। वहां उन्होंने राजकुमार राव और जयदीप अहलावत जैसे एक्टर्स के साथ पढ़ाई की।

विजय वर्मा का वर्क फ्रंट

वर्क फ्रंट की बात करें तो विजय वर्मा हाल ही में विभु पुरी की फिल्म 'गुस्ताख इश्क' में नजर आए थे। इस फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, फातिमा सना शेख और शारिब हाशमी भी थे। यह फिल्म फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की बतौर प्रोड्यूसर पहली फिल्म थी। इसके अलावा विजय हाल ही में वेब सीरीज 'मटका किंग' में भी दिखे, जिसमें एक साधारण कॉटन व्यापारी के गैम्बलिंग डॉन बनने की कहानी दिखाई गई है।

साई पल्लवी की सादगी की मुरीद हैं निहारिका एनएम

तब्बू और श्रीदेवी को भी बताया अपनी प्रेरणा

सोशल मीडिया और कंटेंट क्रिएशन की दुनिया से फिल्मों तक का सफर तय करने वाली अभिनेत्री निहारिका एनएम ने अभिनेत्री साई पल्लवी को अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस बताया। उन्होंने कहा कि साई पल्लवी की सादगी, शानदार अभिनय और व्यक्तित्व उन्हें हमेशा प्रेरित करता है। खास बातचीत में निहारिका एनएम ने कहा, ''साई पल्लवी उन अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्हें मैं लंबे समय से पसंद करती हूं। उनकी सादगी, खूबसूरती और अपने काम के प्रति समर्पण उन्हें सबसे अलग बनाता है। वह मुझे हमेशा प्रेरित करती हैं।'' निहारिका ने कहा, 'साई पल्लवी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उन्होंने बिना किसी बनावटी छवि के दर्शकों के दिलों में जगह बनाई है और यही बात मुझे बेहद पसंद आती है। मेरा मानना है कि आज के समय में ऐसे कलाकार बहुत कम हैं जो अपनी सादगी और स्वाभाविक अंदाज से लोगों का दिल जीतते हैं।'

साई पल्लवी के अलावा निहारिका ने बॉलीवुड एक्ट्रेस तब्बू और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने तब्बू को सदाबहार कलाकार बताते हुए कहा, ''वह आज भी अपनी अभिनय क्षमता से हर किरदार में जान डाल देती हैं। उनकी एक्टिंग और डांस दोनों ही शानदार हैं और वह हर पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणा हैं। श्रीदेवी भी भारतीय सिनेमा की सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक रहीं।'' बातचीत के दौरान निहारिका ने अपनी नई फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''इस फिल्म से जुड़ने का सबसे बड़ा कारण इसकी कहानी थी। जब मैंने पहली बार फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे यह काफी मजेदार लगी। मैंने महसूस किया कि यह ऐसी फिल्म है, जिसे मैं खुद भी एक दर्शक के रूप में देखना पसंद करूंगी। इसलिए मैंने इस प्रोजेक्ट के लिए हां कह दी।'' फिल्म में अभिनेता और डांसर राघव जुयाल के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए निहारिका ने कहा, ''राघव के साथ काम करना ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन दोनों ही जगह बहुत मजेदार रहा। जो सीन पर्दे पर दो-तीन सेकेंड का दिखाई देता है, उसे शूट करने में कई घंटे लग जाते हैं। ऐसे में उनकी एनर्जी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है।'' विवेक बी. अग्रवाल के निर्देशन में बनी 'भाई तेरा स्टार है' में राघव जुयाल, संजय कपूर, बरखा सिंह, चंदन रॉय सान्याल, विवान भटेना और विकल्प मेहता जैसे कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। यह फिल्म 30 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

किरदारों को चुनने में हमेशा सतर्क रहूंगी

चर्चित टीवी शो 'बालिका वधू' में आनंदी के तौर पर लोगों का दिल जीतने से लेकर मुश्किल रियलिटी शो और फिल्मों में काम करने तक, अदाकारा अविका गोर ने दर्शकों का खूब दिल जीता। उनका कहना है कि अब वे अपनी दमदार परफॉर्मेंस के जरिए पहचान पाना चाहती हैं। वे चाहती हैं कि उन्हें शानदार भूमिकाओं के लिए दर्शक याद रखें। यही वजह है कि वे किरदारों का चयन भी काफी सोच-समझकर कर रही हैं।

पहले से ज्यादा जागरुक हो गई हैं अविका

बातचीत में अविका ने कहा कि वे सिर्फ ऐसे रोल नहीं करना चाहतीं, जिनमें किसी ऑब्जेक्ट की तरह दिखें। अविका स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में नजर आ रही हैं, जो आज 01 अगस्त से शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि वे ऐसी स्क्रिप्ट चुनने को लेकर ज्यादा जागरूक और सतर्क हो गई हैं, जिनमें दमदार परफॉर्मेंस का मौका मिले।

उन्होंने कहा, 'मैं सिर्फ यह मानती हूं कि लोग मुझसे बहुत अच्छी परफॉर्मेंस की उम्मीद करते हैं। कुछ ऐसे किरदार हैं, जो मैं अपनी फिल्मों में करती रहती हूं, जहां मुझे अभिनय करने का मौका मिलता है। मुझे यह दिखाने का मौका मिलता है कि मैं एक कलाकार के रूप में क्या करने में सक्षम हूं। इसलिए मुझे लगता है कि मेरा ध्यान हमेशा सही स्क्रिप्ट चुनने, सही किरदार चुनने पर होता है, जहां मुझे फिल्म में फर्नीचर बनने से ज्यादा कुछ करने का मौका मिलता है। यही वजह है कि मैं हमेशा सही स्क्रिप्ट चुनने और सही किरदार चुनने को लेकर बेहद सचेत रहूंगी'।

दर्शकों और फैंस को कहा शुक्रिया

टीवी शो 'बालिका वधू' में आनंदी के किरदार से मशहूर हुईं अविका ने कहा कि लगभग दो दशक बाद भी शो की लगातार लोकप्रियता के लिए वे शुक्रगुजार महसूस करती हैं।

रागिनी 3 में नजर आएंगी आरजे महवश

महवश इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'रागिनी 3' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का उन्होंने आधिकारिक एलान कर दिया है। महवश ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खुशी जाहिर की है। साथ ही एकता कपूर का आभार जताया है। महवश ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने फिल्म 'रागिनी 3' का एलान करते हुए कुछ फोटोज शेयर की हैं, जो सेट की हैं। फिल्म को लेकर तैयारी चल रही हैं। एक तस्वीर में महवश ने हाथों में क्लैपरबोर्ड थाम रखा है, जिस पर लिखा है, 'रागिनी 3'। महवश ने लिखा है, 'अपनी अगली फिल्म 'रागिनी 3' का एलान करते हुए मैं बहुत उत्साहित हूं। जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मुझे यह मौका देने के लिए एकता कपूर मैम, बालाजी मोशन पिक्चर्स, श्रुति महाजन और हमारे निर्देशक शशांक घोष सर की हमेशा आभारी रहूंगी। बाकी तुम लोग अपने प्यार से संभाल लेना दोस्तों'।

नए प्रोजेक्ट में फिर एक साथ नजर आने वाले हैं शरवरी वाघ और वेदांग रैना

फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में दर्शकों की दिल जीतने के बाद शरवरी वाघ और वेदांग रैना एक बार फिर एक नए प्रोजेक्ट में एक-साथ नजर आने वाले हैं। खबरों की मानें तो इन कलाकार को निर्देशक इम्तियाज अली की अगली रोमांटिक फिल्म में लीड रोल के लिए साइन किया गया है। इसकी शूटिंग नवंबर में शुरू हो सकती है। लंबे समय तक चली राइटिंग प्रोसेस के बाद बिना नाम वाली फिल्म की पटकथा पूरी हो गई है। इसका मुख्य डेवलपमेंट का काम पूरा हो चुका है। कास्टिंग भी पूरी हो गई है और अब प्रोडक्शन टीम लोकेशन खोजने, शेड्यूल बनाने और दूसरी योजना पर ध्यान देगी। ताकि इस साल के आखिर में शूटिंग शुरू हो सके। प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्रों ने बताया कि मेकर्स को भरोसा है कि सब कुछ सही चल रहा है। टीम अब प्री-प्रोडक्शन के आखिरी स्टेज में है और यह पक्का कर रही है कि नवंबर में प्रोडक्शन शुरू होने से पहले सभी क्रिएटिव और टेक्निकल इंतजाम पूरे हो जाएं।

लीड जोड़ी की वापसी

इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि इम्तियाज अली को लगता है कि शरवरी और वेदांग रैना फिल्म के इमोशनल माहौल के लिए एकदम सही हैं। दोनों एक्टर्स ने हाल के कुछ परफॉर्मेंस से अपनी अच्छी पहचान बनाई है। उनका साथ आना इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी खूबियों में से एक होगा।

संक्षिप्त समाचार

पर्यावरण कानून के तहत कोलंबिया में 839 गिरफ्तार

बोगोटा, एजेंसी। पांच अमेजन देशों की पुलिस ने अमेजन वर्षावन में पर्यावरण अपराधों पर बड़ी कार्रवाई की। इसमें सैकड़ों गिरफ्तारियां हुईं और लकड़ी, खनिज तथा हजारों पशुधन जब्त किए गए। बोलीविया, ब्राजील, कोलंबिया, इक्वाडोर और पेरू ने 15 से 31 जुलाई तक 'ऑपरेशन ग्रीन शील्ड 2026' चलाया। इसमें 3,600 से अधिक अधिकारी तैनात थे। इसका लक्ष्य अवैध खनन, कटाई, वन्यजीव तस्करी और भूमि हथियाना था। ऑपरेशन में 839 गिरफ्तारियां और 1,045 फील्ड कार्रवाई हुईं। 280,000 क्यूबिक मीटर से अधिक अवैध लकड़ी, 195 मीट्रिक टन खनिज जब्त हुए। 3,000 से अधिक जीवित जानवर बचाए गए, 430 मृत जानवर भी बरामद हुए। जब्त सामान का मूल्य 280 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक था। यह 2025 के समान ऑपरेशन के बाद हुई थी। इस वर्ष बोलीविया को भी शामिल किया गया।

अमेरिका ने ब्राजील की राजदूत का वीजा रद्द किया, चुनाव से पहले तनाव बढ़ा

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने ब्राजील की राजदूत मारिया लुइजा रिबेरो वियोटी का वीजा रद्द कर दिया है। यह ब्राजील के अमेरिकी राजनयिकों को वीजा न देने और राजदूत के नामांकन में देरी का जवाबी कदम है। विदेश विभाग ने कहा कि ब्राजील की कार्रवाइयों को यह निर्णय उचित कार्रवाई पर तुरंत बदला जा सकता है। ट्रंप और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के प्रशासन के बीच तनावपूर्ण संबंध हैं। ट्रंप, लूला के पूर्ववर्ती जैर बोल्सोनारो और उनके बेटे फ्लेवियो बोल्सोनारो के समर्थक हैं। फ्लेवियो अक्तूबर चुनाव में लूला के मुख्य प्रतिद्वंद्वी हैं। ब्राजील ने जुलाई में अमेरिकी राजनयिक रिले बार्न्स और उनके एक सहयोगी को वीजा नहीं दिया था। ट्रंप प्रशासन ने ब्राजील के बड़े मादक पदार्थ तस्करी समूहों को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया। शुक्रवार, 1 अगस्त, 2026 को ब्राजील के निर्यातों पर 37.5 फीसदी तक शुल्क वृद्धि भी लागू हुई। लूला प्रशासन इसे सीनेटर बोल्सोनारो के पक्ष में चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास मानता है।

खैबर पख्तूनख्वा में बारिश से संबंधित घटनाओं में छह की मौत, 65 घर क्षतिग्रस्त

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में अधिकारियों ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक सप्ताह के भीतर बारिश से संबंधित घटनाओं में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के अनुसार मंगलवार को, भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ से प्रांत के कई जिलों में व्यापक क्षति हुई है। 29 जुलाई से अब तक इन घटनाओं में छह अन्य लोग घायल भी हुए हैं। पीडीएमए के एक प्रवक्ता ने बताया कि मृतकों में दो महिलाएं और चार बच्चे शामिल हैं। प्राधिकरण ने जानकारी दी कि प्रांत में कुल 65 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें से 41 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है, जबकि 24 घर पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। प्रभावित जिलों में एबटाबाद, स्वात, बुनेर, खैबर, लोअर चित्राल, लोअर दीर, मानसेहरा, मरदान, पेशावर, शांगला, स्वाबी, अपर दीर और अपर कोहिस्तान शामिल हैं। प्रवक्ता ने बताया कि पीडीएमए, रेस्क्यू 1122, जिला प्रशासन और अन्य संबंधित विभाग प्रभावित क्षेत्रों में संयुक्त रूप से राहत अभियान चला रहे हैं। पीडीएमए के महानिदेशक ने जिला प्रशासनों को राहत कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया है। उन्होंने प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता सुनिश्चित करने को भी कहा है।

अफ्रीका में भीषण हादसा : यात्री वैन और ट्रक की टक्कर में 14 लोगों की मौत, चालक की लापरवाही पड़ी भारी

कम्पाला, एजेंसी। युगांडा में एक यात्री वैन और रेत ले जा रहे ट्रक के बीच टक्कर हो गई। इसमें कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी पुलिस ने दी। यह हादसा सोमवार रात कालुंगु जिले के कमुंगा ट्रेडिंग सेंटर इलाके में एक राजमार्ग पर हुआ। पुलिस ने एक बयान में कहा कि मरने वाले सभी लोग वैन में सवार यात्री थे। वहीं, चार अन्य घायल हो गए। अफ्रीका भर में सड़क दुर्घटनाएं एक समस्या हैं और युगांडा में ये आम हैं। इन दुर्घटनाओं के लिए अक्सर खराब रखरखाव वाले वाहन, अत्यधिक गति और खराब सड़क स्थितियों को जिम्मेदार ठहराया जाता है। जुलाई में पूर्वी युगांडा में एक सुरम्य झरने की शैक्षिक यात्रा से लौट रही एक प्राथमिक विद्यालय की बस सड़क से उतरकर पलट गई, जिससे कम से कम 20 बच्चों और एक वयस्क की मौत हो गई।

ट्रंप नेशनल गोल्फ क्लब के पास से संदिग्ध गिरफ्तार, अमेरिकी राष्ट्रपति को मारने का था प्लान? हथियार भी बरामद

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कैलिफोर्निया दौरे से पहले एक संदिग्ध व्यक्ति को हथियार समेत गिरफ्तार किया गया है. जानकारी के मुताबिक लॉस एंजिल्स के पास ट्रंप नेशनल गोल्फ क्लब के बाहर इस शख्स को गिरफ्तार किया गया है.

लॉस एंजिल्स काउंटी शेरिफ डिपार्टमेंट ने कहा कि फेडरल एजेंट्स ने गोल्फ कोर्स के आसपास एक संदिग्ध व्यक्ति के घूमने की खबर दी थी, जिसके बाद संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया. विभाग ने आगे बताया कि गिरफ्तार संदिग्ध की पहचान हो गई है. वह 38 साल का जीनिन जॉन टेले (Jeanine John Taele) है और वह कैलिफोर्निया के डाउनी का रहने वाला है. अधिकारियों ने कहा कि जब संदिग्ध को कस्टडी में लिया, तो उसके पास एक हथियार और बैन गोला-बारूद भी मिला. उसे हथियार रखने और बैन गोला-बारूद रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है.

शेरिफ डिपार्टमेंट के मुताबिक, टेले को गोल्फ क्लब ग्राउंड पर फोटो लेते और वीडियो रिकॉर्ड करते देखा गया था. जांचकर्ताओं ने कहा कि ऐसा लग रहा था कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के दौरे से पहले प्रॉपर्टी पर 'सिक्योरिटी-प्लानिंग एक्टिविटीज' पर नजर रख रहा था.

अमेरिकी सीक्रेट सर्विस यह पता लगाने के लिए जांच कर रही है कि क्या संदिग्ध से राष्ट्रपति ट्रंप को कोई खतरा था. मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, जांच करने वाले यह जांच कर रहे हैं कि क्या यह घटना राष्ट्रपति के खिलाफ किसी संभावित खतरे से जुड़ी थी. हालांकि,

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिकइस बात का अभी कोई संकेत नहीं है कि संदिग्ध हमले की साजिश रच रहा था, साथ ही इस बात पर जोर दिया कि जांच अभी भी जारी है. अधिकारियों ने यह भी बताया कि टेले की एल सेगुंडो पुलिस डिपार्टमेंट एक अलग रॉबरी केस के सिलसिले में जांच कर रहा है.

उस जांच के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी गई है. जब शेरिफ डिपार्टमेंट ने गिरफ्तारी की घोषणा की, तब राष्ट्र्रति ट्रंप कैलिफोर्निया जा रहे एयर फोर्स वन में थे. इस घटना के बावजूद, मंगलवार शाम को उनके रैंचो पालोस वर्डेस गोल्फ कोर्स में रिपब्लिकन नेशनल कमेटी के डिनर में शामिल होने का उनका शेड्यूल था. यह सिक्योरिटी डर तब आया जब लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियां ??प्रेसिडेंशियल इवेंट्स के आसपास कड़ी सिक्योरिटी बनाए हुए हैं. फेडरल, स्टेट और लोकल अथॉरिटीज अमेरिकी राष्ट्रपति के दौरे से पहले रेगुलर तौर पर बड़े सिक्योरिटी उपायों को कोऑर्डिनेट करती हैं, और ऐसे इवेंट्स होस्ट करने वाली जगहों के पास किसी भी संदिग्ध एक्टिविटी को एक गंभीर मामला माना जाता है.

सीक्रेट सर्विस और लोकल लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों की जांच टीम संदिग्ध की गतिविधियों, इरादों और किसी भी संभावित सिक्योरिटी असर की जांच कर रहे हैं. अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि जब तक जांच चल रही है, वे अंदाजा लगाने से बचें.

इस साल अप्रैल में हुआ हमला : इसी साल 26 अप्रैल 2026 को ट्रंप पर जानलेवा हमला हुआ था,. जब वे वॉशिंगटन के एक होटल में मीडिया के लोगों के लाथ डिनर कर रहे थे. तभी अचानक से लोगों को गोलियां चलने की आवाजें सुनाई दीं. हालात को देखते हुए सुरक्षाकर्मियों ने ट्रंप को वहां से निकाला और सुरक्षित जगह ले गए. सुरक्षा कर्मियों ने बताया कि करीब 7-8 राउंड फायरिंग हुई थी. इस घटना के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि हमलावर पकड़ा गया है और कार्यक्रम चालू रहना चाहिए. उसके बाद उन्होंने हमलावर को बीमार बताया और कि हमले के पीछे का मकसद कुछ साफ नजर नहीं आया है.

चुनावी रैली में भी हुई फायरिंग : करीब दो साल पहले 13 जुलाई 2024 को भी ट्रंप पर हमले की कोशिश की गई थी. पेंसेल्वेनिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन पर फायरिंग हुई थी. उस समय वे अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार के तौर पर प्रचार कर रहे थे. जानकारी के मुताबिक बटलर में हो रही रैली के दौरान एक 20 साल के लडके थॉमस मैथ्यू क्रूक्स ने ,क्र15 राइफल से उनपर फायरिंग की थी. अच्छी बात यह रही कि गोली ट्रंप के कान को छूती हुई निकल गई और थोड़ी चोटें आईं. पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए हमलावर को तुरंत मार गिराया.

सितंबर 2024 में भी हुआ हमले का प्रयास : जुलाई के दो महीने बाद 15 सितंबर 2024 को फ्लोरिडा गोल्फ कोर्स में भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर गोल्फ खेलते समय फायरिंग हुई. करूब 59 साल के शख्स रयान वेस्ले राउथ को गिरफ्तार किया गया. वह झाड़ियों में छिपकर फायरिंग कर रहा था. अमेरिकी सर्विस एजेंट्स ने फौरन उसे पकड़ लिया और फिर उसे सजा सुनाई गई.

दस साल पहले भी हुई थी फायरिंग : दस साल पहले भी ट्रंप पर 18 जून 2016 को फायरिंग हुई थी. उस समय वे अमेरिका के राष्ट्रपति नहीं, बल्कि रिपब्लिकन उम्मीदवार थे. एक 20 साल के ब्रिटिश युवक ने ऑटोग्राफ लेने के बहाने उन पर हमले करने की सोची, लेकिन सुरक्षाबलों ने समय रहते उसे पकड़ लिया।

रूस ने यूक्रेन पर रात में किया हमला, एक की मौत, पांच घायल हो गए

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस के मंगलवार देर रात (लोकल टाइम) किए गए हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए. शहर के मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक, दोनों देशों के बीच युद्ध बढ़ता जा रहा है. अल जजीरा के मुताबिक यूक्रेनी एयर फोर्स के कई बैलिस्टिक मिसाइलों के आने की खबर देने के बाद यूक्रेनी राजधानी में धमाकों की आवाज सुनी गई. यह नया हमला रूस और यूक्रेन दोनों की तरफ से बॉर्डर पार से किए जा रहे हमलों के बीच हुआ है. लोकल अधिकारियों के मुताबिक सोमवार को दक्षिणी रूस के रिसॉर्ट शहर गेलेंदजिक के एक भीड़भाड़ वाले बीच पर यूक्रेन के ड्रोन का मलबा गिरने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई. रूस की सरकारी न्यूज एजेंसी टैस (ञ्चस्स्) ने रूस के बच्चों के अधिकार कमिश्नर के हवाले से बताया कि मरने वालों में चार बच्चे थे. इस घटना में 58 लोग घायल भी हुए, जिनमें से कई अभी भी हॉस्पिटल में भर्ती हैं.

इलाके के गवर्नर वेनियामिन कोंड्राटिव ने कहा कि मौतें तब हुई जब एक अनमैन्ड एरियल व्हीकल (ढ्ढङ्क) का मलबा बीच पर गिरा. यह अभी साफ नहीं है कि ड्रोन अपने आप क्रैश हुआ या रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने उसे गिराया. सीएनएन के वीडियो फुटेज के एनालिसिस के मुताबिक ड्रोन के तेजी से रास्ता बदलने और बीच पर क्रैश होने से कुछ देर पहले कम से कम तीन हथियारों से ऑटोमैटिक गोलियों की आवाज सुनी गई. सीएनएन ने बताया कि नीचे गिरने से पहले ड्रोन पास के रूसी रडार इंस्टॉलेशन को पार करता हुआ दिखा. सीएनएन को दिए एक बयान में यूक्रेन के सेंटर फॉर काउंटरिंग डिसइन्फॉर्मेशन के हेड एंड्री कोवलेंको ने आरोप लगाया कि यह हादसा रूसी एयर डिफेंस एक्टिविटी की वजह से हुआ. कोवलेंको ने सीएनएन को बताया, 'यह रूसी एयर डिफेंस फोर्स का काम था, जिन्होंने छुट्टियां मनाने वालों से भरे बीच पर ड्रोन को मार गिराया.' उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन सिर्फ रूस के मिलिट्री-इंडस्ट्रियल और इकोनॉमिक इंफ्रास्ट्रक्चर को टारगेट करता है जो युद्ध की कोशिशों से जुड़ा है. रूसी अधिकारियों ने भी यूक्रेनी ड्रोन हमलों के जारी रहने की रिपोर्ट दी है. टैस के मुताबिक, मॉस्को इलाके में रात भर में एक ड्रोन हमले में पांच लोग मारे गए और छह अन्य घायल हो गए. इससे एक इंडस्ट्रियल एरिया में कई जगह आग लग गई, जिससे एक इलेक्ट्रिकल सबस्टेशन और एक एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग को नुकसान पहुंचा. नए हमले लड़ाई में लगातार बढ़ोतरी को दिखाते हैं. इसमें दोनों पक्षों ने लगातार हवाई हमलों के बीच आम लोगों के मारे जाने और इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचने की रिपोर्ट दी है।

ईरान परमाणु हथियार नहीं बना पाएगा, बातचीत से घटेंगी तेल की कीमतें : जेडी वेंस

वाशिंगटन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि अमेरिका किसी भी स्थिति में ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। उनका कहना है कि तेहरान के साथ बातचीत आसान नहीं होगी, क्योंकि ईरान का नेतृत्व कई गुटों में बंटा हुआ है, लेकिन अंतत: कूटनीति, आर्थिक दबाव और अन्य उपायों के जरिए अमेरिका अपने रणनीतिक लक्ष्य हासिल करेगा। एक साक्षात्कार के दौरान वेंस ने कहा कि ईरान के सत्ता तंत्र में कुछ गुट तनाव समाप्त कर समझौता चाहते हैं, जबकि कुछ कट्टरपंथी टकराव जारी रखने के पक्ष में हैं। यही कारण है कि वार्ता की प्रक्रिया जटिल और समय लेने वाली हो सकती है। उन्होंने कहा कि हाल में एक समझौता ज्ञापन विफल होने के बावजूद कूटनीतिक संपर्क फिर से शुरू हुए हैं। अमेरिका इस प्रक्रिया में जल्दबाजी नहीं करेगा, बल्कि ऐसा समाधान चाहता है जिससे क्षेत्रीय स्थिरता बनी रहे और वैश्विक ऊर्जा बाजार पर सकारात्मक असर पड़े। वेंस ने विश्वास जताया कि भविष्य में तेल की कीमतों में कमी आएगी और वे नियंत्रित स्तर पर बनी रहेंगी। साथ ही उन्होंने दोहराया कि अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने की अनुमति नहीं देगा। उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि वार्ता के बीच किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। उनका मानना है कि बातचीत का अंतिम परिणाम अमेरिका और उसके सहयोगियों की सुरक्षा को मजबूत करेगा।

मिसरी के श्रीलंका दौरे के साथ ही भारत ने दिया रणनीतिक संदेश

-विदेश सचिव ने शीर्ष नेतृत्व से की मुलाकात, ऊर्जा, व्यापार, बंदरगाह और तमिल मुद्दे पर हुई अहम चर्चा

कोलंबो (एजेंसी)। हिंद महासागर क्षेत्र में बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच भारत ने श्रीलंका के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने चीन और भूटान की यात्राओं के तुरंत बाद श्रीलंका पहुंचकर वहां के शीर्ष नेतृत्व के साथ व्यापक वार्ता की। इसे भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति और हिंद महासागर क्षेत्र में दीर्घकालिक रणनीतिक उपस्थिति को सुदृढ़ करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

कोलंबो प्रवास के दौरान मिसरी ने राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके, प्रधानमंत्री हरिणी अमरासूर्या, विदेश मंत्री विजिता हेराथ, विपक्ष के नेता साजिथ प्रेमदासा सहित तमिल समुदाय के प्रतिनिधियों से अलग-अलग मुलाकात की। दोनों देशों ने दिसंबर 2024 के संयुक्त बयान तथा

अप्रैल 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की श्रीलंका यात्रा के दौरान हुए समझौतों को तेजी से लागू करने पर सहमति जताई। बैठकों में भारत-श्रीलंका मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के पुनरीक्षण, सामाजिक सुरक्षा समझौते को अंतिम रूप देने तथा निवेश और सेवा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। भारत ने श्रीलंका के पुनर्निर्माण के लिए घोषित 450 मिलियन डॉलर के पैकेज के तहत रेलवे, पशुपालन और अन्य विकास परियोजनाओं के लिए नई ऋण सहायता तथा अनुदान आधारित योजनाओं को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। ऊर्जा और संपर्क परियोजनाओं पर भी उल्लेखनीय प्रगति हुई।

दोनों देशों ने बिजली ग्रिड इंटरकनेक्शन, सम्पूर सौर ऊर्जा परियोजना, त्रिंकोमाली को क्षेत्रीय ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित करने तथा कंकेसनतुरई बंदरगाह के आधुनिकीकरण की समीक्षा की। डिजिटल पहचान परियोजना और रेलवे नेटवर्क के विस्तार पर भी सहमति बनी। वार्ता के दौरान भारत ने तमिल समुदाय के राजनीतिक अधिकारों, प्रांतीय परिषद चुनाव कराने तथा भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारी के मामलों को मानवीय आधार पर सुलझाने की आवश्यकता भी उठाई। वहीं श्रीलंका ने भरोसा दिलाया कि उसकी भूमि का उपयोग भारत की सुरक्षा के प्रतिकूल नहीं होने दिया जाएगा।

पीओके में बवाल से डरा पाकिस्तान : विदेशी पत्रकारों के लिए सख्त किए नियम, अब हर कदम पर सरकार से लेनी होगी मंजूरी ?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने देश में खबरों की कवरेज करने वाले विदेशी पत्रकारों और मीडिया कर्मियों के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सूचना और प्रसारण मंत्रालय की ओर से जारी नए नियमों के अनुसार, अब सभी विदेशी मीडिया कर्मियों को इस्लामाबाद, लाहौर और कराची के अलावा किसी दूसरे शहर में खबरों की कवरेज के लिए जाने से पहले अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लेना होगा। ये नए नियम ऐसे समय में आए हैं, जब पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इन प्रदर्शनों ने दुनियाभर का ध्यान खींचा है। पाकिस्तानी अखबार डॉन के अनुसार, सूचना मंत्रालय के एक्सटर्नल पब्लिसिटी (ईपी) विंग में पंजीकृत सभी विदेशी पत्रकारों और मीडिया से जुड़े

लोगों को अब किसी भी दूसरे शहर में जाने से पहले अनिवार्य रूप से एनओसी लेना होगा। यह नियम खबर, डॉक्यूमेंट्री, फिल्म, वीडियो या आधिकारिक काम के लिए सोशल मीडिया सामग्री तैयार करने पर लागू होगा। इन नए दिशा-निर्देशों में विदेशी मीडिया से जुड़े पत्रकारों को ईपी विंग के साथ ऑनलाइन पंजीकरण कराने के लिए भी कहा गया है। इसके बाद पाकिस्तानी सरकार की ओर से क्यूआर कोड वाले पीवीसी मान्यता कार्ड जारी किए जाएंगे। डॉन ने आगे बताया कि मान्यता कार्ड जारी होने में चार से छह हफ्ते तक का समय लग सकता है, जबकि पंजीकरण की प्रक्रिया सात कामकाजी दिनों के अंदर पूरी कर दी जाएगी। ये नए नियम अंतरराष्ट्रीय प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया संस्थानों पर लागू होंगे। इसमें वेब आधारित प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया माध्यम भी शामिल हैं। इसके अलावा, विदेश में रहने वाले और विदेशी मीडिया के लिए काम करने वाले पाकिस्तानी पत्रकारों पर भी ये नियम लागू होंगे। नोटिस में लिखा, ईपी विंग को किसी भी मान्यता आवेदन को मंजूर करने या खारिज करने का अधिकार सुरक्षित है। ऐसे मामलों में पत्रकार सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव के पास अपील कर सकते हैं। नोटिस में आगे कहा गया, ईपी विंग से पहले से मान्यता प्राप्त या पंजीकृत सभी विदेशी/अंतरराष्ट्रीय मीडिया कर्मियों को किसी भी दूसरे शहर (इस्लामाबाद, लाहौर और कराची को छोड़कर) जाने के लिए ईपी विंग से अनिवार्य एनओसी लेना होगा। अगर वे अपने आधिकारिक काम के लिए खबर, स्टोरी, वीडियो, फिल्म, डॉक्यूमेंट्री या सोशल मीडिया सामग्री तैयार करने जा रहे हैं।

अमेरिका में भारतीय समुदाय का सम्मान: मैसाचुसेट्स ने 15 अगस्त को घोषित किया 'भारत दिवस', गवर्नर ने क्या कहा?

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के मैसाचुसेट्स की गवर्नर मौरा हीली ने 15 अगस्त को 'भारत दिवस' (इंडिया डे) घोषित किया है। यह फैसला राज्य में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों के योगदान को देखते हुए लिया गया है। गवर्नर ने राज्य के लोगों से इस दिन को उचित तरीके से मनाने में शामिल होने की अपील भी की है।

गवर्नर ने एक अगस्त को जारी एक आधिकारिक घोषणा में भारतीय समुदाय के संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका को भी मान्यता दी। उन्होंने कहा कि ये संगठन हर साल स्वतंत्रता दिवस समारोह और सामुदायिक सेवा के कामों के जरिये लोगों को जोड़ने, अलग-अलग संस्कृतियों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने और एक-दूसरे को बेहतर समझने में मदद करते हैं।

दुनिया में भारतीय समुदाय की भूमिका क्या कहा : मैसाचुसेट्स की गवर्नर की ओर से जारी घोषणा में कहा गया है कि 15 अगस्त 2026 को भारत की ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से आजादी की 79वीं वर्षगांठ होगी। साल 1947 में मिली यह आजादी एक ऐतिहासिक घटना थी, जिसने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की नींव रखी।

घोषणा में कहा गया है कि भारत दुनिया में सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय रखने वाला देश है। दुनिया के दूसरे देशों में भारतीय मूल के 3.6 करोड़ से ज्यादा लोग रहते हैं। इसमें कहा गया कि अमेरिका में 50 लाख से ज्यादा भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जो देश और समुदाय के सामाजिक, आर्थिक और नागरिक जीवन को मजबूत बनाने में बड़ा योगदान देते हैं।

भारत की विविधता का जिक्र : इसमें कहा गया है कि भारत एक मिली-जुली सभ्यता वाला देश है। यह एक प्राचीन देश है, जो अलग-अलग जातीय समूहों, धर्मों, भाषाओं, रीति-रिवाजों, परंपराओं, पहनावे, खान-पान, जलवायु और प्राकृतिक संसाधनों की बहुत बड़ी विविधता के लिए जाना जाता है। इसके बावजूद भारत में एकता की भावना बनी हुई है।

भारतीय-अमेरिकी समुदाय को लेकर क्या कहा : घोषणा में यह भी कहा गया है कि मैसाचुसेट्स में रहने वाले भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने चिकित्सा, विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, कारोबार और सार्वजनिक सेवा जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इससे राज्य की सांस्कृतिक और आर्थिक पहचान और मजबूत हुई है।

भारत दिवस कैसे मनाया जाता है : घोषणा में यह भी कहा गया है कि पूरे मैसाचुसेट्स राज्य में भारतीय-अमेरिकी समुदाय इस अहम अवसर को लगातार मनाता है। इसके लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोकतांत्रिक मूल्यों और शांति व प्रगति के प्रति भारत की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता को सम्मान दिया जाता है।

बोस्टन में भी क्या हुआ एलान : इसी तरह की एक घोषणा बोस्टन की मेयर मिशेल वू ने भी की। उन्होंने भी 15 अगस्त को भारत दिवस घोषित किया। उन्होंने बोस्टन में नए भारतीय वाणिज्य दूतावास के खुलने का स्वागत किया और सेलबोस्टन-250 कार्यक्रम में आई भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सुदर्शिनी की यात्रा का भी जश्न मनाया।

डेमोक्रेटिक पार्टी से शैनन टेलर, रिपब्लिकन से जॉन मैकगायर उम्मीदवार; आम चुनाव में किससे होगी टक्कर?

वाशिंगटन , एजेंसी। सरकारी वकील शैनन टेलर ने मंगलवार को डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर हुए चुनाव में जीत दर्ज की। अब वह अमेरिका के वर्जीनिया राज्य के पहले संसदीय क्षेत्र से डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से आम चुनाव लड़ेंगी। अब आम चुनाव में शैनन टेलर का मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के मौजूदा सांसद रॉब विटमैन से होगा। वर्जीनिया का यह पहला संसदीय क्षेत्र आम तौर पर रिपब्लिकन पार्टी का मजबूत गढ़ माना जाता है, जिसका बड़ा हिस्सा रिचमंड शहर के आसपास के इलाकों में है। लेकिन साल 2025 में डेमोक्रेटिक पार्टी की गवर्नर एबिगेल स्पैनबर्गर ने यहां जीत दर्ज की थी।

क्या डेमोक्रेटिक पार्टी जीत दोहरा पाएगी : डेमोक्रेटिक पार्टी इस साल के चुनाव में इस सीट को अपने पक्ष में लाने की कोशिश कर रही है। पार्टी का लक्ष्य आम चुनाव में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) पर फिर से नियंत्रण हासिल करना है।

सात उम्मीदवारों वाले इस प्राथमिक चुनाव में शैनन टेलर को पार्टी के बड़े नेताओं का समर्थन मिला था। उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी के चुनाव अभियान चलाने वाले संगठन और वर्जीनिया के कई डेमोक्रेटिक नेताओं का समर्थन मिला, जिनमें गवर्नर एबिगेल स्पैनबर्गर भी शामिल हैं। टेलर ने कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा के क्षेत्र में अपने काम को प्रमुखता से रखा।

टेलर के एजेंडे में क्या है : उन्होंने कहा कि अगर वह चुनी जाती हैं, तो वॉशिंगटन में भ्रष्टाचार रोकने के लिए कदम उठाएंगी। इसके तहत सांसदों के शेयर खरीदने-बेचने पर रोक लगाने और पूर्व सांसदों के जीवनभर केंद्र सरकार के सामने किसी कंपनी या संस्था की ओर से पैरवी (लॉबिंग) करने पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश करेंगी।

शैनन टेलर पिछले 14 वर्षों से रिचमंड के उपनगरीय इलाके हेनरिको काउंटी में सरकारी वकील (कॉमनवेल्थ्स अटॉर्नी) के रूप में काम कर रही हैं। चुनाव प्रचार के लिए धन जुटाने के मामले में उन्होंने अपने सभी प्रतिद्वंद्वियों से कहीं अधिक पैसा इकट्ठा किया।

ट्रंप समर्थक मैकग्वायर को फिर मिला मौका : रिपब्लिकन पार्टी के सांसद जॉन मैकगायर ने मंगलवार को अपनी पार्टी के अंदर हुए चुनाव में जीत हासिल की। इसके साथ ही वह अमेरिका के वर्जीनिया राज्य के पांचवें संसदीय क्षेत्र से रिपब्लिकन पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार बन गए हैं।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन वाले जॉन मैकगायर ने अपनी पार्टी के अंदर हुए चुनाव में मेलानी लुसेरो को हराया। अब वह आम चुनाव लड़ेंगे। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से भी उम्मीदवार चुनने के लिए मंगलवार को चुनाव हुआ। इस चुनाव में पूर्व सांसद टॉम पेरीएलो को सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

क्या टॉम पेरीएलो दे पाएंगे कड़ी टक्कर : मध्य वर्जीनिया के इस संसदीय क्षेत्र में आम चुनाव में जॉन मैकगायर को मजबूत दावेदार माना जा रहा है। दो साल पहले हुए आम चुनाव में उन्होंने 57 फीसदी से अधिक वोट हासिल कर जीत दर्ज की थी। हालांकि, रिपब्लिकन पार्टी का मानना है कि अगर डेमोक्रेटिक पार्टी टॉम पेरीएलो को उम्मीदवार बनाती है, तो वह कड़ी टक्कर दे सकते हैं।

अमेरिकी सांसद ने एफसीआरए संशोधनों पर चिंता जताई, कहा- इससे द्विपक्षीय संबंधों पर असर पड़ सकता है : वॉशिंगटन, एजेंसी। एक अमेरिकी सांसद ने मंगलवार को एनजीओ, ट्रस्ट, एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन और धार्मिक संगठनों को मिलने वाले विदेशी डोनेशन को कंट्रोल करने वाले अपने कानूनों में भारत के प्रपोज़्ड अमेंडमेंट पर चिंता जताई. साथ ही कहा कि इस कदम से द्विपक्षीय संबंधों पर असर पड़ सकता है. अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य राइली मूर ने कहा कि फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट (एफसीआरए) में बदलाव से भारत सरकार को चर्चों और धार्मिक चैरिटी पर कब्जा करने की इजाजत मिल जाएगी और यह 'ईसाइयों पर साफ हमला' होगा. वेस्ट वर्जीनिया के रिपब्लिकन मूर ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'ईसाई तब से भारत में हैं जब सेंट थॉमस द अपॉसल हमारे प्रभु यीशु मसीह के दोबारा जी उठने के कुछ दशक बाद मालाबार कोस्ट गए थे।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.